हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दो दिन पहले हरिभूमि ने इस सड़क की दुर्दशा छापी थी

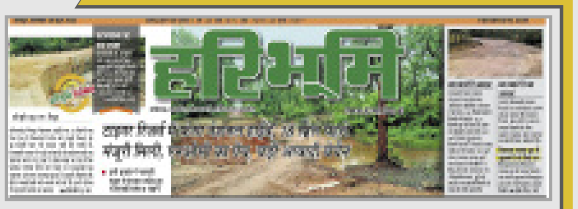

ट्रैक्टर मंगाया गया

एंबुलेंस को निकालने के लिए गांव से ट्रैक्टर मंगाया गया। 2 घंटे की मशक्कत के बाद फंसी एंबुलेंस को ट्रैक्टर के सहारे निकाला गया। सीएचओ पुरैना ने कहा कि बारिश भर इसी तरह परेशानी उठानी पड़ती है। आमामोरा गांव के आगे पूल अधूरा छोड़ा गया हुआ है। नाले में पानी आया तो आमामोरा पंचायत में टापू में तब्दील हो जाएगा।

खास खबर

ये वही अधूरी सड़क...जहां मलेरिया पीड़ित मरीजों की एंबुलेंस फंसी रही, ट्रैक्टर से खींचकर निकाली गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

आमामोरा इलाके के जिस हाईवे मार्ग के अधूरे निर्माण और मुसीबत की खबर हरिभूमि ने प्रकाशित की थी, उसी सड़क पर कल पांच मलेरिया पीड़ित मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस दलदल में फंस गई। इलाज के लिए जा रहे मरीजों को वहां दो घंटे फंसे रहना पड़ा। बाद में ट्रैक्टर बुलवाकर उसे खींचकर निकालना पड़ा। गौरतलब है, 18 साल से बन रही 24 करोड़ की सड़क को टाइगर रिजर्व के आपत्ति के बाद काम रोका गया है। ⏭शेष पेज 7 पर

सड़क की ऐसी है कहानी

नेशनल हाईवे 130 सी से आमामोरा ओंड़ को जोड़ने वाली 31.65 किमी सड़क को प्रधानमंत्री मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण करवाना था। लेकिन 18 साल बाद भी निर्माण एजेंसी पीएमजीएसवाय ने काम पूरा नहीं करवाया। 8 किमी सीसी सड़क समेत 12 किमी सड़क ही पूरी बनी है और 10 किमी पर बीटी कार्य पूरे कर लिए गए थे, डामर ⏭शेष पेज 7 पर

योगगुरु स्वामी रामदेव ने दी माता परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि, कहा-

चार पीढ़ियों को दिया आशीर्वाद अब रहेंगी प्रेरणा बनकर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आर्य समाज, वैदिक परंपरा और योग की भावना को अपने जीवन में पूरी तरह आत्मसात कर जीवन को एक उदाहरण बनाने वाली पूज्य श्रद्धामयी माता परमेश्वरी देवी जी को योगगुरु स्वामी रामदेव ने श्रद्धा और भावनाओं के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को एमडीयू के टैगोर सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बाबा रामदेव ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी का जीवन एक तपस्विनी, अनुशासित और उदार नारी का प्रेरणास्त्रोत उदाहरण है, जिन्होंने तीन पीढ़ियों से आशीर्वाद लिया और चार पीढ़ियों को अपना आशीर्वाद देकर उन्हें मजबूत नींव दी।

बाबा रामदेव ने भावुक होते हुए कहा कि माता जी का जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं, बल्कि लाखों लोगों की छत्रछाया का कम हो जाना है। वह प्रत्यक्ष रूप से 85 परिजनों की पूज्या थीं, लेकिन परोक्ष रूप से लाखों लोगों की जीवन प्रेरणा बन चुकी थीं। उनका जीवन पूर्ण समर्पण, त्याग और ⏭शेष पेज 7 पर

बेटे की तरह दुलार करती तो डांटती भी थीं

बाबा रामदेव ने कहा कि माता जी उन्हें बेहद स्नेह करती थीं। उन्होंने बताया कि मां मुझे अपने बेटों की तरह मानती थीं। मुझे प्यार करती थीं, डांटती थीं, समझाती थीं। एक बार उन्होंने मुझसे कहा कि तू सबके पांव ठीक ⏭शेष पेज 7 पर

भजनों ने किया भावुक

वैदिक दिनेश की भजन मंडली ने कई भजन प्रस्तुत किए। उन्होंने जब चिट्ठी न कोई संदेश, जाने वो कौन सा देश भजन गाया तो हॉल में बैठे हर किसी व्यक्ति की आंखें नम हो गई। इसके अलावा उन्होंने कहां हो मां, तुझे तेरे दुलारे याद करते हैं ⏭शेष पेज 7 पर

ये रहे मौजूद

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह, मंत्री रणबीर गंगवा ने सिंधु भवन में पहुंच कर माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा भूपेंद्र चौधरी यूपी भाजपा अध्यक्ष, सुभाष मेहरिया पूर्व केंद्रीय मंत्री, बिजेंद्र कादयान पूर्व मंत्री, सहेंद्र सिंह पूर्व ⏭शेष पेज 7 पर

देशभर में मानसून ने दस्तक दे दी। उत्तरभारत के अलावा देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश के चलते यमुनोत्री हाईवे समेत कई जगह रास्ते बंद हैं। चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटों के लिए स्थगित कर दिया गया है। इधर, यमुनोत्री के पास भूस्खलन से दो मजदूरों की मौत हो गई, वहीं सात लापता हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली में मानसून ने अपनी सामान्य तिथि 27 जून के दो दिन बाद दस्तक दी और देश के शेष हिस्सों में यह सामान्य तिथि आठ जुलाई से नौ दिन पहले ही पहुंच गया।

देशभर में छाया मानसून, चारधाम यात्रा रुकी भूस्खलन से दो मजदूरों की मौत, सात लापता

मौसम विज्ञान विभाग ने कहा- नौ दिन पहले देशभर में पहुंचा मानसून

- भारी बारिश से यमुनोत्री हाईवे कई जगह बंद, श्रद्धालु फंसे
- अगले 24 घंटे के लिए चारधाम यात्रा स्थगित की गई

बादल फटने से कई मजदूर लापता

यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड़ ओजरी डाबरकोट के बीच सिलाई बैंड के पास बादल फटने से तबाही मच गई। इस दौरान यहां होटल निर्माण स्थल तबाह हो गया है, जिससे कई मजदूर लापता हो गए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। उत्तरकाशी में छह से सात लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में फ्लैश फ्लड से आठ लोग लापता हैं। राजस्थान के उदयपुर, जालोर, पाली, सिरोही सहित कई जिलों में तेज बारिश हुई। पाली जिले के देसूरी और बाली इलाके में तेज बारिश के चलते मघाई नदी उफान पर है। पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बीच आईएमडी ने राज्य के कई जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। ⏭शेष पेज 7 पर

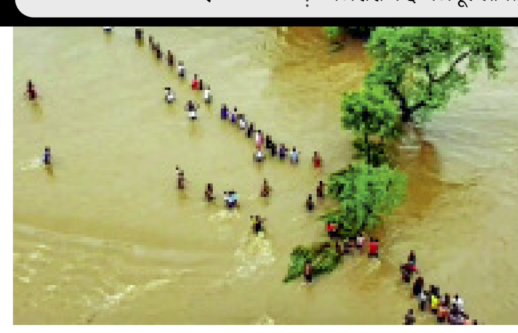

162 बच्चे स्कूल में फंसे, सभी का रेस्क्यू : झारखंड के जमशेदपुर में लव कुश आवासीय स्कूल में फंसे 162 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। बारिश के बाद स्कूल में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे। सोशल मीडिया से जानकारी मिलने के बाद जमशेदपुर पुलिस ने बच्चों को बचाया। जलभराव और लगातार बारिश की वजह से रेस्क्यू काफी चुनौती भरा था। नाव और रस्सियों के जरिए मदद बच्चों तक पहुंचाई गई।

देश का ऐसा हाल

- ओडिशा के मयूरभंज जिले में भारी बारिश से जमुआ घाट पुल टूटा
- उत्तराखंड और हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं
- राजस्थान के सरकारी अस्पताल में पानी घुसा
- मनाली में नेशनल हाईवे का कुछ हिस्सा तेज बारिश से बह गया

छत्तीसगढ़ समेत इन राज्यों में भारी बारिश का अनुमान

29 जून से 5 जुलाई के बीच कई राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश, बिहार, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि हिमाचल और उत्तराखंड में रेड अलर्ट दिया हुआ है इसका कारण है कि वहां रेनफॉल एक्टिविटी बहुत ज्यादा है। अभी झारखंड में भी रेड अलर्ट है। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां भी अनुमान है कि वेरी हेवी रेनफॉल हो सकती है. 2 से 3 दिन तक यह अलर्ट रहने वाला है।

खबर संक्षेप

विशाखा एक्सप्रेस में डकैती की कोशिश नाकाम

पिडुगुराल्ला। सिकंदराबाद से भुवनेश्वर के बीच चलने वाली विशाखा एक्सप्रेस में डकैती की कोशिश को नाकाम कर दी गई। रविवार को तड़के 3:30 से 3:45 बजे के बीच दो अज्ञात संदिग्धों ने अलार्म चेन खींची। सुरक्षा पुलिस जांच के लिए ट्रेन से उतरी लेकिन तब तक अपराधी खेतों की तरफ भाग गए। चेतावनी के बावजूद उन्होंने पुलिस पर पत्थर फेंके।

प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में पुलिस ने एक गोदाम पर छापेमारी करके प्रतिबंधित विदेशी सिगरेट के 94,000 पैकेट बरामद किए। कर्नाटक निवासी एक व्यक्ति समेत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान स्थानीय निवासी परीक्षित (22) और कर्नाटक निवासी पी पी चेंगप्पा (40) के रूप में हुई है।

मेरी क्या गलती थी माँ...

- बूढ़ातालाब में मिली आठ माह के नवजात की लाश

रायपुर। बूढ़ातालाब में रविवार को एक अविकसित नवजात की लाश मिली। आठ माह के इस बच्चे का शव आते जाते लोगों ने तैरते देखा। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने नवजात की लाश को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए मरचूरी रवाना कर दिया। बच्चा बूढ़ातालाब के चांदनी चौक वाले छोर में मिला है। बच्चे को किसने तालाब में फेंका है, इस बात का पता लगाने पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल कर रही है। बच्चा पूर्ण विकसित था, आठ माह की उम्र बताई जा रही है, इसलिए कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

भारतीय रेलवे ने कई अहम फैसले

तत्काल टिकट का नियम बदलेगा, प्रस्थान से आठ घंटे पहले बनेगा आरक्षण चार्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आए दिन टिकट आरक्षण को लेकर होने वाली जद्दोजहद से निजात दिलाने के लिए भारतीय रेलवे ने कई अहम फैसले लिए हैं। रेलवे बोर्ड ने ट्रेनों के प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। इसका मतलब दोपहर 1400 (दो) बजे से पहले प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के आरक्षण चार्ट रात 2100 (नौ) बजे से पहले ही तैयार हो जाएंगे। इससे वेटिंग लिस्ट टिकट ⏭शेष पेज 7 पर

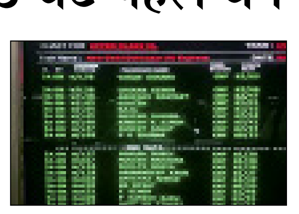

नए पीआरएस से एक मिनट में 1.5 लाख से अधिक बुकिंग : बोर्ड ने बताया कि नई यात्री आरक्षण प्रणाली के माध्यम से अब प्रति मिनट 1.5 लाख से अधिक टिकट बुकिंग की जा सकेगी। इसके अलावा 1 जुलाई, 2025 से आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल एप से तत्काल टिकट बुकिंग को लेकर भी बदलाव होंगे।

जुलाई महीने से शुरू होगी ओटीपी वेरिफिकेशन

इसके अलावा, जुलाई, 2025 के अंत से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए वन टाइम पिन (ओटीपी) आधारित वेरिफिकेशन भी किया जाएगा। इस ऑनलाइन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में यूजर अपने डिजिलॉकर अकाउंट की मदद ले सकते हैं। वेरिफिकेशन के लिए डिजिलॉकर में सेव आधार कार्ड डाटा या किसी अन्य सरकारी आईडी का उपयोग किया जा सकता है। बता दें कि सत्यापन के लिए मान्य डॉक्यूमेंट या किन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

अमिताभ जैन के कार्यकाल का आज आखिरी दिन

कैबिनेट आज, सीएस जैन की होगी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक होगी। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय होने की संभावना है। इसके साथ ही खास बात ये भी है कि 30 जून को ही यह तय होना है कि राज्य का अगला मुख्य सचिव कौन होगा। इसी दिन मौजूदा मुख्य सचिव अमिताभ जैन सेवानिवृत्त होने वाले हैं। कैबिनेट की बैठक के दौरान उन्हें विदाई दी जाएगी। यह भी संभव है कि इसी समय नए सीएस का नाम सामने आने के ⏭शेष पेज 7 पर

नए चेहरे का सस्पेंस खुलेगा

- सबसे लंबे समय तक रहे प्रदेश के मुख्य सचिव

ये हैं दावेदार

राज्य की नौकरशाही में मुख्य सचिव पद के दावेदारों में जिन अधिकारियों के नाम स्वाभाविक दावेदार के रूप में सामने आए हैं, उनमें रेणु गोनेला पिल्ले (1991), सुब्रत साहू (1992), अमित अग्रवाल (1993), मनोज पिंगुआ(1994) और ऋचा शर्मा(1994) शामिल हैं। निधि छिब्बर (1994), विकासशील (1994) भी शामिल है। इनमें से अमित अग्रवाल, निधि छिब्बर और विकासशील फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्त पर सेवाएं दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस तरह के कोई संकेत नहीं है कि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारियों में से किसी को मुख्य सचिव बनाया जा सकता है। अगर यह होता तो संबंधित अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें छत्तीसगढ़ में वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू होती। लिहाजा अनुमान है कि वर्तमान में राज्य में सेवाएं दे रहे अधिकारियों में से किसी एक अफसर को ही मुख्य सचिव बनने का मौका मिलेगा।

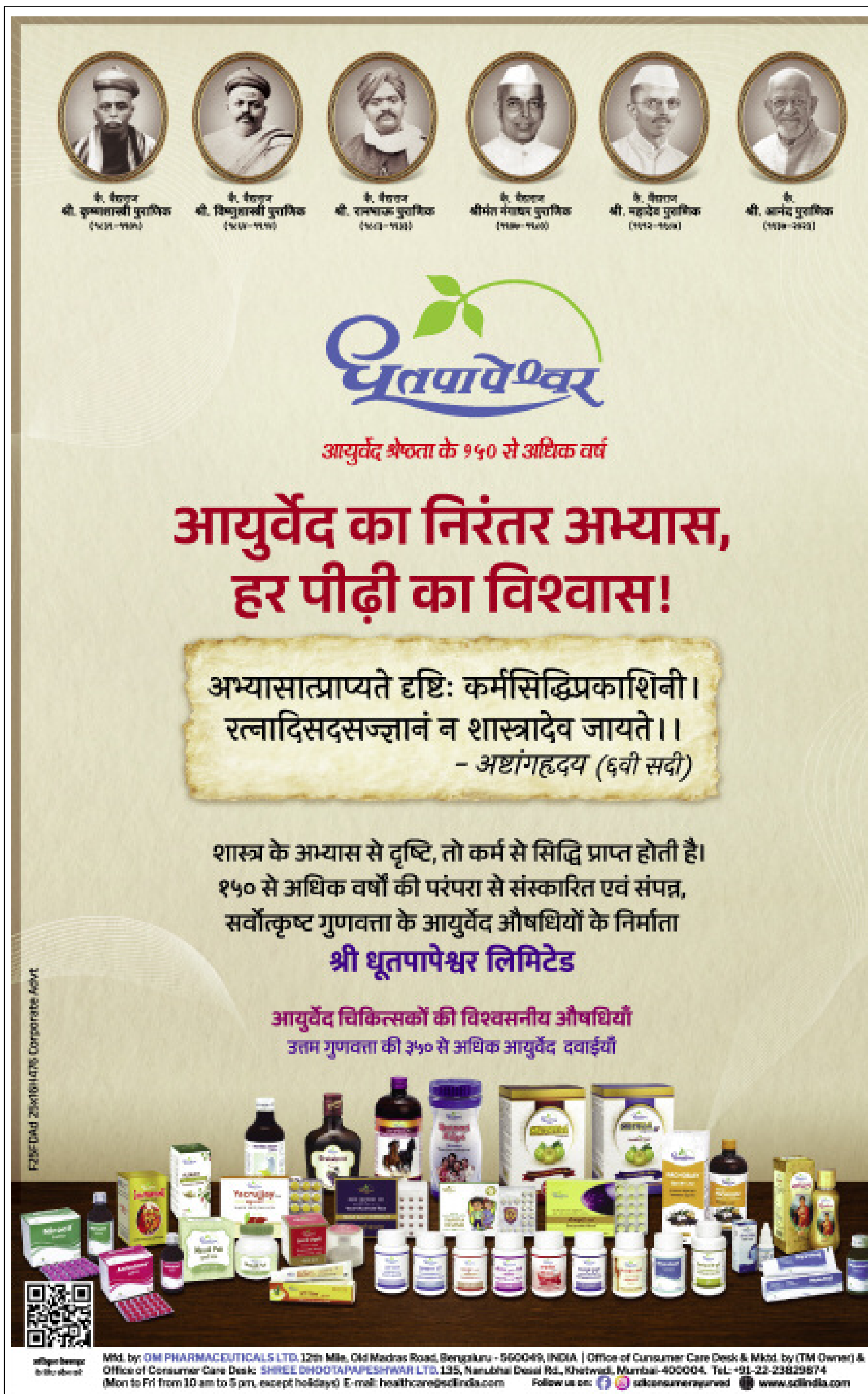

KALINGA UNIVERSITY
RAIPUR | INDIA

NAAC Accredited NIRF 2024 Ranked: 101-150 | 50+ Acre Campus | World Class Infrastructure | 8000+ Students from 27+ Countries | Top Placements & Internships

Faculty of Science

B.Sc.

Biotechnology / Forensic Science / Microbiology / Biochemistry Bioinformatics / ZBC / PCM / Yoga

M.Sc.

Biotechnology / Forensic Science / Microbiology / Biochemistry / Bioinformatics / Physics / Chemistry / Botany / Zoology / Mathematics / Yoga

Diploma / PG Diploma
Yoga

Bachelor & Master of
Library and Information Science

CAREER OPPORTUNITIES:

- Forensic Scientist
- Forensic Accountant
- Digital Forensics Analyst
- Biotechnologist
- Environmental Analyst
- Data Scientist
- Corporate Yoga Trainer
- Wellness Coach
- Science Teacher/Professor
- Holistic Health Practitioner

Why Choose Kalinga University?

- Well-designed CIF & Labs
- Experienced Faculty
- State-of-the-art Facilities
- Industry-Relevant Curriculum
- Creative Environment
- 100% Career Opportunities
- Startups Opportunities

LAST DAY TO APPLY FOR **PHASE-2 ADMISSIONS** 30th June 2025

Hostel & Transport facilities are available on a first-come, first-served basis.

Entrance Exam Scholarship (2025-26):
You Can Get an Extra Scholarship Based on Marks Obtained in **KALSEE/KAL-MAT** Entrance Exam

OUR TOP RECRUITERS — And Many More...
Nestlé | Cipla | accenture | Dr. Reddy's Foundation | Himalaya SINCE 1930

+91-9907252100

Campus: Kalinga University, Kotni, Near Mantralaya, Naya Raipur – 492101, Chhattisgarh
City Office: 1st Floor, SLT Waterfront, Opp. Telibandha Talab, Raipur - 492001
Bhilai Office: 111, Khichariya Complex, Opp. Domino's Pizza, Near Hotel Grand Dhillon, Bhilai

SCAN THE **QR CODE**
To Register for our Entrance Examination
"KALSEE/KAL-MAT"

www.kalingauniversity.ac.in I admissions@kalingauniversity.ac.in

रायपुर
सोमवार, 30 जून 2025
आषाढ़ शुक्ल पक्ष पंचमी
वर्ष : 23, अंक : 343
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.0
न्यून. 23.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

राज्यों को निर्देश

31 दिसंबर तक पूरा करें सीमांकन का कार्य

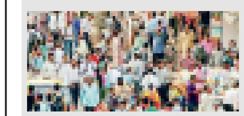

नई दिल्ली। केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में कोई भी प्रस्तावित परिवर्तन 31 दिसंबर से पहले कर लें, क्योंकि इस दिन तक किए गए बदलाव जनगणना कार्य के लिए अंतिम माने जाएंगे। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा है कि जनगणना के लिए सभी गांवों और कस्बों को एक समान गणना प्रखंडों में विभाजित किया जाता है।

मुख्य सचिवों को ऐसे निर्देश

मुख्य सचिवों को लिखे अपने पत्र में नारायण ने उनसे सभी विभागों को नगर निगमों, राजस्व गांवों, तहसीलों, उप-विभागों या जिलों की सीमाओं में कोई भी प्रस्तावित बदलाव 31 दिसंबर से पहले कर लेने का निर्देश देने को कहा। उन्होंने कहा कि एक जनवरी, 2026 और 31 मार्च, 2027 के बीच सीमाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए।

कांग्रेस भवन से बैज का आईफोन चोरी, कश्यप का तंज- भूपेश या टीएस किसका हाथ, बताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

एनएसयूआई कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के बाद से मोबाइल गायब

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन से प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का मोबाइल चोरी हो गया। रविवार को एनएसयूआई की बैठक में शामिल होने पहुंचे श्री बैज का मोबाइल किसी ने गायब कर दिया। इसकी शिकायत थाने में की गई है। इस घटना को लेकर सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई है। मंत्री केदार कश्यप ने तंज कसते हुए कहा, उनके मोबाइल में कौन-से गुप्त राज हैं, जो कांग्रेसी जानना चाहते हैं। उन्होंने पूछा कि चोरी की घटना में भूपेश या टीएस किसका हाथ है। मिली जानकारी के अनुसार, 7 जुलाई को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की किसान-जवान-संविधान जनसभा को सफल बनाने एनएसयूआई कार्यकारिणी की बैठक दोपहर में बुलाई गई थी। बैठक खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष वहां से अपने कमरे में पहुंचे तो मोबाइल नहीं होने पर वापस हॉल में लौटे, तब तक वहां से मोबाइल गायब हो चुका था। घटना के बाद उन्होंने खम्हारडीह थाने में मोबाइल गुम होने की सूचना दी। पुलिस मोबाइल गुम की सूचना पर पतासाजी में लगी हुई है। फिलहाल मोबाइल बरामद नहीं हुआ है। पुलिस से मोबाइल नंबर के आधार पर सर्चिंग की तो पता चला कि टर्निंग पाइंट तक मोबाइल का लोकेशन दिख रहा है। उसके बाद मोबाइल स्वीच ऑफ आ रहा है।

खास खबर

मोबाइल में कुछ नहीं कांटेक्ट नंबर जाने का गम

घटना के बाद पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, एनएसयूआई की कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के दौरान मोबाइल मेरे पास था। बैठक खत्म होने के बाद मोबाइल वहां आसपास दिखवाया। नहीं मिलने पर मोबाइल गुम होने के बाद पुलिस को इसकी सूचना दे दी है। पुलिस मोबाइल की तलाश कर रही है। मोबाइल में कुछ खास नहीं था, बस कांटेक्ट नंबर जाने का गम है।

कौन-से गुप्त राज हैं, जो कांग्रेसी जानना चाहते हैं : कश्यप

वनमंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस कार्यालय से पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का फोन चोरी होने की घटना पर यह जानना चाहा है कि उनके मोबाइल में ऐसे कौन-से राज हैं, जो कांग्रेसी जानना चाहते हैं। चोरी के पीछे उन्हें शक किस पर है? उन्होंने यह भी पूछा है कि क्या भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव या कोई और कांग्रेस नेता इसके पीछे है? उन्होंने कहा, बैज को पूरे प्रदेश को यह बताना चाहिए कि आपकी जासूसी कौन कर रहा है और कौन आपका राज जानना चाहता है, जो आपका मोबाइल चोरी कर सकता है?

मुख्यमंत्री बने छात्र, प्रायमरी स्कूल में छात्राओं के साथ बेंच पर बैठे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कांसाबेल विकासखंड के बगिया प्रायमरी स्कूल में कक्षा तीसरी और चौथी की छात्राओं के साथ बेंच पर बैठे। उन्होंने छात्राओं को अच्छे से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए बड़े ही सहज और आत्मीयता से उनसे मुलाकात की। तीसरी कक्षा की छात्रा डॉली से उनका परिचय जाना और कहा कि पढ़ाई ठीक से करना है मोबाइल ज्यादा नहीं देखना है। मुख्यमंत्री के साथ बैठक बच्चों ने सम्पर्क स्मार्ट स्कूल के नवाचार पढ़ाई के गुण सीखे।

■ तीसरी कक्षा की छात्रा से कहा- पढ़ाई अच्छे से करना है, मोबाइल ज्यादा नहीं देखना

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार और संपर्क फाउंडेशन मिलकर जिले की 50 सरकारी प्राथमिक स्कूलों में एक नवीन शिक्षण कार्यक्रम लागू किया है। इस पहल का उद्देश्य सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से बेहतर बनाना और कक्षा में सीखने की गुणवत्ता में सुधार करना है। संपर्क फाउंडेशन सभी स्कूलों को निःशुल्क टीवी सेट और सम्पर्क टीवी स्मार्ट स्कूल किट प्रदान करेगा। जिले के 50 स्कूलों में सम्पर्क स्मार्ट स्कूल- स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस पहल से करीब 3,200 बच्चों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इन स्कूलों में कार्यरत 120 शिक्षकों को टीचिंग-लर्निंग मटेरियल और संपर्क की प्रभावी शिक्षण पद्धति से प्रशिक्षित किया जाएगा।

स्कूल होंगे 'स्मार्ट'

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार का लक्ष्य बच्चों के सीखने के परिणामों को बढ़ाना है। हम संपूर्ण जिले में सभी स्कूलों को स्मार्ट स्कूलों में बदलेंगे, जिसमें सम्पर्क फाउंडेशन का सहयोग लिया जाएगा। यह स्मार्ट स्कूल्स, स्मार्ट ब्लॉक्स कार्यक्रम "पढ़ना और पढ़ाना आसान बनाएगा, जिससे राज्य के सभी 33 जिलों के 50,000 से अधिक स्कूलों में 1,78,000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर 36 लाख से अधिक बच्चों को लाभ मिलेगा। सभी स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जाएगा।

ओडिशा के पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के निकट बड़ा हादसा, 50 घायल

रथयात्रा में भगदड़ से तीन की मौत, दो अफसर सस्पेंड, हटाए गए कलेक्टर-एसपी

एजेंसी ▶▶ पुरी

ओडिशा के पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के निकट रविवार को मची भगदड़ में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कलेक्टर सिद्धार्थ एस. स्वैन और एसपी विनीत अग्रवाल का तबादला करने का आदेश दिया। वहीं, दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

यह घटना तड़के लगभग चार बजे हुई, जब हजारों श्रद्धालु रथ यात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के निकट एकत्र हुए थे। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 50 घायलों में से छह लोग अब भी होश में नहीं आए हैं और उनकी हालत बहुत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रकों के भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथों के पास भीड़भाड़ वाले स्थान पर घुसने के बाद अफरा-तफरी मच गयी। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवताओं की एक झलक पाने के लिए तड़के से ही मंदिर के बाहर एकत्र हो गए थे, क्योंकि अनुष्ठान के तहत भगवान के चेहरों पर से पाहुड़ा (कपड़ा) हटाया जाना था। मृतकों की पहचान बोलागढ़ निवासी बसंती साहू (36) और बालीपटना निवासी प्रेमकांत मोहंती (80) और प्रवती दास (42) के रूप में हुई है। उनके शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

■ धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी के कारण यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई

गुंडिचा मंदिर पहुंचे थे भगवान

भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ पुरी में रथ यात्रा शुरू होने के एक दिन बाद शनिवार को श्री गुंडिचा मंदिर पहुंचे थे। श्री गुंडिचा मंदिर को भगवान का मौसी का घर माना जाता है, यह मंदिर 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर से 2.6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हर साल भगवान जगन्नाथ मंदिर से अपनी मौसी के घर यानी श्री गुंडिचा मंदिर जाते हैं। भगवान की वापसी की यात्रा को 'बहुदा यात्रा' के नाम से जाना जाता है जो इस साल पांच जुलाई को होगी।

सुबह चार बजे के करीब हादसा

यह घटना तड़के करीब चार बजे हुई, जब सैकड़ों श्रद्धालु रथयात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास एकत्रित हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रकों के भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथों के पास भीड़भाड़ वाले स्थान पर घुसने के बाद अफरा-तफरी मच गई।

राजा के की जांच की अपील

पुरी के राजा गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब ने प्रसिद्ध रथ यात्रा के दौरान मची भगदड़ पर दुख व्यक्त किया और ओडिशा सरकार से इस घटना की तत्काल एवं व्यापक जांच कराने की अपील की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख नवीन पटनायक समेत कई नेताओं ने इन मौतों पर शोक व्यक्त किया, तथा रथ यात्रा की व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की। खरगे ने कहा कि वह ओडिशा के पुरी में एक मंदिर के पास भगदड़ मचने की घटना से बहुत दुखी हैं।

मृतकों के परिजनों को मुआवजा

ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने प्रत्येक मृतक श्रद्धालु के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। सीएम ने विकास आयुक्त की देखरेख में विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से इस घटना को लेकर क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि मैं और मेरी सरकार महाप्रभु जगन्नाथ के सभी भक्तों से क्षमा याचना करते हैं। जो श्रद्धालु इस हादसे में अपनी जान गंवा बैठे, उनके परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान उन्हें यह दुख सहने की शक्ति दें।

खबर संक्षेप

पूर्व पीएम वाजपेयी की जीवनी का अगला भाग 20 जुलाई को

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर लिखी गई अभिषेक चौधरी की दो भागों वाली जीवनी का दूसरा और अंतिम खंड 20 जुलाई को बाजार में आएगा।

प्रकाशन गृह पैन मैकमिलन इंडिया ने घोषणा की। 'बिलिवर्स डाइलेमा: वाजपेयी एंड द हिंदू राइट्स पाथ टू पावर', पुरस्कृत 'वाजपेयी: द एसेन्ट ऑफ द हिंदू राइट' (2023) की अगली कड़ी है। इसे समकालीन भारत के राजनीतिक इतिहास के रूप में वर्णित किया गया है जो 1978-2018 के बीच के महत्वपूर्ण काल पर प्रकाश डालती है।

मेरा बेटा अभिषेक प्रशंसा के योग्य है : अमिताभ

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता

अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह तारीफ के लायक हैं। इस महीने फिल्म उद्योग में अभिषेक के 25 साल पूरे होने वाले हैं। अभिषेक ने वर्ष 2000 में करीना कपूर खान के साथ रिफ्यूजी फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी।

हाथी मानव द्वंद्व में एक दर्जन से अधिक की मौत

हाथी के हमले से एक युवक की मौत दूसरे ने छिपकर बचाई अपनी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

हाथी मानव द्वंद्व की कड़ी में शनिवार की रात एक और दुखद घटना घट गई है। ग्राम लीलर के दो दोस्त खेत और जंगल के रास्ते पैदल जा रहे थे, जहां हाथी के साथ उनका आमना-सामना हो गया। एक दोस्त ने खेतों की मेड़ में छिपकर अपनी जान बचाई, जबकि देवचरण को अपनी जान गंवानी पड़ी। मामला कुकरेल तहसील के समीपस्थ ग्राम लीलर का है। लीलर निवासी देवचरण पिता लीलाराम कंवर अपने साथी ईश्वर ध्रुव के साथ गांव से दो किमी दूर कमार डेरा ▶▶ शेष पेज 7 पर

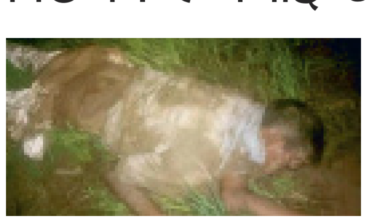

दंतैल नहीं, मखना हाथी है : डीएफओ

धमतरी वनमंडलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव ने बताया कि लीलर क्षेत्र में विचरण कर रहे हाथी का अभी दांत नहीं निकला है। जिस नर हाथी का दांत नहीं होता है, उसे मखना हाथी कहते हैं। दोनों ग्रामीण खेत की पगडंडी के रास्ते चल रहे थे, जहां उनका सामना हाथी से हो गया। मृतक के परिवार को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपए परिजनों को दिए गए हैं। शेष 5.75 लाख रुपए पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं पूरी फारमेल्टी के बाद दिए जाएंगे।

देवचरण राजमिस्त्री का काम करता था

ग्रामीणों ने बताया कि देवचरण की उम्र 45 साल थी। वह घर का एकलौता कमाऊ सदस्य था। पत्नी और बच्चे के साथ अपने भाइयों से अलग रहता था। देवचरण की मौत से परिवार बेसहारा हो गया। उल्लेखनीय है कि पांच साल में हाथी मानव द्वंद्व में एक दर्जन से अधिक लोग मौत के गाल में समा गये हैं।

'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए तीन करोड़ रुपए की ठगी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक बुजुर्ग महिला को 'डिजिटल अरेस्ट' कर तीन करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने के मामले में पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह से कथित तौर पर जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। 61 वर्षीय महिला को 13 अगस्त, 2024 को फोन आया और फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को कुरियर कंपनी का एक कर्मचारी बताया था।

धरे गए आरोपी

जांच के आधार पर 19 जून को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान मुंबई की श्री सत्कार पथपेढ़ी (सहकारी ऋण संस्था) के अध्यक्ष किशोर बंसीलाल जैन (63), वस्त्र और आभूषण कारोबार से जुड़े महेश पवन कोठारी (36) और कॉस्मेटिक व्यवसाय से जुड़े धवल संतोष भालेराव (26) के रूप में हुई है।

रद्द कर दिए दोनों फैसले

तीन भाषा नीति को लेकर बैकफुट पर महाराष्ट्र सरकार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में त्रिभाषा नीति को लागू करने को लेकर देवेंद्र फडणवीस की सरकार बैकफुट पर आ गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 16 अप्रैल और 17 जन को जारी किए गए दोनों आदेशों को रद्द कर दिया है। सरकार ने कहा है कि इस मुद्दे पर पुनर्विचार के लिए समिति बनाई जाएगी। ये दोनों ही आदेश स्कूल में हिंदी को अनिवार्य करने से जुड़े थे। वहीं सरकार के इस फैसले का विरोध हो रहा था। उद्धव ठाकरे के साथ राज ठाकरे और शरद पवार ने भी इस नीति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

प्रदर्शन रद्द

देवेंद्र फडणवीस सरकार के अपने दोनों आदेशों को वापस लेते ही शिवसेना यूबीटी ने 5 जुलाई के प्रदर्शन को भी रद्द करने का फैसला कर दिया है।

क्या थे सरकार के दोनों आदेश

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर उद्धव ठाकरे ने भी डॉ. रघुनाथ माशेलकर कमेटी की सिफारिशों को स्वीकार किया था। इस कमेटी की सिफारिश में कक्षा 1 से 12वीं तक तीन भाषा नीति लागू करने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने अप्रैल और जून में जारी किए गए आदेशों को वापस लेने का फैसला किया है।

एंटी-रैगिंग मानदंडों का पालन न करने पर यूजीसी का एक्शन

'डिफॉल्टर' सूची में चार आईआईटी, तीन आईआईएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

चार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और तीन भारतीय प्रबंधन संस्थान रैगिंग रोधी मानदंडों का पालन नहीं करने के कारण 'डिफॉल्टर' सूची में रखे गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूजीसी ने देशभर के 89 संस्थानों को एंटी-रैगिंग मानदंडों के अनिवार्य अनुपालन का शपथ पत्र जमा न करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 'डिफॉल्टर' सूची में आईआईटी, आईआईएम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) सहित राष्ट्रीय महत्व के 17 संस्थान शामिल हैं। 'डिफॉल्टर' आईआईटी में आईआईटी बंबई, आईआईटी खड़गपुर, ▶▶ शेष पेज 7 पर

डिफॉल्टर सूची में कौन-कौन

डिफॉल्टर सूची में आईआईटी, आईआईएम, एम्स और एनआईडी सहित राष्ट्रीय महत्व के 17 संस्थान शामिल हैं। डिफॉल्टर आईआईटी हैं - आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी पलक्कड़ और आईआईटी हैदराबाद. इसी तरह, आईआईएम बॉम्बे, आईआईएम रोहतक और आईआईएम तिरुचिरापल्ली भी सूची में हैं7 डिफॉल्टरों में एम्स रायबरेली और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन - दिल्ली, आंध्र प्रदेश और हरियाणा भी शामिल हैं।

30 दिनों का अल्टीमेटम

यूजीसी ने नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों को आगाह किया है कि यदि 30 दिन में मानदंडों का अनुपालन नहीं किया गया तो यूजीसी अनुदान और वित्त पोषण वापस ले लिया जाएगा, जिससे वित्तीय सहायता और शोध परियोजनाएं प्रभावित होंगी तथा उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी या उनकी संबद्धता वापस ले ली जाएगी। एंटी-रैगिंग विनियम, 2009 के अनुसार प्रत्येक छात्र और उनके माता-पिता तथा अभिभावकों को प्रवेश के समय तथा प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के आरंभ में एंटी-रैगिंग शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।

यूजीसी सचिव ने क्या कहा

यूजीसी सचिव मनीष जोशी ने कहा, यूजीसी के संज्ञान में आया है कि यूजीसी द्वारा जारी कई सलाह, एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन से फॉलो-अप कॉल और एंटी रैगिंग मॉनिटरिंग एजेंसी द्वारा सीधे हस्तक्षेप के बावजूद ये संस्थान छात्रों द्वारा अनिवार्य एंटी-रैगिंग अंडरटेकिंग और संस्थानों द्वारा अनुपालन अंडरटेकिंग प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, रैगिंग पर यूजीसी विनियमन, 2009 का पालन सभी उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईएल) के लिए अनिवार्य है।

लाउडस्पीकर प्रतिबंध के बीच मुंबई में अब ऐप के जरिए घर-घर पहुंच रही डिजिटल अज़ान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

लाउडस्पीकरों के उपयोग पर सख्ती के बीच, मुंबई की छह मस्जिदों ने एक अनूठा डिजिटल समाधान अपनाया है। ये मस्जिदें अब एक समर्पित मोबाइल ऐप के माध्यम से 'अज़ान' को श्रद्धालुओं तक पहुंचा रही हैं, जो वास्तविक समय में प्रार्थना के आह्वान को सीधे मोबाइल फोन पर प्रसारित करता है। यह पहल न केवल तकनीकी नवाचार को दर्शाती है, बल्कि सामुदायिक संवेदनशीलता और धार्मिक परंपराओं के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश भी है। ऐप एंड्रॉयड और आईफोन दोनों पर उपलब्ध है और तिरुनेलवेली के आईटी पेशेवरों की एक टीम द्वारा विकसित किया गया है।

तमिलनाडु की कंपनी ने बनाया ऐप

तमिलनाडु की एक कंपनी द्वारा विकसित यह ऑनलाइन अजान ऐप, श्रद्धालुओं को घर बैठे अजान सुनने की सुविधा प्रदान करता है। माहिम जुमा मस्जिद के प्रबंध ट्रस्टी फहद खलील पठान ने बताया, यह पहल लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर पुलिस की सख्ती के बाद की गई है। यह निःशुल्क ऐप विशेष रूप से रमजान जैसे पवित्र महीनों और उन अवसरों पर उपयोगी है, जब सार्वजनिक घोषणाएं प्रतिबंधित होती हैं। ऐप एंड्रॉयड और आईफोन दोनों पर उपलब्ध है और तिरुनेलवेली के आईटी पेशेवरों की एक टीम द्वारा विकसित किया गया है।

ऐप तिरुनेलवेली के आईटी पेशेवरों की एक टीम द्वारा विकसित किया गया

कैसे काम करता है यह ऐप?

ऐप यूजर्स को अपनी नजदीकी मस्जिद चुनने की सुविधा देता है। एक बार कॉन्फ़िगर करने के बाद, यह स्वचालित रूप से अज़ान के समय लाइव ऑडियो स्ट्रीम प्रसारित करता है। पठान ने कहा, जो श्रद्धालु ध्वनि प्रतिबंधों के कारण शारीरिक रूप से अज़ान नहीं सुन सकते, वे अब इस ऐप के ज़रिए इसे वास्तविक समय में सुन सकते हैं। ऐप स्मार्ट वॉच की तरह अलर्ट सिस्टम के रूप में भी काम करता है, जो प्रार्थना के समय की सूचना देता है।

बड़ी संख्या में लोग करा रहे पंजीकरण

श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना की है. पठान ने बताया, पिछले तीन दिनों में ही, हमारी मस्जिद के पास के 500 निवासियों ने ऐप पर पंजीकरण कराया है। मुंबई की छह मस्जिदें इस ऐप के भारत-स्थित सर्वर से जुड़ी हैं। उपयोगकर्ता केवल ऐप डाउनलोड कर, अपना इलाका और मस्जिद चुनकर लाइव अजान नोटिफिकेशन प्राप्त कर सकते हैं।

ध्वनि नियमों का पालन

पठान ने स्पष्ट किया, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने लाउडस्पीकरों को हटाने का आदेश नहीं दिया है, बल्कि स्वीकार्य ध्वनि सीमा तय की है - दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल। इसके जवाब में, मस्जिदों ने स्वेच्छा से लाउडस्पीकर बंद किए और छोटे बॉक्स स्पीकर अपनाए। हालांकि, ये स्पीकर पारंपरिक लाउडस्पीकरों जितनी दूर तक आवाज नहीं पहुंचाते, जिसके कारण ऐप एक प्रभावी विकल्प बनकर उभरा।

खबर संक्षेप

कुल्लू में नदी में गिरी कार मां-बेटी की मौत, पिता घायल

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में लारजी-सैंज मार्ग पर पागल नाले के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां और तीन साल की मासूम बेटी की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज बहाव और संकरी सड़क के बीच यह हादसा एक परिवार के लिए त्रासदी बन गया। हादसे के बाद राहत और बचाव में जुटी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बच्ची का शव घटनास्थल से ही बरामद कर लिया गया, जबकि महिला का शव करीब दो किलोमीटर दूर बिहाली गांव के पास से नदी से निकाला गया।

तंजानिया में बस दुर्घटना में कम से कम 37 की मौत

दार उस सलाम (तंजानिया)। उत्तरी तंजानिया के सुदूर इलाके में दो बसों के टकराने और उनमें आग लगने से 37 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस दुर्घटना में कम से कम 37 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। बसों के बीच यह टक्कर शनिवार शाम को किलिमंजारो क्षेत्र में मोशी-तांगा राजमार्ग के पास सबसाबा इलाके में हुई। पीड़ितों की पहचान व पता नहीं चल सका है। हसन की ओर से जारी बयान में कहा गया, मैं किलिमंजारो क्षेत्रीय आयुक्त नूरदीन बाबू, शोक संतप्त परिवारों, रिश्तेदारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

श्रीलंका से मछुआरों को छुड़ाने केंद्र से मांगी मदद

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को केंद्र से कहा कि श्रीलंका ने आठ मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है और ऐसे में वह उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करे। विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर स्टालिन ने कहा ऐसी खबर है कि श्रीलंकाई अधिकारियों ने 29 जून, को रामेश्वरम के आठ मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि पकड़े गए मछुआरों और उनकी नाव की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र हस्तक्षेप करें।

पूर्वी दिल्ली में रह रहे 83 बांग्लादेशी पकड़ाए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के विभिन्न इलाकों से 33 नाबालिगों समेत 83 बांग्लादेशी नागरिकों को राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रहने के आरोप में पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए 83 लोगों में 44 महिलाएं और 39 पुरुष हैं। ये लोग मंडावली, मयूर विहार, कल्याणपुरी, गाजीपुर तथा आनंद विहार जैसे इलाकों में रहते पाए गए। उन्होंने कहा, ''एक गुप्त सूचना के आधार पर 24 जून को चिह्नित इलाकों में कई जगह छापेमारी की गई। हिरासत में लिए गए लोगों के मोबाइल फोन से बांग्लादेशी नागरिकता से जुड़े फोटो और दस्तावेजों सहित डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए।

सीसीटीवी फुटेज से हुई पुष्टि : आरोपी छात्रा को जबर्दस्ती गार्ड रूम ले जाते दिखे

मुख्य आरोपी के फोन से मिला रेप का वीडियो शेयर किया गया या नहीं, जांच रही पुलिस

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में 24 वर्षीय छात्रा के साथ कथित बलात्कार के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी, कॉलेज के सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को गिरफ्तार किया है। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुख्य आरोपी के फोन से प्राप्त अपराध का वीडियो इस मामले में निर्णायक सबूत हो सकता है। पुलिस जांच कर रही है कि क्या यह वीडियो साझा किया गया अथवा नहीं। वहीं छात्रा से गैंगरेप मामले में कॉलेज सीसीटीवी में 25 जून की दोपहर 3:30 बजे से रात 10:50 बजे तक करीब 7 घंटे की फुटेज हैं। एक जांच अधिकारी ने बताया कि कैमरे में पीड़ित छात्रा को गार्ड के कमरे में जबर्दस्ती ले जाने की घटना कैद हुई है। इससे छात्रा की लिखित शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है। पांच सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन सहायक पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में किया गया है। अन्य छात्रों, जो यूनियन रूम के पास थे, से भी पूछताछ होगी।

'कॉलेज में छेड़छाड़ और मारपीट करता था मनोजीत

पश्चिम बंगाल में हुए गैंगरेप के मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा के पूर्व बैचमेट तितास मन्ना ने बताया कि मनोजीत महिला छात्राओं से छेड़छाड़, बदसलूकी, छात्रों से मारपीट, वसूली जैसी कई घटनाओं में शामिल रहा है लेकिन उसके राजनीतिक दबदबे के कारण लोग शिकायत दर्ज कराने से डरते थे। एक वारदात के बाद मनोजीत कुछ समय के लिए अंडरग्राउंड भी हो गया था। कॉलेज के छात्रसंघ ने कार्यक्रमों में उसकी हिस्सेदारी पर बैन लगा दिया था। बावजूद इसके मनोजीत कैंपस में अपनी हरकतें जारी रखीं और इस घटना को अंजाम दिया।

'रेपिस्ट को मिले फांसी की सजा...', मुख्य आरोपी की पुरानी पोस्ट वायरल : लॉ कॉलेज में हुए गैंगरेप केस से एक साल पहले हुए कोलकाता के आरजी कर रेप और हत्याकांड की यादें ताजा कर दी हैं। दिलचस्प यह है कि हाल के लॉ कॉलेज रेप मामले के मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा ने आरजी कर रेप मामले में दोषियों को फांसी की सजा दिलाने की मांग की थी। उसने अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'बलात्कारी को फांसी दी जाए, मुझे न्याय चाहिए, नाटक नहीं, मुझे तुरंत न्याय चाहिए, मैं चाहता हूं कि दोषियों को फांसी दी जाए।

टीएमसी के पूर्व छात्र नेता ने की थी हैवानियत

पुलिस के अनुसार, यह कथित बलात्कार बुधवार, 25 जून को हुआ। पीड़िता ने शिकायत में कहा कि दो छात्रों, जैब अहमद (19) और प्रमीत मुखर्जी (20), ने उसे जबरन गार्ड रूम में ले जाकर रोक लिया, जहां कॉलेज के अनुबंध कर्मचारी और तृणमूल छात्र परिषद के पूर्व नेता मनोजीत मिश्रा (31) ने बलात्कार किया। पीड़िता ने आरोप लगाया, ''उन्होंने मुझ पर वीडियो बनाया और उसे चुप कराने के लिए इस्तेमाल किया।

सुरक्षा गार्ड भी था करतूत में शामिल

शनिवार को गिरफ्तार गार्ड पिनाकी बनर्जी खरदहा का निवासी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''उसके बयान में विसंगतियां पाई गईं, और पीड़िता ने उसके खिलाफ सीधे शिकायत की है। उसकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस 25 जून के सीसीटीवी फुटेज की भी समीक्षा कर रही है ताकि घटनाओं का क्रम स्थापित हो सके।

टीएमसी, भाजपा और पुलिस दे रही अपने-अपने बयान

तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि मिश्रा का अब पार्टी से कोई संबंध नहीं है, जबकि विपक्ष ने सरकार पर हमला बोला है। राज्य शिक्षा मंत्री ब्रात्या बसु ने कहा, ''मैं स्तब्ध हूं। हम इस घटना की निंदा करते हैं। कॉलेज प्रशासन से रिपोर्ट मांगी गई है।

क्या बोली पुलिस

कोलकाता पुलिस ने एक्स पर लिखा, ''कुछ असामाजिक तत्व इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी हरकतें भ्रामक हैं और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने का इरादा रखती हैं। झूठे कथानकों को दुर्भावनापूर्ण इरादे से फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इजरायल हमले के आखिरी मास्टरमाइंड अल-इस्सा सहित 81 लोग मारे गए

इजरायल का सबसे बड़ा हमला, 400 घायल

एजेंसी ▶▶| तेल अवीव

इजरायली सेना ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए बर्बर हमले के आखिरी मास्टरमाइंड को मार गिराया है। इस दौरान उसकी पत्नी और परिजन भी मौजूद थे जो सभी मारे गए। आईडीएफ का यह सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है जिसमें 81 लोग मारे गए और 400 ये ज्यादा लोग घायल हुए। हमास ने कहा है रविवार को दोपहर तक 24 घंटों में गाजा में इजरायली हमलों में कम से कम 81 फिलिस्तीनी मारे गए। आईडीएफ के बयान में बताया गया कि अल-इस्सा हमास की सैन्य शाखा के संस्थापक सदस्यों में था। एक्स पर एक पोस्ट में आईडीएफ ने कहा, इस्सा ने हमास के सैन्य बल के निर्माण, प्रशिक्षण का नेतृत्व करता था।

पत्नी और पोते के साथ मारा गया

फिलिस्तीनी रिपोर्टों में बताया गया है कि अल-इस्सा के साथ उसकी पत्नी और पाता भी मारा गया है। हालांकि, स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। आईडीएफ ने कहा कि वह 7 अक्टूबर के नरसंहार में शामिल सभी आतंकवादियों का पता लगाना और उन्हें खत्म करना जारी रखेगी।

इजरायल पर हमले में था अहम रोल

बताया जाता है कि अल-इस्सा ने दक्षिणी इजरायल में 7 अक्टूबर को हुए खूनी हमले में अहम भूमिका निभाई थी। इस हमले में 1200 से ज्यादा इजरायली मारे गए थे और करीब 250 इजरायलियों को हमास के आतंकी अगवा करके ले गए थे। इसके बाद इजरायल ने गाजा में अपना सैन्य अभियान शुरू किया जो अब तक जारी है।

मानसून सत्र के बाद कम सक्रिय नेताओं की होगी केंद्रीय मंत्रिमंडल से छुट्टी!

फेरबदल संभव, कुछ मंत्रियों की हो सकती है छुट्टी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के मानसून सत्र के बाद अपने मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि सत्र के दौरान ही भाजपा को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भी मिल जाएगा। इसके बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री और उनकी टीम फिलहाल मंत्रियों के प्रदर्शन की समीक्षा कर रही है। इसी के आधार पर मंत्रिमंडल में बदलाव किए जाएंगे।

कम सक्रिय मंत्रियों की जा सकती है कुर्सी

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों की रिपोर्ट के मुताबिक, जो मंत्री कम सक्रिय हैं, खासतौर पर जिनकी सोशल मीडिया पर कम मौजूदगी है या सार्वजनिक पहुंच सीमित है, उन्हें हटाया जा सकता है। यही वजह है कि कई केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी गतिविधियां बढ़ा दी हैं। भाजपा ने जुलाई में नए अध्यक्ष का ऐलान करने और अगस्त के दूसरे सप्ताह तक मंत्रिमंडल को नया रूप देने का लक्ष्य रखा है।

राज्य के अध्यक्ष के नामों का जल्द होगा ऐलान

भाजपा ने उत्तर प्रदेश, हिमाचल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में अध्यक्ष की घोषणा नहीं की है। उम्मीद है कि मानसून सत्र से पहले यहां अध्यक्षों का ऐलान हो जाएगा। दरअसल, पार्टी का संविधान कहता है कि जब तक आधे राज्यों में अध्यक्ष नियुक्त नहीं हो जाते, तब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन नहीं हो सकता। 4 से 6 जुलाई तक दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भी अहम बैठक है। इसमें नामों पर चर्चा हो सकती है।

क्यों लग रही मंत्रिमंडल में बदलाव की अटकलें?

प्रधानमंत्री ने तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी टीम में कुछ गठबंधन सहयोगियों को समायोजित करने के अलावा कोई बड़ा फेरबदल नहीं किया था। इसके बाद संगठन चुनाव और पहलगाम हमले के चलते बदलाव नहीं हो सके। अब विधानसभा चुनावों को देखते हुए फेरबदल किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि नए भाजपा अध्यक्ष की दौड़ में कुछ चेहरे मंत्रिमंडल में से भी हैं। ऐसे में अगर कोई मंत्री अध्यक्ष बना तो मंत्रिमंडल में फेरबदल होना तय है।

झारखंड में खौफनाक लव स्टोरी..!

नाबालिग लड़के ने लड़की का गला रेता, सेल्फी ली, फिर लगा ली फांसी

एजेंसी ▶▶| लोहरदगा

झारखंड के लोहरदगा में सेरेंगदाग इलाके में नाबालिग लड़के ने नाबालिग लड़की की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। उसने इस वारदात का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इसके बाद उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों स्कूली छात्र-छात्रा थे, जिनके बीच प्रेम-प्रसंग की बात सामने आ रही है। पेशरार थाना प्रभारी रामाशीष यादव ने बताया कि दोनों नाबालिगों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

आरोपी ने फोटो पोस्ट कर जंगल में लगाई फांसी

बताया गया आरोपी लड़के ने चाकू से वार करते समय वीडियो भी बनाया। उसकी मौत के बाद लाश और चाकू के साथ सेल्फी ली और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। हत्या की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, मगर वह भागकर जंगल में चला गया, जहां उसने पेड़ से लटककर फांसी लगा ली। ग्रामीणों ने बताया कि जब तक युवक ने आत्महत्या नहीं की, तब तक वह वीडियो बनाता रहा। आत्महत्या से पहले उसने मोबाइल बंद नहीं किया था।

मेला देखकर लौटते समय हुई घटना

लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि नाबालिग आरोपी ने नाबालिग लड़की को चाकू से हत्या कर दी। आरोपी ढुंढरु गांव का रहने वाला था। वहीं मृतका की उम्र 14 साल थी, जो उसी गांव में अपने रिश्तेदार के घर पर रहकर पढ़ती थी। दोनों दोस्तों और सहेलियों के साथ पेशरार प्रखण्ड के डांडू गांव की रथयात्रा मेला देखने गए थे। इस बीच मेला से वापस लौटते समय कोई विवाद पर लड़के ने लड़की पर चाकू से वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई।

सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार गोला और बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने एक बार फिर बड़ा ऑपरेशन चलाकर उग्रवादियों पर बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के बिष्णुपुर और तेंगनौपाल जिलों से प्रतिबंधित संगठनों के दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा इंफाल ईस्ट जिले में एक बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। साथ ही तेंगनौपाल में भारत-म्यांमार सीमा के पास एक जिंदा बम को भी निष्क्रिय किया गया है। इसके अलावा, इंफाल ईस्ट जिले के नगारियान हिल के पास तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने हथियारों का जखीरा बरामद किया। इसमें एक राइफल, कई बंदूकें, जिंदा कारतूस और एक हैंड ग्रेनेड शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक, यह हथियार किसी बड़ी साजिश के लिए इस्तेमाल किए जाने थे, लेकिन समय रहते इन्हें जब्त कर लिया गया।

अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमलाः यूक्रेन पर दागे 537 ड्रोन और मिसाइल

रूस ने मार गिराया अमेरिका का एफ-16 लड़ाकू विमान

एजेंसी ▶▶| मास्को

रूस ने शनिवार रात को यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए 537 ड्रोन और मिसाइल दाग दी। इस हमले में अमेरिका का एफ-16 लड़ाकू विमान नष्ट हो गया और एक पायलट की मौत हो गई। इस हमले से कीव से लेकर लवीव तक हर दिशा में धमाकों की गूंज सुनाई दी। इससे लोगों में दहशत फैल गई। बता दें कि रूस ने ओलेन्या एयरबेस (मुरमान्स्क) से 3 टीयू-95 बमवर्षक और एक मिग-31के विमान से हमला किया था। हमलों के बाद लोगों को जान बचाने के लिए सुरक्षित जगहों पर पनाह लेनी पड़ी।

हमले में हुई पायलट सहित 3 लोगों की मौत : यूक्रेन की वायुसेना के संचार प्रमुख यूरी इहनात ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा यह हमला फरवरी 2022 में रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण की शुरुआत के बाद से देश पर सबसे बड़ा हवाई हमला था, जिसमें ड्रोन और विभिन्न प्रकार की मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। इस हमले में पश्चिमी यूक्रेन समेत कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। हमले में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक घायल हुए हैं।

रूस ने शांति वार्ता के बीच किया हमला

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि वह इस्तांबुल में यूक्रेन से शांति वार्ता पर बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि, अब उन्होंने यह हमला करके स्थिति को एकदम बदल दिया है। इससे पहले पुतिन ने कहा था कि पूरा यूक्रेन उनका है। यह युद्ध अब हथियारों की टेस्टिंग का ग्राउंड भी बन गया है। ड्रोन टेक्नोलॉजी और मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण यूक्रेन पर ही किया जा रहा है।

रूस ने यूक्रेन पर दागे 477 ड्रोन

रूसी सेना के अनुसार, यूक्रेन पर 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें दागी गई थीं। इस हमले में यूक्रेन का अमेरिका से खरीदा गया F-16 लड़ाकू विमान भी तबाह हो गया और एक पायलट की मौत हो गई। बता दें कि युद्ध में अब तक यूक्रेन के 3 एफ-16 लड़ाकू विमान नष्ट हो चुके हैं। इधर, यूक्रेनी वायुसेना का दावा है कि 249 ड्रोन को मार गिराया और 226 मिसाइलें और ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग के जरिए गुमराह कर दिया गया।

यूक्रेन ने विमान नष्ट होने की पुष्टि की

यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, एक पायलट ने एफ-16 विमान से 7 हवाई हमलों को नाकाम किया, लेकिन आखिरी मिसाइल को गिराते वक्त विमान क्षतिग्रस्त हो गया। बता दें कि रूस ने ओलेन्या एयरबेस (मुरमान्स्क) से 3 टीयू-95 बमवर्षक और एक मिग-31के विमान से हमला किया था। इसके बाद पायलट ने विमान को शहर से दूर ले जाकर क्रैश कराया, जिसमें उसकी मौत हो गई। यह हमला यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली की कमजोरी को भी उजागर करता है।

धर्मांतरण को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए तोरवा थाने का घेराव कर दिया। हंगामा व भीड़ को देखते हुए तीन एएसपी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल ने थाने को छावनी बना दिया। हंगामा के बीच पत्थरबाजी होने से एक पक्ष के युवक को चोट आई है। वहीं वीडियो बनाने का आरोप लगाकर एक युवक के साथ जमकर मारपीट की गई है। अधिकारियों की समझाइश पर तीन घण्टे बाद घेराव समाप्त हुआ।

धर्मांतरण को लेकर दो पक्षों के बीच बवाल, छावनी बना तोरवा थाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

तोरवा पुलिस के अनुसार, रविवार की दोपहर पावर हाउस केंवटपारा में एक समुदाय के लोग एकत्रित होकर प्रार्थना कर रहे थे। इसी दौरान हिंदू संगठन के लोग वहां पहुंचे और पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाकर हंगामा मचाने लगे। दूसरे समुदाय के लोगों का कहना है हिंदू संगठन के लोगों ने अंदर घुसकर विवाद किया है। उसके बाद वे हिंदू संगठन के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने के लिए तोरवा थाने पहुंच गए। कुछ देर बाद हिंदू संगठन के लोगों ने थाने का घेराव कर दूसरे समुदाय के लोगों पर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए जमकर हंगामा मचाया।

वीडियो बनाने का आरोप लगाकर युवक को पीटा

थाना परिसर में पथराव एक व्यक्ति को आई चोटें

थाने का घेराव के दौरान विशेष समुदाय की भीड़ पर दूसरे पक्ष के लोगों ने पथराव कर दिया। इससे खगेश्वर आदिल के मुंह में चोटें आई। उसके बाद महौल और खराब हो गया। पुलिस अधिकारियों के द्वारा बीच बचाव कर विवाद को शांत कराया गया। पुलिस ने घायल युवक की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ जुर्म दर्ज कर लिया है।

दोनों पक्षों ने की शिकायत

एक विशेष समुदाय के लोगों के द्वारा प्रार्थना करने पर हिंदू संगठन के लोगों के द्वारा धर्म परिवर्तन का आरोप लगाकर हंगामा मचाया गया है। समुदाय के लोगों ने हिंदू संगठन पर मारपीट व हिंदू संगठन ने पैसा का लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने की शिकायत की है। दोनों पक्षों की शिकायत की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

-राजेन्द्र जायसवाल, एडीशनल एसपी

चोरी के मामले की तस्दीक करने बांगो पुलिस की टीम पहुंची थी ग्राम बगबुड़ा

पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला, लापता आरक्षक बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

पूरा मामला बांगो थाना क्षेत्र के ग्राम लमनापारा बगबुड़ा में चोरी के मामले की तस्दीक के लिए रविवार की सुबह टीम ग्राम लमनापारा बगबुड़ा जांच के लिए पहुंची थी। टीम में आरक्षक अभिषेक पांडेय, गजेंद्र बिघावर और अनिल पोर्ते शामिल थे। पुलिस जवान ग्रामीणों से चोरी के संबंध में पूछताछ कर रहे थे कि इस बीच ग्रामीण जवानों के साथ वाद विवाद करने लगे। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया। बचने तीनों आरक्षक जंगल की ओर भाग निकले। जान बचाकर अभिषेक और गजेंद्र बांगो थाने पहुंचे लेकिन कई घंटों बाद भी अनिल पोर्ते जवान थाने नहीं पहुंचा। जैसे ही पुलिस पार्टी पर हमले व जवान के लापता होने की खबर जिला मुख्यालय पहुंची पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी अपनी टीम के साथ बांगो थाना जा पहुंचे।

चोरी के मामले में पुलिस टीम तस्दीक करने एक गांव पहुंची थी। पुलिस टीम ग्रामीणों से बातचीत कर रही थी कि वे आक्रोशित हो गए। पुलिस पार्टी पर गांव के लोगों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों से बचने के लिए पुलिस पार्टी जंगल की तरफ भाग निकली। जहां एक आरक्षक लापता हो गया था। जैसे ही यह बात जिला मुख्यालय तक पहुंची पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घंटों मशक्कत के बाद जंगल से आरक्षक को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। वहीं हमले के बाद गांव छावनी में तब्दील हो गया और पुलिस पार्टी पर हमला करने वाले 4 ग्रामीणों को पुलिस ने धरदबोचा है।

ये पकड़े गए

पुलिस पार्टी पर हमला किए जाने के मामले में पुलिस ने तत्काल हमलावर ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। उसमें भज्जू यादव 30 वर्ष पिता सियाराम यादव, लक्ष्मण यादव पिता सुकलाल यादव, लाल अहिबरन यादव उम्र 42 वर्ष पिता राम लाल यादव, विश्राम यादव उम्र 50 वर्ष पिता सुकलाल यादव सहित अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस ने धारा 191 (2), 191 (3), 190, 221, 296, 121 (1), 132, 109 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है।

छावनी में तब्दील हुआ गांव

पुलिस के सूत्र बताते हैं कि बांगो थाने की टीम सुबह लगभग 11 बजे गांव में तस्दीक करने के लिए पहुंची थी जबकि यह घटना सुबह लगभग 11:30 की बताई जा रही है। पुलिस पार्टी के पहुंचते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए और जवानों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जहां पुलिस महकमे के आला अधिकारियों के साथ जवानों की एक बड़ी टीम सुबह से देर शाम तक गांव में डेरा जमाई हुई है। पुलिस अफसर ने मामले में तत्काल हमलावरों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी की कार्रवाई भी की है।

शराब विवाद पर कोड़ेबोड़ में बलवा, 1 की मौत, 5 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिर्री

धमतरी जिले के बिरेझर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम कोड़ेबोड़ में हुए बलवे में एक की मौत हो गई। 5 लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि शराब पिलाने को बात को लेकर यह विवाद हुआ था। घटना 28 जून की रात्रि की है। शनिवार की रात 8 बजे गांव के एक ठेला के पास रमेश नवरंगे, सत्यम नगारची और करण यादव द्वारा शराब पीने पिलाने की बात को लेकर हुई कहासुनी कपड़ा फाड़ने से लेकर वाद- विवाद में तब्दील हो गई। रमेश नवरंगे के साथ हुए झगड़े को लेकर उनके भाई शेखर नवरंगे और जितेंद्र नवरंगे का भी सत्यम नगारची और करण यादव से झगड़ा हो गया। बदला लेने के उद्देश्य से रात्रि 11 बजे सत्यम और करण ने अपने साथी रामखिलावन नेताम, टोकेश साहू, रितिक गाड़ा, लकेश ध्रुव और मरौद के टेकराम सतनामी ने लाठी डंडा से मारपीट की। पिता कोमल नवरंगे 55 वर्ष, उसके भाई जितेंद्र 33 वर्ष, रंजीत 35 वर्ष तथा मां बिसनी बाई, रंजीत की पत्नी मालती बाई बीच-बचाव करने सामने आए। गाली गलौज

करते हुए आरोपी भाग गए। घायलों को इलाज हेतु रात्रि में एंबुलेंस से सिविल अस्पताल कुरूद भेजा गया। घर घुसकर मारने के बाद भी संतुष्ट नहीं हुए सत्यम और उसके सभी साथियों ने पुनः रात्रि 1 बजे रमेश नवरंगे के घर जाकर सभी को जान से मारने की धमकी देते हुए लाठी डंडे से उसके पिता पत्नी, बहू सहित उसके परिवार पर लाठी डंडे के साथ चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में रमेश नवरंगे के पिता कोमल नवरंगे उम्र 55 वर्ष की बायीं जांघ, सिर और पीठ पर गंभीर चोट आई। शासकीय अस्पताल कुरूद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस दर्जन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दूसरी ओर परिजनों ने यह आरोप लगाया है कि पुलिस पहली सूचना पर ही कार्यवाही करती तो बलवा और खूनी वारदात नहीं होती।

क्रिमिनल रिकॉर्ड का पता लगा रहे : एसडीओपी

वहीं एसडीओपी रागिनी मिश्रा ने इस आरोप का खंडन करते हुए बताया कि रात में चौकी पहुंचे दो लोग एमएलसी कराने से पहले ही रिपोर्ट किये बिना वापस चले गए थे। इसके काफी देर बाद यह घटना हुई है। पुलिस इस मामले में शामिल दोनों पक्षों के क्रिमिनल रिकॉर्ड का पता लगा रही है।

चिंतन

सामाजिक सुरक्षा दायरे को निरंतर मजबूती की जरूरत

हाल के दस वर्षों में निश्चित रूप से सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ा है। इसका ही नतीजा है कि करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। देश में अब करीब पांच प्रतिशत लोग ही अत्यंत गरीबी के भंवर में हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि करीब 95 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो रहे हैं, जबकि वर्ष 2015 तक सरकारी योजनाएं 25 करोड़ से भी कम लोगों तक पहुंची थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश की 64 प्रतिशत से अधिक आबादी किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ उठा रही है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज का दायरा 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत (94.3 करोड़ से अधिक लोग) हो गया है। लाभार्थियों की संख्या के मामले में, नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में भारत अब चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है। यह दर्शाता है कि जब नीति, प्रौद्योगिकी और राजनीतिक इच्छाशक्ति लोगों की सेवा के लिए मिलकर काम करती है तो बड़ा लक्ष्य भी संभव है। भारत में सामाजिक सुरक्षा प्रणाली व्यापक है, जिसमें केंद्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर सामाजिक बीमा और सामाजिक सहायता योजनाएं शामिल हैं। श्रम कानून सरल बनाए गए, आयुष्मान योजना के साथ कई बीमा योजनाएं, मनरेगा, पेंशन, मुफ्त अनाज व छात्रवृत्ति योजनाएं, जेएएम, डिजिटल कनेक्टिविटी, डीबीटी, किसान सम्मान निधि, असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की पेंशन के लिए श्रम योगी मानधन योजना, उज्ज्वला व लखपति दीदी योजनाएं, पीएम ग्रामीण व शहरी आवास योजना, लोन के लिए मुद्रा, विश्वकर्मा व स्वनिधि योजनाएं, दिव्यांग व ट्रांसजेंडरों के लिए सहायता योजनाएं आदि के चलते जहां सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ा है, वहीं गरीबी उन्मूलन में भी मदद मिली है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत को आंखों के रोग 'ट्रेकोमा' मुक्त घोषित किया जाना भी उल्लेखनीय उपलब्धि है। सामाजिक सुरक्षा कवरेज में इस व्यापक विस्तार को मोदी सरकार द्वारा गरीबों और श्रम कल्याण योजनाओं की सफलता के रूप में देखा जा सकता है और इसका फोकस समावेशी और अधिकार आधारित सामाजिक सुरक्षा इकोसिस्टम बनाने पर है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों को दारूण गरीबी से बाहर आने में मदद मिली है, लेकिन इसका दूसरा पहलू है कि वे न ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने हैं और न ही उनकी जीविका के साधन सुनिश्चित हो सके हैं। वे सरकार की योजनाओं से बस गरीबी रेखा के दायरे से बाहर आए हैं, इन्हें अर्थशास्त्र की भाषा में नियो मिडिल क्लास कहते हैं, जिनके वापस बीपीएल श्रेणी में आने का खतरा बना रहता है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अनंतकाल तक नहीं चलाया जा सकता है, सरकार पर सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने का दबाव भी है, ऐसे में जहां सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का सोशल ऑडिट होते रहना चाहिए, वहीं सभी सोशल वेलफेयर स्कीम्स को मर्ज कर रोजगार सृजन योजना पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गरीबी उन्मूलन लक्ष्य के लिए जरूरी है कि नागरिक सक्षम बनें, समर्थ बनें और आत्मनिर्भर बनें। वे आश्रित आबादी न रहें। रोजगार योजनाओं के सतत क्रियान्वयन से जहां एक से डेढ़ दशक में स्थाई गरीबी खत्म करने में मदद मिलेगी, सरकार का बोझ कम होगा, वहीं देश विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल कर सकेगा। सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है।

आर्थिकी
शंभू भद्रा

सहकारिता क्षेत्र की दिक्कतें हों दूर

> सहकारिता मंत्री के तौर पर अमित शाह ने सोये हुए कॉपरेटिव सेक्टर को न केवल जगाया है, बल्कि नई नीतियों व कार्यक्रमों से इसमें ऊर्जा का संचार भी किया है। आज देश में सहकारिता 'सहकार से समृद्धि' के मोटो के साथ एक आर्थिक बदलाव और गरीबी उन्मूलन का केंद्रीय अस्त्र बन चुकी है। देश में करीब 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में सहकारी योजनाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2025 को संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया। साफ है कि दुनिया सहकारी अर्थशास्त्र की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत के पास इस क्षेत्र में प्रगति के लिए पारिस्थितिकी भी है और प्रगाढ़ आवश्यकता भी।

आज केंद्र सरकार सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए मंथन बैठक कर रही है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह देश में सहकारिता के विकास में खास रुचि ले रहे हैं। सहकारिता मंत्री के तौर पर अमित शाह ने सोये हुए कॉपरेटिव सेक्टर को न केवल जगाया है, बल्कि नई नीतियों व कार्यक्रमों से इसमें ऊर्जा का संचार भी किया है। आज देश में सहकारिता 'सहकार से समृद्धि' के मोटो के साथ एक आर्थिक बदलाव और गरीबी उन्मूलन का केंद्रीय अस्त्र बन चुकी है। देश में करीब 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में कॉपरेटिव योजनाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है।

जब मौजूदा विश्व में पूंजीवादी अर्थवाद और कॉरपोरेट पूंजीवाद उम्मीदें नहीं जगा रहे हैं, उल्टे ये आर्थिक असमानता की खाई बढ़ा रहे हैं व आर्थिक क्रांति के तौर पर पेश किए गए साम्यवाद नब्बे के दशक में ही दम तोड़ चुका है और सही मायने में इस वक्त दुनिया नव आर्थिक वैचारिकी (नए आर्थिक मॉडल) के संकट के दौर से गुजर रही है, तब कॉपरेटिव इकोनॉमिक सिस्टम (सहकारी आर्थिक तंत्र) उम्मीद जगाता है। आर्थिक स्वतंत्रता, समावेशी विकास, गरीबी उन्मूलन, आर्थिक लोकतंत्र, आर्थिक असमानता के गैप को भरने के भागीरथ लक्ष्यों को सहकारी आर्थिक तंत्र के कुशल क्रियान्वयन से हासिल किया जा सकता है। भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति भी की है, लेकिन अभी भी भारत की आर्थिक नीति व विकास मॉडल में कॉपरेटिव इकोनॉमिक सिस्टम को केंद्रीय स्थान नहीं मिला है। यूं तो भारत की प्राचीनता और संस्कृति में सहकारिता के बीज हैं। वैदिक काल से स्वतंत्रता एक सहकारिता अनेक सामाजिक व आर्थिक बदलाव की शनैः शनैः साधन बनी है। आजादी के बाद इसे सरकार ने नीतिगत तौर पर गति दी। देश में आर्थिक शक्ति का विकेंद्रीकरण करने तथा सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करते हुए आर्थिक विकास में लोक भागीदारी को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया, पंचवर्षीय योजनाओं में सहकारिता को शामिल किया गया। वर्ष 1963 में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) और वर्ष 1982 में नाबार्ड बना। 97वें संविधान संशोधन अधिनियम 2011 द्वारा सहकारी समितियां बनाने के अधिकार को मूल अधिकार (अनुच्छेद 19) के रूप में स्थापित किया गया। हालांकि कांग्रेस नीत सरकारों की लचर नीतियों, लाल फीताशाही और संस्थागत भ्रष्टाचार के चलते सहकारिता क्षेत्र को वैसी मजबूती नहीं मिली, जिसकी जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सहकारिता के आर्थिक क्रांति सामर्थ्य को पहचाना और वर्ष 2021 में अलग से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। अमित शाह जैसे फोकस्ड और दूरदर्शी विजन वाले नेता को इस मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई। नीतिगत तौर पर मोदी सरकार ने सहकारिता क्षेत्र का कायाकल्प किया है, शाह के मंत्रित्व में अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं। बहु-राज्य सहकारी समितियां (संशोधन) अधिनियम 2023 लाया गया। कृषि, बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, अनाज भंडारण, सस्ती दवा विपणन, सुलभ ऋण वितरण, सौर पंप, और ब्रिकी केंद्र जैसे क्षेत्र में सहकारिता कार्यक्रम क्रियान्वित हो रहे हैं। भारत ने गत नवंबर में अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) वैश्विक सम्मेलन की

मेजबानी की है। इसके बावजूद सहकारिता क्षेत्र अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, जिन्हें एड्रेस करने की जरूरत है। उम्मीद है कि इस मंथन बैठक में चुनौतियों को हल करने की दिशा में पहल हो। सहकारिता आंदोलन देश की समावेशी विकास रणनीति का आधार है। वित्तीय समावेशन, सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के माध्यम से सहकारी समितियों ने असमानताओं को कम करने एवं स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सहकारी समितियां पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं की कमी की चुनौतियों से जूझती हैं। कई सहकारी समितियों की वित्तीय संसाधनों तक पहुंच नहीं है। उनके पास वित्तीय संस्थाओं द्वारा अपेक्षित औपचारिक दस्तावेज़ का अभाव होता है, जिससे ऋण प्राप्त करना कठिन हो जाता है। सहकारी समितियों को अक्सर समावेशिता की कमी, संरचनात्मक असमानताओं के अस्तित्व आदि से संबंधित मुद्दों का सामना करना पड़ता है। अवसंरचना संबंधी बाधाएं और कनेक्टिविटी की कमी उनकी दक्षता और प्रभावशीलता को प्रभावित करती है, जिससे पहुंच सीमित हो जाती है। तकनीकी और प्रबंधकीय प्रशिक्षण और कौशल विकास पहलों का अभाव एक और चुनौती है, जो मानव संसाधनों को पंगु बना देती है। सहकारी समितियों के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप उनकी स्वायत्तता को कमज़ोर करता है और सदस्यों के हितों को प्रभावी ढंग से पूरा करने की उनकी क्षमता को प्रभावित करता है। मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करने और सहकारी उत्पादों के लिए बाज़ार पहुंच बढ़ाने के लिए गोदामों, शीत भंडारण सुविधाओं और प्रसंस्करण इकाइयों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास में अधिक निवेश की आवश्यकता है। सहकारिता की धारणा को नव प्रयोग और नवप्रवर्तन के केंद्र के रूप में परिवर्तित करना जरूरी है। सहकारी नेतृत्व वाली पर्यटन पहल होनी चाहिए। यह नया क्षेत्र होगा। वित्तीय सहकारी समितियां संसाधनों, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए क्रेडिट यूनियनों सहित अन्य सहकारी समितियों के साथ सहयोग कर सकती हैं। इससे कार्यकुशलता में सुधार और लागत कम करने में मदद मिल सकती है।

वित्तीय सहकारी समितियां पारंपरिक बचत और ऋण से आगे बढ़कर निवेश उत्पादों, बीमा और वित्तीय शिक्षा को शामिल करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार कर सकती हैं। सहकारिता को केंद्रीय आर्थिक मॉडल के घटक रूप में अपनाया जाना चाहिए। दरअसल, सहकारी अर्थशास्त्र 1700 के दशक के अंत और 1800 के दशक की शुरुआत में औद्योगिक पूंजीवाद के सिद्धांत के साथ स्टेट सोशलिज्म के रूप में विकसित हुआ। सहकारिता समाजवाद की स्थापना का ही मार्ग है। सहकारी अर्थशास्त्र आवास, भोजन, रोजगार और गरीबी की समस्याओं को हल करने में सक्षम है, जो आधुनिक पूंजीवादी व औद्योगिक व्यवस्था अब तक हल करने में असमर्थ हैं। 2012 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया था, जिसमें सामाजिक-आर्थिक विकास में सहकारी समितियों के योगदान पर प्रकाश डाला गया। अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली महिला एलिनोर ओस्ट्रोम ने सहकारी उद्यमों और संगठनों की प्रबंधन की क्षमता को राजनीतिक या बाजार के साधनों से कहीं अधिक प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। वैश्विक मानवता का 12 फीसदी हिस्सा किसी न किसी सहकारी समिति का सदस्य है। फरवरी 2024 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2025 को संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया। साफ है कि दुनिया सहकारी अर्थशास्त्र की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत के पास इस क्षेत्र में प्रगति करने के लिए पारिस्थितिकी भी है और आवश्यकता भी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व आर्थिक जानकार हैं। ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

फ़रिश्ता होने से इंसान होना श्रेष्ठ मानते थे बाबा नागार्जुन

मैं यानी /अर्जुन नागा/उर्फ बैजनाथ मिसिर/ उर्फ यात्री जी/साकिन मौजे तरउनी बड़की/ थाना बहेड़ा/ जिला दरभंगा/ बिहार राज्य/ होशोहवास/अपनी धर्मपत्नी/आदरणीय श्रीमती/ अपराजिता देवी के/चंद लफ़्ज़ों के मुताबिक/ 'हम तो आज तक/इन्हें समझ ही नहीं पाये'/ हां/ वही, जो/कोटि-कोटि/अन्नहीन वस्त्रहीन जनों का प्रतिनिधि/ नागार्जुन है न। हिंदी व मैथिली के अलबेले बहुभाषाविद प्रगतिशील कवि व कथाकार बाबा नागार्जुन ने अपनी इस कविता में स्वयं अपने हाथों अपने कान उमेठते हुए-से अपना जैसा परिचय दिया है, शायद ही किसी और साहित्यकार ने दिया हो। निस्संदेह, यह उनकी उस प्रवृत्ति के अनुरूप ही है, जिसमें वे यावत्जीवन हर चंद कोशिश करते नजर आते हैं कि उनके और उनके पाठकों (या कि जनता) के बीच कहीं भी कोई छद्म न रह पाए। इसीलिए अपने इस परिचय में वे यह भी नहीं छिपाते कि वे रात को बहुत थोड़ा सोने वाले, दमा के सनातन मरीज और घुमक्कड़ी के शौकीन हैं। इस आत्म-परिचय के बरक्स उन्हें किसी दूसरी

अपनत्वभरी निगाह से देखना चाहें तो प्रसिद्ध आलोचक विजय बहादुर सिंह याद आते हैं, जो 1967 के बाद के कई दशकों तक इस मायने में बाबा के 'सहचर' रहे कि उस दौर में मध्य प्रदेश में विदिशा स्थित उनका घर बाबा के प्रवास का सबसे पसंदीदा ठौर हुआ करता था। यों तो बाबा को बीसवीं सदी का ऐसा सबसे बड़ा यायावर कहा जाता है, पूरा देश ही जिसका अपना घर था। विजय बहादुर उनके 'कुछ कुछ अष्टावक्री तेवर और बहुत कुछ दुर्वासाई अंदाज' को इन शब्दों में याद करते हैं, सरलता ऐसी कि बच्चा भी सटकर बतिया ले और गूढ़ता ऐसी कि बड़े-बड़े पंडित भी खौफ खा जाएं। प्रखरता ऐसी कि रौब-दाब वाली कथित प्रवर बौद्धिकता भी पानी भरे।.. वेश जैसे नगरपालिका के चुंगी नाके का रिटायर्ड नाकेदार।...ठाठ देखें तो लगे, जैसे खैनी तम्बाकू का कोई बूढ़ा व्यापारी। गले में पुरबिया गमछा। धड़ पर कुर्ता या कोट। कमर में पतलून या पैजामा और दाढ़ी बिल्कुल ऋषियों जैसी।...हंसे तो कत्थई मटमैले दांतों के साथ मसूड़े भी मुसकी मारें। खीझे तो भौंहों और नथुनों से बरसे कोप। ठेंपी खुले तो खुली ही रह जाये। बंद रहे तो गूंगापन भी झख मारे। आगे, बाबा की इन सारी पहचानों से ऊपर उनकी उपस्थिति को लेकर वे लिखते हैं कि वह इतनी सतेज व जीवंत थी कि गांधी के भक्तजन तो उससे चौंकते ही रहते थे, मार्क्स और लेनिन के चेले भी ...। बहरहाल, एक वाक्य में कहें तो बाबा अपनी मिसाल आप ही थे। भले ही उनकी घुमक्कड़ी के चलते उनको दूसरा राहुल सांकृत्यायन कहा जाता था और फक्कड़पने को लेकर दूसरा कबीर, जानकारों का उनके जीवन और साहित्य के बारे में यही निष्कर्ष है कि अपनी सहज रूप से जिंदादिल और संप्रेषणीय कविताओं की मार्फत वे ऐसा मनोरम काव्य संगीत रच गये हैं जो बार-बार हमें जीवन के विविध छंदों व लक्ष्यों की याद दिलाता रहेगा। हम जानते हैं कि बाबा अपनी कविताओं में जनविरोधी सत्ता प्रतिष्ठानों पर प्रायः हमलावर हो उठते और उनसे इस तरह सवाल पूछने लगते थे कि जैसे जवाब लिये बिना टलेंगे ही नहीं। कुछ समीक्षकों के अनुसार हिंदी व मैथिली में लिखे बाबा के संपूर्ण साहित्य में अन्याय के खिलाफ लड़ाई का आह्वान तो है ही, जनविरोधी शक्तियों के खिलाफ उद्वेलन भी है, क्रांति के सपने भी और भूख व गरीबी से गरिमा के साथ जूझने की यथार्थवादी तरकीबें भी। कह सकते हैं कि हिंदी के गद्य साहित्य में जो काम कभी प्रेमचंद ने किया, पद्य में वही काम बाबा ने। प्रसंगवश, अपनी कविताओं की बाबत एक साक्षात्कार में बाबा ने कहा था कि वे कविताएं तब लिखते हैं, जब उन्हें समाज या व्यवस्था पर बहुत गुस्सा आता है। एक आदर्श कवि के बारे में उन्होंने बताया था कि वे अच्छे कवि की अपेक्षा अच्छे नागरिक को कहीं अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। यह पूछे जाने पर कि तब क्या वे अपने को कवि नहीं मानते, उनका उत्तर था : कविता की मैंने कभी परवाह नहीं की और इस सवाल का जवाब मांगने के लिए मैं सही पात्र नहीं हूं। हां, किसी शायर की ये पंक्तियां मेरे दिमाग में गूंजती रहती है : फ़रिश्ते से इंसान बनना है बेहतर, मगर इसमें पड़ती है मुश्किल जियादह। उन्होंने कहा था : हम तो ऐसे हैं, साधु का लबादा छोड़ने पर भी जो एक अच्छा पति नहीं बन सका, एक अच्छा पिता नहीं हो सका। वह भला अच्छा कवि और अच्छा नागरिक कैसे होगा? प्रत्येक बंधन से छुटकारा पाने की कोशिश में, किसी प्रकार के दायित्व को न निभा पाने की निराशा में आहिस्ता-आहिस्ता औघड़ बन जाना ही मैं अपने लिए सहज मानता आया हूं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कण-कण में हैं भगवान, मुझमें भी, तुझमें भी

संकलित
दर्शन

ज्ञान प्राप्त कर लौटे श्वेतकेतु को देखते ही महर्षि उद्दालक समझ गए कि पुत्र में घमंड घर कर गया है। उन्होंने एक दिन श्वेतकेतु से पूछा, पुत्र क्या तुमने कभी उस ज्ञान की खोज की है, जिसके द्वारा अनसुना सुना जा सकता है, अदृश्य देखा जा सकता है और अज्ञेय जाना जा सकता है? महर्षि ने तब मिट्टी, पानी और बीज के उदाहरण से समझाया कि किस तरह संपूर्ण सृष्टि एक ही तत्त्व से बनी है। बीज का उदाहरण- महर्षि उद्दालक ने श्वेतकेतु को बरगद का एक फल देते हुए काटने को कहा। अंदर क्या निकला, श्वेतकेतु ने जवाब दिया, बीज। अब इस बीज को काटकर देखो कि इसके भीतर क्या है? इसमें तो कुछ भी नहीं है पिताजी, पुत्र की इस बात पर महर्षि ने मुस्कराते हुए कहा, जिसे तुम नहीं देख पा रहे, उसी से बरगद का एक बड़ा पेड़ बनेगा। पानी में नमक- इसी तरह, एक गिलास पानी में नमक घोलकर उन्होंने बेटे से पूछा, नमक कहां है? नमक तो पानी में घुल गया, पर इसका स्वाद हर बूंद में है। श्वेतकेतु को असली ज्ञान मिल चुका था कि जिस तरह नमक पानी में अदृश्य होकर भी हर जगह मौजूद है, उसी तरह संपूर्ण ब्रह्मांड में ब्रह्म व्याप्त है। वह हर कण में है, हर जीव में। वह मुझमें भी है, वह तुम में भी। किसी का भी अस्तित्व केवल वहीं तक सीमित नहीं होता, जैसा वह बाहर दिखता है। मूल तो वह ब्रह्म है, वह एटम, जो दिखता नहीं, लेकिन हमेशा से वहीं है जो नष्ट नहीं होता और अनंत काल से चक्र में चला आ रहा है।

मन ही इंसान का प्रिय मित्र और परम शत्रु

संकलित
प्रेरणा

भगवद्गीता में कहा गया है 'बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मैवात्मना जितः। अनात्मनस्तु शत्रुत्वे वर्तेतात्मैव शत्रुवत॥ 6.6॥' अर्थात जो मनुष्य मन को वश में कर लेता है, उसका वह मन ही परम मित्र बन जाता है, लेकिन जो मनुष्य मन को वश में नहीं कर पाता है, उसके लिए वह मन ही परम शत्रु के समान होता है। अब यदि हम अपने मन को वश करना चाहते है, तो उसका वशीकरण मंत्र है खुद को आत्मा समझना जी हां! मन, बुद्धि, संस्कार यह तीनों ही चैतन्य आत्मा के साधन हैं, अतः इन तीनों को यदि कोई नियंत्रित कर सकता है, तो वह है उनका स्वामी यानी की आत्मा। तो आइए हम सभी खुद को आत्मनिश्चय करें और तटस्थ भाव से शरीर रूपी साधन व उसके संसाधनों का उपयोग कर ध्यान साधना द्वारा अपने जीवन को सुखी व शांतमय बनाएं। आज हालात ऐसे हो गए है कि हम आत्मा रूपी सारथी को दिव्य गुणों से श्रृंगारने के बजाय शरीर रूपी रथ को स्वर्ण आभूषणों से सजा रहे हैं। परमात्म ज्ञान रूपी शक्तिवर्धक खुराक से आत्मा को वंचित करके हम उसे भूखा मार रहे हैं और शरीर रूपी स्थूल साधन को दूध और घी पिला रहे है, यह कैसी विचित्र स्थिति है। ऋषियों के मतानुसार इसी को 'कलियुग' कहा जाता है कि जहां पर स्वामी (आत्मा) अपने उत्तरदायित्वों को सर्वदा भुलाकर सेवकों (शरीर) की सेवकाई में लगा रहे। इन सभी बातों के पीछे का सार यह है कि जब तक मनुष्य अपनी विस्मृति से बहार निकलकर उसे स्मृति में नहीं बदलेगा, तब तक वह किसी भी प्रकार की 'ध्यान साधना' में अपना मन लगा नहीं सकेगा।

अंतर्मन

आज की पाती

बरसात के दिनों में पानी का जमाव न होने दे

मलेरिया एक प्राचीन लेकिन अब भी प्रासंगिक बीमारी है, जिसने सदियों से मानव सभ्यता को प्रभावित किया है। यह मुख्य रूप से एनाफिलीज नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होती है। जब यह परजीवी मानव शरीर में प्रवेश करता है तो वह यकृत और रक्त कोशिकाओं में पहुंच कर वहां अपनी संख्या बढ़ाता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को क्षतिग्रस्त करता है। लोगों को मलेरिया के खतरों और उससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक होना चाहिए। अक्सर बरसात के दिनों में पानी का जमाव होता है, जिससे मच्छर पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे हमें बचना चाहिए। *–विनोद कुमार साहू, रायपुर*

ट्रेंड

पौधरोपण करें

हम गांधीनगर को सबसे हरित लोकसभा क्षेत्र बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। पिछले 4 वर्षों में गांधीनगर में 42 लाख से अधिक पौधे लगाये जा चुके हैं। सभी अधिक से अधिक पौधरोपण करें।
- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कोटि-कोटि नमन!

काकोरी ट्रेन एक्शन' के वीर नायक, महान क्रांतिकारी राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! उनका बलिदान राष्ट्र की अमिट धरोहर है, जो हमें देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का पथ दिखाता रहेगा।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

गो सेवा का सौभाग्य

आज आर्ष गुरुकुल खानपुर महेंद्रगढ़, हरियाणा में बाल एवं युवा - संस्कार प्रशिक्षण शिविर समापन के दौरान पूज्य आचार्य श्री प्रद्युम्न जी महाराज का आशीष मिला। इस अवसर पर गो सेवा का सौभाग्य मिला।
- डा. भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री

भगदड़ की घटना दु:खद

पुरी में रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ की घटना अत्यंत दु:खद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना और घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। ओडिशा सरकार से अपील है कि राहत कार्यों में तेजी लाए और कांग्रेस कार्यकर्ता इसमें हरसंभव मदद करें।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

करंट अफेयर

जंग से ईरान- इजरायल को लगी आर्थिक चपत

इजरायल व ईरान में फिलहाल युद्ध विराम हो गया है लेकिन 12 दिन की इस जंग में दोनों देशों को लंबी चपत लगी है। दोनों देशों को इस त्रासदी से उबरने में लंबा वक्त लगेगा। ईरान ने युद्ध में अपने जीडीपी का लगभग छह से नौ प्रतिशत तक खो दिया है। वहीं ईरानी मिसाइलों से इजरायल को करीब तीन अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। इजरायल की ओर से युद्ध में कूदे अमेरिका को भी झटका लगा है लेकिन पश्चिम एशिया में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए वह यह भार आसानी से उठा सकता है। ईरान ने युद्ध में अपने जीडीपी का लगभग छह से नौ प्रतिशत तक खो दिया कुछ अनुमानों के अनुसार, ईरान ने युद्ध में अपने जीडीपी का लगभग छह से नौ प्रतिशत तक खो दिया है। रक्षा विश्लेषक क्रेग ने बताया कि ईरान का कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान 24 से 35 अरब डॉलर के बीच हो सकता है। अमेरिका और इजराइल के हमलों ने ईरान के बुनियादी ढांचे को बुरी तरह तहस–नहस कर दिया है। इसे दुरुस्त करने में लंबे वक्त के साथ अरबों डॉलर का खर्च आएगा। ईरान के तेल निर्यात भी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों से प्रभावित हुए हैं। इससे देश की रिकवरी की गति और भी कम हो सकती है क्योंकि यह तेल निर्यात पर बहुत निर्भर है।

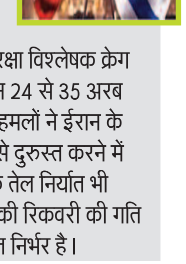

ऑफ बीट

सूर्य मंदिर में पांडवों ने काटा था अपना अज्ञातवास

हिमाचल प्रदेश के रामपुर से 18 किलोमीटर दूर सतलुज नदी के किनारे बसा नीरथ गांव, यहां बने सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता है। मंदिर के गर्भगृह में पाषाण सूर्य मूर्ति तीन फुट ऊंची और 4 फुट चौड़ी है। इस मूर्ति में भगवान सूर्य को सप्त अश्वों पर सवार दिखाया गया है। माना जाता है कि यह मंदिर भगवान परशुराम ने बनाया है। यह मंदिर नागर शैली में बना है। यह उत्तर भारत में स्थित एकमात्र सूर्य मंदिर है। मंदिर का अधिकतर हिस्सा लकड़ी का बना है। मुख्य मंदिर लाल रंग का है और दीवारों पर खास शिल्पकला को उकेरा गया है। इस मंदिर में मूर्तिकला को भी चित्रों में देखा जा सकता है। मंदिर प्रांगण में कई शिवलिंग रखे गए हैं। इस गांव में रहने वाले लोग हिंदू धर्म में आस्थावान है और यह गांव सूर्यदेव को समर्पित है। यह भी कहा जाता है कि पांडव अपने अज्ञातवास के दौरान यहां पर रुके थे। इस मंदिर का उल्लेख साल 1908 में मार्शल ने किया था। हर साल बूढ़ी दिवाली के मौके यहां पर मेला लगता है। इस मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इस मंदिर तक पहुंचने का रास्ता बेहद खस्ताहाल है। रास्ते के नाम पर यहां सिर्फ दो फुट की पगडंडी है। नीरथ गांव के इस सूर्य मंदिर को प्रसिद्ध पर्यटक स्थल के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

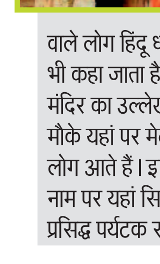

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

1 मई 1936 - 20 जून 2025

एमडीयू में योगगुरु बाबा रामदेव, गुरुकुलों व सामाजिक संगठनों की मौजूदगी में श्रद्धांजलि सभा

माता परमेश्वरी देवी को भावांजलि देने उमड़ा जनसैलाब

माता परमेश्वरी देवी जी सामाजिक विरासत की वाहक

माता परमेश्वरी देवी अपने पीछे एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। जिसमें उनके 6 बेटे और 3 बेटियां शामिल हैं। उनके बेटों के नाम रुद्रसेन, वीरसेन, व्रतपाल, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल और देव सुमन हैं, जबकि बेटियों में दया, बिमला और मधु हैं। उनके पति मित्रसेन का निधन उनसे पहले ही हो चुका था। उल्लेखनीय है कि चौधरी मित्रसेन जी आर्य समाज सेवा में एक अग्रणी व्यक्ति थे और सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका रहती थी। मित्रसेन जी के निधन के बाद माता परमेश्वरी देवी जी ने उनके द्वारा स्थापित इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने अपने जीवनकाल में परिवार को एकजुट रखने के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों और परंपराओं का दृढ़ता से निर्वहन किया।

माता परमेश्वरी की स्मारिका पढ़ते मुख्यमंत्री

रोहतक। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंधु निवास पहुंचकर सिंधु परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने पूर्व वित्त मंत्री एवं भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु के निवास स्थान सिंधु निवास पहुंचकर उनकी माता दिवंगत परमेश्वरी देवी के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस अवसर पर पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु व परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। वहीं राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह, चूरू सांसद राहुल कसवां ने भी सिंधु भवन पहुंचकर माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजंलि दी। इस अवसर पर पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, भाजपा के जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका, भाजपा के प्रदेश सचिव अजय बंसल, पूर्व मीडिया कोर्डिनेटर राजकुमार कपूर, पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल, संध्या बजाज, अनिता बधवार, सतेंद्र परमार, राजेंद्र रावत, ईश्वर सिंघल, बोबी गजराज, विकास रोहिल्ला उपस्थित रहे।

माता परमेश्वचरी की पौत्री साहिबा सिंधु

भिवानी सांसद धर्मवीर सिंह

पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा

पूर्व सांसद डॉ. अशोक तंवर

रोहतक

आर्य समाज के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन की अर्धांगिनी परमेश्वरी देवी जी की श्रद्धांजलि सभा रविवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इससे पहले सेक्टर-14 स्थित सिंधु भवन में सुबह वैदिक विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में न केवल हरियाणा के कोने-कोने से बल्कि अन्य राज्यों से भी गणमान्य व्यक्तियों, संतों, सामाजिक संगठनों, गुरुकुलों और शिक्षाविदों ने शिरकत कर माता परमेश्वरी देवी के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धाजंलि सभा में लोगों की आंखें नम थीं लेकिन दिलों में माता जी के द्वारा दिए गए संस्कार और उनके जीवन की प्रेरणा की छाप साफ झलक रही थी।

सभा के दौरान 20 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रस्तुत की गई, जिसमें परमेश्वरी देवी के साधारण किंतु प्रभावशाली जीवन का चित्रण किया गया। फिल्म में उनके पारिवारिक जीवन, छह बेटों, तीन बेटियों के परिवार को एक साथ जोड़कर रखने की भावना, उनके त्याग और सेवा की झलक दिखाई गई। यह फिल्म देखकर कई लोगों की आंखों से अश्रुधारा बह निकली। भजन गायक दिनेश पथिक ने अपने भजनों से कहां हो मां, तुझे तेरे दुलारे याद करते हैं जैसी भावपूर्ण प्रस्तुति दी कि वहां उपस्थित हर व्यक्ति को मां के प्रति अपनी भावनाएं पुनः जीवित करने पर विवश कर दिया। श्रद्धांजलि सभा में कई संत और सामाजिक संगठन भी विशेष रूप से शामिल हुए।

स्वामी रामदेव, रूड़की गुरुकुल से पदमश्री आचार्य सुकामा, गौतम नगर दिल्ली गुरूकुल से स्वामी परमानंद महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा टिटोली के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश, उड़ीसा से आए स्वामी व्रतानंद ने भी सभा को संबोधित किया और परमेश्वरी देवी के जीवन को आदर्श बताया।

श्रद्धासुमन अर्पित किए

हरियाणा सरकार के कई मंत्रीगण, पूर्व सांसद, विधायकगण, प्रशासनिक अधिकारी और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी समारोह में भाग लिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि परमेश्वरी देवी जैसा जीवन जीना दुर्लभ है। उन्होंने परिवार और समाज को जो मूल्य दिए, वे अनमोल हैं। माताजी ने परिवार को जो संस्कार दिए वे पूरे समाज के लिए प्रेरणा हैं।

परिवार ने सभी से कृतज्ञता जताई

कैप्टन अभिमन्यु एवं उनके परिजनों ने इस अवसर पर सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा, हमारी माता जी ने जो जीवन जिया, वह हमारे लिए एक उदाहरण है। उन्होंने हमें अनुशासन, प्रेम, त्याग और सेवा का जो पाठ पढ़ाया, उसे हम जीवनभर याद रखेंगे।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने पुष्प अर्पित किए

माता परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी पहुंचे और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। प्रवेश साहिब सिंह ने कैप्टन अभिमन्यु व उनके परिवार को सांत्वना दी और भगवान से परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

सांसद नवीन जिंदल ने शोक प्रकट किया

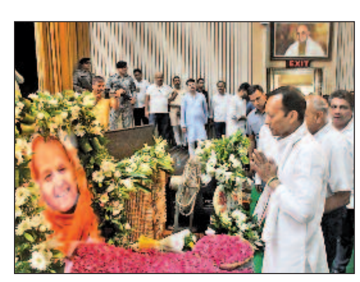

सांसद नवीन जिंदल ने किए श्रद्धासुमन अर्पित भाजपा सांसद नवीन जिंदल ने कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी की रस्म क्रिया में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। नवीन जिंदल ने टैगोर सभागार में पहुंचकर कैप्टन अभिमन्यु व उनके परिवार से मुलाकात करते हुए शोक प्रकट किया।

सांसद कुमारी सैलजा ने दुख जताया

बॉक्स-मुझे बेटी मानती थी माताजी-कुमारी शैलजापूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी मुझे अपनी बेटी की तरह मानती थी। उन्हें माता जी से बहुत स्नेह मिला। उनके जाने का उन्हें बहुत गहरा दुख है। माताजी में संस्कार, दया, प्रेम, अनुशासन जैसे भाव कूट-कूट कर भरे थे। उन्होंने पूरा जीवन लोगों के जन कल्याण के लिए कार्य किया।

ये गणमान्य लोग मौजूद रहे

कार्यक्रम में भूपेंद्र चौधरी यूपी भाजपा अध्यक्ष, सुभाष मेहरिया पूर्व केंद्रीय मंत्री, बिजेंद्र कादयान पूर्व मंत्री, सहेंद्र सिंह पूर्व विधायक यूपी, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा, भिवानी सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री शैलजा, पूर्व सांसद अशोक तंवर, पूर्व संगठन मंत्री सुरेश भट्ट, पूर्व सांसद संजय भाटिया, पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व गृह मंत्री सुभाष बतरा, सतीश बंधू, कई प्रशासनिक अधिकारी सहित एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, महिला आयोग हरियाणा की पूर्व चेयरमैन प्रतिभा सुमन, विजय आर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रमेश भाटिया, स्वामी कर्णपुरी महाराज, स्वामी परम चेतन्य व स्वामी आदित्यवेश आदि भी मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि सभा में मंचासीन संत समाज

मदवि के टैगोर ऑडिटोरियम में आयोजित माता परमेश्वरी देवी की श्रद्धांजलि सभा में भजन की प्रस्तुति देते गायक दिनेश पथिक व उनकी टीम के सदस्य।

परिवार ने सुबह सिंधु भवन में हवन करके आहुति दी

माता परमेश्वरी देवी जी की श्रद्धांजलि सभा से पहले सेक्टर 14 स्थित सिंधु भवन में हवन यज्ञ किया गया। जिसमें पदमश्री आचार्य सुकामा, आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने मंत्रोचारण किया और परिवार से आहुति दिलवाई।

रोहतक। सिंधु भवन में आयोजित हवन के दौरान आहुति देते सिंधु परिवार के सदस्य।

श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे वक्ताओं ने शब्दों में पिरोई माता परमेश्वरी जी की स्मृति

भावुक हुए बाबा रामदेव

मां का साथ न होना बहुत दुःखद आशीर्वाद देने वाला एक हाथ कम हो गया

माता परमेश्वरी देवी की श्रद्धांजलि सभा में योगगुरु बाबा रामदेव स्वामी रामदेव जी माता परमेश्वरी देवी जी को याद कर भावुक हो गए। बाबा रामदेव ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी अपनी यात्रा पूर्ण करके गई हैं। मां का साथ न होना बहुत दुखद होता है। वह परिवार को एकजुट करके गई हैं। माताजी में अनुसाशन और दया थी। उनके जाने से मुझे आशीर्वाद देने वाला एक हाथ कम हो गया। परिवार में जो भी अनुसाशन देखते हैं वह माता जी की देन है। आर्य समाज में माता परमेश्वरी देवी का नाम बहुत ही आदर के साथ लिया जाता रहेगा। माताजी के आशीर्वाद से तीस से ज्यादा गुरुकुल चल रहे हैं। यह परिवार की उदारता है। माता जी जीवन भर बहुत योग करती रहीं। उन्होंने कहा कि जो ईश्वर का भक्त होता है, वह कभी भयभीत नहीं होता। माता परमेश्वरी देवी का जीवन इसका प्रमाण था।

स्वामी वृत्तानंद महाराज ओडिसा

समाजिक कार्यों के लिए माता जी हमेशा याद रहेंगी

स्वामी वृत्तानंद महाराज उड़ीसा ने कहा कि माता के जाने का दुख तो है, लेकिन उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों को नहीं भुलाया जा सकता। वह उन्हीं कार्यों के साथ हम सभी के बीच जीवित है। उन्होंने जनकल्याण के लिए जो कार्य किए, हमें पूरी उम्मीद है परिवार भी उन्हीं पदचिन्हों पर चलकर जनकल्याण के लिए अनेक कार्य करेंगे। उन्होंने परिवार को एक सूत्र में पिरोकर रखा, कभी किसी को अलग नहीं होने दिया। परमेश्वरी देवी 25 से ज्यादा पड़पोत्र व दोहते दोहहती हैं, जो कि अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है। समाज सेवा के लिए माता जी को हमेशा याद रख जाएगा।

पदमश्री आचार्य सुकामा

समाज के लिए प्रेरणास्रोत ऐसे व्यक्तित्व समाप्त नहीं होते

श्रद्धांजलि सभा के दौरान पदमश्री से सम्मानित आचार्य सुकामा (रुड़की गुरुकुल) ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी का जीवन वैदिक आदर्शों पर आधारित था। उन्होंने परिवार को जिस अनुशासन और एकता से पाला, वह आधुनिक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। ऐसे व्यक्तित्व कभी समाप्त नहीं होते, वे युगों तक प्रेरणा देते रहते हैं। आज उनके सभी बेटे माता जी के कारण ही प्रतिष्ठित पदों पर विराजमान हैं। यज्ञ के माध्यम से ही यह सब चीजें जीवित हैं। इसको संजोकर रखना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। माता जी हम सभी के लिए प्रेरणा हैं, हमें बहुत कुछ उनसे सीखना होगा।

स्वामी प्रवणानंद महाराज, दिल्ली गुरुकुल

उनकी यादें हम सबके हृदय में अमर रहेगी

स्वामी प्रवणानंद महाराज (गौतम नगर दिल्ली गुरुकुल) ने कहा कि एक मां का होना ही सबसे बड़ा आशीर्वाद होता है। परमेश्वरी देवी ने इस आशीर्वाद को हर दिन अपने परिवार और समाज को दिया। उनकी स्मृति हम सबके हृदय में अमर रहेगी। मां की जगह कोई नहीं ले सकता।

स्वामी आर्यवेश, आर्य प्रतिनिधि सभा, टिटोली

संस्कृति की जीवंत मूर्ति थीं माता परमेश्वरी

स्वामी आर्यवेश (आर्य प्रतिनिधि सभा टिटोली) ने कहा कि श्रद्धा, समर्पण और वैदिक संस्कृति की जीवंत मूर्ति थीं माता परमेश्वरी देवी। उन्होंने अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि सच्चा धर्म परिवार और समाज को जोड़ने में है, तोड़ने में नहीं। उन्हें कभी नहीं भुलाया जा सकता जो इतने बड़े परिवार का निर्माण कर उन्हें सालों साल और अभी तक एक रखे हुए है।

टीवी मसाला

पति को लेकर भोले बाबा के मंदिर पहुंचीं देवोलीना

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने साल 2022 में दूसरे धर्म में शादी की। उनके पति शहनवाज शेख हैं और मुस्लिम है। अब दोनों का एक बेटा भी है। दोनों के बीच कभी धर्म की दीवार नहीं आई। अब दोनों भगवान शिव के मंदिर पहुंचे हैं। जहां उन्होंने पूजा अर्चना की और बेटे को आशीर्वाद दिलवाया। देवोलीना को छोटे पर्दे की गोपी बहू के नाम से जाना जाता है। उन्होंने सुपरहिट सीरियल साथिया में काम किया था और फिर वह बिग बॉस में भी पहुंचीं। बेटे के जन्म के बाद वह छठी मैया की बिटिया और दिल दी गलां जैसे सीरियल में नजर आई थीं। अब इस बीच देवोलिना भट्टाचार्य पति और बेटे के साथ गुवाहाटी के भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग पहुंची हैं, जहां उन्होंने परिवार के साथ मिलकर बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। देवो ने इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। देवोलीना दिसंबर 2022 में जिम ट्रेनर शाहनवाज के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें, तो देवोलिना ने 2011 में शो सांवरे सबके सपने प्रीतो से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह साथ निभाना साथिया, लाल इश्क, साथ निभाना साथिया 2 और दिल दियां गल्लां जैसे शो में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री 'बिग बॉस 13', 'बिग बॉस 14', 'बिग बॉस 15', और 'डांस इंडिया डांस 2' में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

जिंदगी की जर्नी को करना चाहिए एंज्वॉय

नई दिल्ली। ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल में कभी नजर आईं एक्ट्रेस लता सभरवाल ने शादी के 16 साल बाद अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की है। अलगाव के बाद लता अपने काम में पूरी तरह से व्यस्त हैं। वह बतौर पर्सनालिटी ग्रूमिंग मेंटर की तरह काम करती हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में लता ने जिंदगी को लेकर गहरी बातें साझा की हैं। लता ने कहा, 'हमारे जीवन में एक लक्ष्य खत्म हो जाता है, दूसरा लक्ष्य सामने खड़ा हो जाता है। जिंदगी तो बस अनुभव का दूसरा नाम है। हम सबकी जिंदगी रोलर कोस्टर राइड की तरह है। अगर कोई कहता है कि उसकी जिंदगी में सब सही है, तो ऐसा नहीं है। हां, बस अपनी जिंदगी की इस जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए। बताते चलें कि लता और संजीव सेठ ने टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में पति और पत्नी का रोल किया था। इसी सीरियल के सेट पर इन्हें प्यार हुआ, आगे चलकर ये शादी के बंधन में बंधे। इनका एक बेटा भी है।

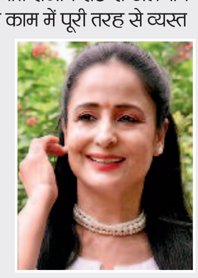

आज भी रहस्य बनी हुई है इन सेलेब्स की मौत की वजह

नई दिल्ली। अभिनेत्री और मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई मौत ने हर किसी को हैरान कर दिया। शेफाली सिर्फ 42 साल की उम्र में ही दुनिया छोड़कर चली गई। शेफाली की मौत की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। शुरू में जरूर ये कहा गया कि उनकी मौत कार्डिएक अरेस्ट की वजह से हुई है। लेकिन, बाद में पुलिस ने बताया कि उनकी मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। असल वजह पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगी। उम्मीद है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद शेफाली की मौत की असल वजह का पता चल जाएगा। लेकिन, बॉलीवुड में कई ऐसे सेलेब्स भी हैं जिनकी मौत आज भी एक रहस्य बनी हुई है। उनकी मौत की वजह का आज तक पता नहीं चल पाया है।

दिव्या भारती : दिव्या भारती ने सिर्फ 2 से 3 साल के कॅरियर में ही वो नाम कमाया जो शायद कई स्टार्स कई साल काम करने के बाद भी नहीं कमा पाते हैं। दिव्या भारती की फैन फॉलोइंग आज भी भारी संख्या में है और आज भी उनकी खूबसूरती की मिसाल दी जाती है। लेकिन, कॅरियर के पीक टाइम पर दिव्या भारती की मौत आज भी एक अनसुलझी कहानी बनी हुई है। 5 अप्रैल 1993 को दिव्या भारती के निधन की अचानक खबर आती है। पता चलता है कि वो अपने घर की बालकनी से गिर गईं, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। ऐसा कहा जाता है कि वो नशे की हालत में बालकनी से गिर गईं और उनकी मौत को एक एक्सीडेंटल डेथ बताया जाता है। हालांकि, इस पर संदेह आज भी है, लेकिन उनकी मौत आज भी एक रहस्य ही बनी हुई है।

श्रीदेवी : बॉलीवुड की हवा हवाई यानी कि श्रीदेवी की मौत भी आज तक एक पहेली बनी हुई है। श्रीदेवी की मौत भारत में न होकर दुबई में हुई थी। वो 24 फरवरी 2018 को दुबई के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों मृत पाई गई थीं। बाद में दुबई के अधिकारियों ने उनकी मौत की वजह बाथटब में डूबने को बताया था। हालांकि, इसको लेकर तमाम तरह के सवाल भी उठे। कई लोगों ने शक की सुई को उनके पति और निर्माता बोनी कपूर की ओर भी घुमाया। तो वहीं कई बार उनके नशे की हालत में होने की बात भी कही गई। लेकिन, आज भी उनकी मौत एक रहस्य बनी हुई है।

परवीन बॉबी : अपने समय की टॉप एक्ट्रेस रहीं परवीन बॉबी ने अपने कॅरियर में अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना और शशि कपूर जैसे अभिनेताओं के साथ काम किया और खूब नाम कमाया। उनकी गिनती उस वक्त इंडस्ट्री की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस में होती थी। लेकिन उनकी मौत ऐसी हुई जो आज भी एक रहस्य बनी हुई है। हैरान करने वाली बात ये है कि इतनी मशहूर एक्ट्रेस होने के बावजूद परवीन बॉबी की मौत का पता तीन दिनों बाद चला था। जब उनके घर से पड़ोसियों को बदबू आनी शुरू हो गई थी। इसके बाद उनका शव सड़ी हालत में मिला था। उनकी मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि एक्ट्रेस की मौत की वजह मल्टिपल ऑर्गन फेलियर रही। रिपोर्ट में उनकी बॉडी के अंदर कोई फूड भी नहीं मिला था। जिससे पता चलता है कि उन्होंने खाना छोड़ दिया था।

गुरु दत्त : भारतीय सिनेमा के दिग्गज निर्माता-निर्देशक और एक्टर गुरु दत्त की मौत आज तक एक पहेली बनी हुई है। हालांकि, उनकी मौत की वजह अत्यधिक शराब का सेवन और नींद की ज्यादा गोलियां लेना बताया गया। लेकिन, गुरु दत्त की मौत आज भी एक सवाल बनी हुई है। कुछ उनकी मौत को आत्महत्या मानते हैं, तो कुछ लोग आज भी उसकी असल वजह जानने का प्रयास करते हैं। हालांकि, गुरु दत्त के भाई हमेशा उनके आत्महत्या करने की बातों को खारिज करते रहे। गुरु दत्त की पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चाओं में रही और वो अपने व्यक्तिगत जीवन में दुखी ही रहे। हालांकि, जिस रात उनकी मौत हुई उस रात उन्हें अपने बच्चों से भी मिलना था। ऐसी कई बातें हैं जो गुरु दत्त की मौत को शक के दायरे में खड़ा करती हैं।

सुशांत सिंह राजपूत : बॉलीवुड के उभरते सितारे माने जाने वाले अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन को अब पांच साल बीत चुके हैं। सुशांत की डेड बॉडी उनके घर में पंखे से लटकती मिली थी। सीबीआई जांच के बाद उनकी मौत को आत्महत्या ही करार दिया गया है। लेकिन, कहीं न कहीं आज भी उनकी मौत के पीछे की वजह सवालों के घेरे में है। क्योंकि, जो लोग सुशांत को करीब से जानते हैं उनका ये मानना है कि सुशांत कभी भी आत्महत्या नहीं कर सकते। हालांकि, उनकी मौत के बाद शक की घड़ी उनकी गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती समेत कई लोगों पर गई। लेकिन, अंत में सीबीआई और पुलिस ने सुशांत की मौत को आत्महत्या ही बताया।

इन फिल्मों में दिखाई गई आदिवासियों की संघर्ष और संस्कृति की कहानी

नई दिल्ली। 27 जून को सिनेमाघरों में फिल्म 'कन्नप्पा' रिलीज हुई है। फिल्म में विष्णु मांचू ने एक आदिवासी व्यक्ति का रोल निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि आदिवासी शख्स पहले नास्तिक होता है, इसके बाद वह भगवान शिव का भक्त बन जाता है। यह किरदार विष्णु मांचू ने निभाया है। ऐसे में हम आपको उन फिल्मों के बारे में बता रहे हैं जिनमें आदिवासियों की कहानी दिखाई गई है।

जंगल क्राई : साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'जंगल क्राई' में रग्बी खेल की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में दिखाया गया है कि ओडिशा के वंचित आदिवासी बच्चे किस तरह से ब्रिटेन में अंडर-14 रग्बी विश्व कप जीतते हैं। यह फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है। फिल्म में एमिली शाह और अभय देओल ने अहम किरदार निभाया है।

जय भीम : साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'जय भीम' में एक आदिवासी परिवार की कहानी दिखाई गई है। इसमें दिखाया गया है कि एक आदिवासी शख्स को झूठे इल्जाम में फंसाकर उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया जाता है, जहां उसकी मौत हो जाती है। इसके बाद उसकी पत्नी को एक वकील इंसाफ दिलाता है।

शेरनी : साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'शेरनी' में आदिवासियों की कहानी दिखाई गई है। इस फिल्म में इंसान और जानवरों के संघर्ष और संरक्षण की कहानी दिखाई गई है। जानवरों के संरक्षण में अकसर आदिवासी समुदाय शामिल होते हैं। फिल्म में विद्या बालन ने अहम किरदार निभाया है।

आर्टिकल 15 : फिल्म 'आर्टिकल 15' में भारत में चल रही जाति-आधारित भेदभाव और हिंसा को दिखाया गया है। फिल्म में आदिवासियों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों की खस्ता हालत दिखाने की कोशिश की गई है। साल 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म में आयुष्मान खुराना ने अहम किरदार निभाया है। फिल्म का निर्देशन अभिनव सिन्हा ने किया था।

आक्रोश : साल 1980 में रिलीज हुई फिल्म 'आक्रोश' में दिखाया गया है कि कैसे सत्ता में बैठे लोग आदिवासी लोगों का शोषण और उत्पीड़न करते हैं। इसमें आदिवासियों का संघर्ष दिखाया गया है। फिल्म में अमरीश पुरी, ओम पुरी और नसीरुद्दीन शाह ने अहम रोल निभाया है।

आज भी नए कलाकार की तरह काम करते हैं बिग बी : केके मेनन

मुंबई। अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपने आगामी वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान केके मेनन ने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बात की और उन्हें भगवान का बच्चा बताया। उन्होंने बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया। अभिनेता ने कहा, 'अमिताभ बच्चन भगवान के बच्चे हैं। उनकी पीढ़ी वाले कौन हैं अभी जो एक्टिव हों, लेकिन वो आज भी उतने ही सक्रिय हैं। वह आज भी प्रासंगिक हैं। वह हर सुबह उठते हैं और एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं। हम इसे चमत्कार और जादू कहते हैं। मैंने सीखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो इतना अनुभवी है, एक नए व्यक्ति की तरह काम कर रहा है, तो हम कौन हैं?' बिग बी के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को बताते हुए केके मेनन ने कहा कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। केके ने कहा कि बिग बी अपने को-एक्टर को काफी महत्व देते हैं। उन्होंने फिल्म 'सरकार' के समय को याद करते हुए एक सीन के दौरान अमित जी ने रामगोपाल वर्मा से मेरा क्लोजअप शॉट लेने को कहा, क्योंकि वो चाहते थे कि मेरे हाव-भाव कैमरे में कैद हों। उन्होंने कहा कि बिग बी एक प्रतिभाशाली और अनुशासित अभिनेता हैं। अनुशासन के बिना प्रतिभा लंबे समय तक नहीं टिकती। अमिताभ बच्चन अनुशासन के साथ प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

प्रमोशन के लिए अपना रहीं अलग-अलग हथकंडे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के प्रमोशन में जुटी हैं। इसके लिए वह अलग-अलग तरीके अपना रही हैं। इसके लिए वह अलग-अलग तरीके अपना रही हैं। हाल ही में वह अपनी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए एक रेस्तरां में पहुंची। अब उन्होंने एक कार पर बैठ कर बेहतरीन पोज दिया है। उनकी पोस्ट पर फैंस रिएक्शन दे रहे हैं। सारा अली खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में सारा अली खान आदित्य रॉय कपूर के साथ पोज दे रही हैं। दोनों एक पीली कार पर बैठे हैं। सारा अली खान ने अपना सिर आदित्य के कंधे पर रखा है। सारा ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है 'पर्थ और चमकी अपनी मेट्रो के आने का इंतजार कर रहे हैं। 'मेट्रो इन दिनों' 4 जुलाई को आएगी।' सारा अली खान की इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और कई यूजर्स इस पर कमेंट कर रहे हैं।

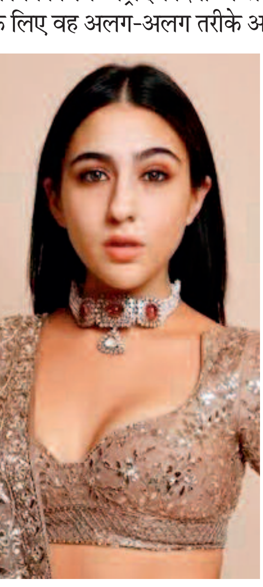

एक्टिंग के मामले में पति को देती हैं सलाह

मुंबई। विक्की कौशल ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री में बतौर एक्टर 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ से शादी की है। ऐसे में उन्होंने अपनी एक्टिंग और कैटरीना कैफ के बारे में कई बातें शेयर की हैं। विक्की कौशल ने बताया कि उनकी पत्नी कैटरीना उनके काम पर प्रतिक्रिया देती हैं। हालांकि, वह अपने काम के बारे में उनकी प्रतिक्रिया नहीं सुनती हैं। उन्होंने कहा 'वह बहुत ईमानदार हैं। वह बताती हैं कि मेरा काम कैसा है। हालांकि, मेरे काम को लेकर वह थोड़ा सावधान होती हैं, क्योंकि चाहे जो भी हो इस काम में बहुत मेहनत लगी होती है। हालांकि, अक्सर वह मेरे काम को लेकर बहुत मुखर होती हैं। जब वह मेरे काम पर प्रतिक्रिया देती हैं तो वह मुझे अच्छा लगता है। वह बताती हैं कि मेरे काम में कहां कमी रह गई और क्या बेहतर हो सकता था।' इसी बातचीत में करीना कपूर शामिल हुईं। उन्होंने विक्की की बातों को सुनकर कहा कि काश मेरे पति भी ऐसे होते कि मेरे काम पर प्रतिक्रिया दिया करते।

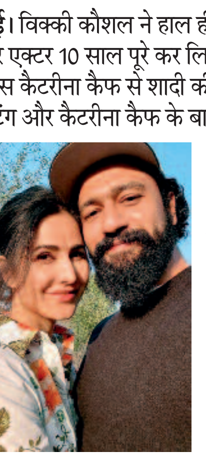

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED, **भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ.** 7747000019, 7746000016, (RO-074)

टीचर

आवश्यकता है- प्रोफेसर कॉलोनी स्थित उज्जवल पब्लिक स्कूल में नर्सरी से 10वीं (अंग्रेजी माध्यम) तक SST, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिका की आवश्यकता है **संपर्क- मो.** 9827187027, 7000376167.(RO-139)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में किराना सामान की मार्केटिंग, सप्लाई एवं डिलीवरी के लिए स्मार्ट लड़के चाहिए। **समता कॉलोनी आफिस संपर्क:** 9302305800.(RO-6817)

सेल्समैन

आवश्यकता है- थोक कपड़े व्यवसाय में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन एंव लडको की आवश्यकता है संपर्क समय 3 से 6 **चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29 - 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर** 9425506658, 9425206658, 9977252503.(RO-7258)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सुपरवाइजर/ठेकेदार

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु सुपरवाइजर, ठेकेदार, मिस्त्री, रेजा, कुली की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध है कंस्ट्रक्शन रायपुर तेलीबांधा में हैं **संपर्क करें- मो.** 9584400687.(RO-6815)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट मार्केटिंग हेतु अनुभवी लड़के कि जरूरत है स्वयं की गाड़ी हो सैलरी योग्यतानुसार Yamico industries Raipur Contact: 9300009333, 9893982121.(RO-0027)

आफिस कार्य

आवश्यकता है- प्रॉपर्टी ऑफिस में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है उम्र: 18 से 25 वर्ष, लोकेशन: रिसाली धनोरा वेतन: योग्यतानुसार + कमीशन **संपर्क करें :- मो.-** 98279-20202.(आरो न.-778)

मैनेजर/मैकेनिक

आवश्यकता है- सिंमगा ब्रांच हेतु मैनेजर/ सुपरवाइजर /कैशियर/ मार्केटिंग/ सेल्समैन / मैकेनिक / ड्राइवर की टू व्हीलर शोरूम में आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क करें-** 8602251000. (RO-7379)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में काम करने के लिए लडको की जरूरत है **पता किरण सेल्स माता गरेज के पीछे कांच घर के पास** mo 9425219482.(RO-143)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- लिमिटेड कम्पनी को रायपुर शहर में डिलीवरी करवाने हेतु स्टाफ की आवश्यकता, सेलरी 12000 + इंसेन्टिव + पेट्रोल + इंशोरेन्स Interview Time : 11am to 6pm **सम्पर्क करें-** 7014195014, 7388372951 (RO-6818)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- ग्राम परसदा-4 (सेजबहार के पास), रायपुर में इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु 12वीं पास, लगभग 35 वर्षीय, पंप इंचार्ज की। कंप्यूटर चलाना, स्वयं का वाहन एवं मोबाइल आवश्यक। **संपर्क करें प्रात: 10 से शाम 7 तक** 8349933320.(RO-182)

घरेलू कार्य

आवश्यकता है- बच्चा सँभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की)चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। **स्थान तेलीबंधा , रायपुर सम्पर्क करे:** 9575042814.(RO-142)

सेल्स एक्जीक्यूटिव

Requirment- Embassy Corporate Promotion is a leading 21-year-old ad agency seeking a Sales Executive, Candidates should be graduates with excellent communication skills and experience in marketing.Interested candidates can share their resume at hrembassy202@gmail.com Contact : 9981130300, 8269826185.(RO-4356)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आया/चौकीदार/प्लंबर

आवश्यकता है- आया बाई 6, चपरासी , चौकीदार , बढ़ाई प्लंबर, ड्राइवर, लैब टेक्नीशियन इलेक्टिशियान मॉडल इंग्लिश स्कूल सिविल लाइंस , एवं **रॉयल स्कूल,मठपुरैना , रायपुर** 9329621221, 9300253335.(RO-145)

लेबर/ठेकेदार

आवश्यकता है- सिलतरा में बाइंडिंग वायर फैक्ट्री के लिए भट्टी चलाने के लिए लेबर (मजदूर), और बाइंडिंग वायर मशीन चलाने के लिए ऑपरेटर की आवश्यकता है, मजदूर (लेबर) **ठेकेदार भी संपर्क करे:-** 9243821851.(RO-141)

होटलकर्मी

अतिशीघ्र आवश्यकता है - छत्तीसगढ़ होटल में कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति/लड़कों की आवश्यकता है। होटल मिस्त्री-2, हेल्पर सप्लायर-4, रसोईया-5, ड्यूटी टाइम 12घंटे ,रहना /खाना फ्री **संपर्क -डोंगरगढ़ मोड़ छत्तीसगढ़ होटल तुमडीबोर्ड राजनांदगांव मो.-**7805884957 (आरो -780)

ड्रायवर

आवश्यकता है- समीर ट्रेवल्स दुर्ग में कार चलाने हेतु ड्रायवरों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन के साथ, सुबह से शाम ड्यूटी **संपर्क करें:- मो.** 72240-62041, 93017-44445. (आरो न.-779)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

अन्य

आवश्यकता है- जॉब उपलब्ध-लड़के-लड़कियों की जो ब्यूटी ट्रीटमेंट अथवा एक्यूप्रेशर थैरेपी सेंटर से 15 से 20,000/- महिना कमाए (ट्रेनिंग फ्री, काम सिखाया जाएगा), फ्रेशर्स भी पार्टटाइम/फुल टाइम, इंटरव्यू मिले 7974071852, 7828604032 **तेलीबांधा**(RO-6814)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 725 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई (8वी से स्नातक) रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे **(धीरेंद्र कुमार)-** 7392890179.(RO-985)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें-** 9204441270.(RO-984)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:-** APS **इंटरप्राइजेस, रायपुर-** 9111760925, 9977676447, **बिलासपुर** - 8359913999, 9589288936, **रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा-** 9826020603. (RO-080)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है- रायपुर रोड में बिलासपुर हाईकोर्ट के सामने, एयरपोर्ट रोड, मेन रोड से 50मी. अन्दर 50×200 वर्गफीट, व्यावसायिक, डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल, कार शोरूम, आटोमोबाईल, होटल एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु उपयुक्त प्लाट बेचना है। **सम्पर्क करें-** 9300310774. (RO-1470)

फ्लैट

बेचना है- शंकर नगर स्थित वैलकम हाईटस आपर्टमेन्ट के चौथे माले मे 2 bhk फ्लैट 22 लाख मे तुरन्त बेचना है **संपर्क-** 6266302027. (RO-09)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA

COLOUR 20% Extra Charge For Disply

5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

जैकेट के शेष

ये वही अधूरी सड़क...

ग्रामीण बोले हमारी जिंदगी जंगली जीव से ज्यादा कीमती कैसे हो गया? दरअसल, पूरा मामला पिछड़े जनजातियों के गांवों से जुड़ा हुआ है। कुकरार के सीएचओ दुर्गेश पुरैना कल शाम अपने सहयोगियों के साथ नियमित ग्राम भ्रमण पर निकले थे, तभी कुकरार के कमार जनजाति के पांच मरीज कु पवित्रा 6 साल, रूपेश 13 साल, धान बाई 50 साल, शुकुरम 54 साल और प्रमिला बाई 34 साल बीमार मिले। सभी को बुखार था और सभी झाड़ फूंक में लगे थे। सीएचओ ने समझाइश के बाद सभी को अस्पताल जाने राजी किया। उनको वे अस्पताल लेकर गए, जहां स्लाइड जांच में पता चला था कि इन्हें मलेरिया है, लक्षण भर्ती के लायक थे। शाम 6 बजे मैनपुर अस्पताल से एंबुलेंस को काल किया गया डेढ़ घंटे के भीतर एंबुलेंस पहुंची। एंबुलेंस मरीज को लेकर 2 किमी सड़क पर निकली ही थी कि हथौड़ाडीह के पास अधूरी सड़क में फैली कीचड़ के दलदल में फंस गई।

सड़क की ऐसी...

डालना शेष रह गया, लेकिन बाकी हिस्सों में काम उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व ने एन ओ सी का हवाला देकर मार्च 2025 को काम बन्द करा दिया। टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन ने बताया कि निर्माण क्षेत्र में लगभग 17 हेक्टेयर रकबा रिजर्व फारेस्ट के बफर जोन में आता है, जिसके लिए वाइल्ड लाइफ और फॉरेस्ट एनओसी लेना अनिवार्य है। फॉरेस्ट क्लियरेंस के बाद ही काम को शुरू कराया जा सकता है।

चार पीढ़ियों को...

सेवा का प्रतीक था। उन्होंने न केवल अपने परिवार को संजोया, बल्कि आर्य समाज, गुरुकुल परंपरा और योग को भी नई दिशा दी। उनके आशीर्वाद से आज तीस से अधिक गुरुकुल संचालित हो रहे हैं। यह न केवल परिवार की उदारता का प्रमाण है, बल्कि माताजी की दिव्य दृष्टि का परिणाम भी है। माता परमेश्वरी देवी जी जीवनभर योग करती रहीं और अनुशासन उनका स्वभाव बन गया था। उनके भीतर दया और करुणा के साथ-साथ एक साध्वी जैसी दृढ़ता भी थी। उनके जाने से आशीर्वाद देने वाला एक हाथ भले ही कम हो गया हो, लेकिन उनकी स्मृतियां और संस्कार सदा साथ रहेंगे। वह परिवार को एकजुट कर चली गईं, यह उनकी सबसे बड़ी शक्ति थी। आर्य समाज में उनका नाम सदा आदरपूर्वक लिया जाता रहेगा।

माता परमेश्वरी देवीजी - एक सामाजिक विरासत की वाहक : माता परमेश्वरी देवी अपने पीछे एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। जिसमें उनके 6 बेटे और 3 बेटियां शामिल हैं। उनके बेटों के नाम रुद्रसेन, वीरसेन, व्रतपाल, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सतपाल और देव सुमन हैं, जबकि बेटियों में दया, बिमला और मधु हैं। उनके पति मित्रसेन सिंधु का निधन उनसे पहले ही हो चुका था।

बेटे की तरह...

करता है, मेरे पांव भी ठीक कर दे वरना लाठी से तेरे पांव तोड़ दूंगी। यही उनका स्नेह और अपनापन था। वह 15 दिन पहले ही माताजी से मिलने आए थे, और उन्हें क्या पता था कि मात्र तीन दिन बाद उनके स्वर्गवास की खबर मिलेगी। बाबा रामदेव ने भावुक होकर कहा, अब वह हमारे बीच भौतिक रूप में नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें, उनका आशीर्वाद और उनका प्रेरणादायक जीवन सदा हमारे साथ रहेगा।

भजनों ने किया...

जैसी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। सभा के दौरान 20 मिनट की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रस्तुत की गई, जिसमें माता परमेश्वरी देवी के साधारण किंतु प्रभावशाली जीवन का चित्रण किया गया। स्वामी रामदेव के अलावा रूड़की गुरूकुल से पदमश्री आचार्य सुकामा, गौतम नगर दिल्ली गुरूकुल से स्वामी प्रवणानंद महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा टिटोली के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश, उड़ीसा से आए स्वामी व्रतानंद ने भी सभा को संबोधित किया और परमेश्वरी देवी के जीवन को आदर्श बताया।

ये रहे मौजूद...

विधायक यूपी, पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलाश शर्मा, पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा, भिवानी सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री शैलजा, पूर्व सांसद अशोक तंवर, पूर्व संगठन मंत्री सुरेश भट्ट, पूर्व सांसद संजय भाटिया, पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, पूर्व गृह मंत्री सुभाष बतरा, सतीश बंधू, कई प्रशासनिक अधिकारी सहित एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, महिला आयोग हरियाणा की पूर्व चेयरमैन प्रतिभा सुमन, विजय आर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रमेश भाटिया, स्वामी कर्णपुरी महाराज, स्वामी परम चेतन्य व स्वामी आदित्यवेश आदि ने भी माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

देशभर में छाया...

इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने केरल के तटीय इलाकों में 2 से 3 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, 2020 के बाद यह पहला मौका है, जब मानसून पूरे देश में इतनी जल्दी पहुंचा है। आईएमडी ने एक बयान में कहा, मॉनसून रविवार, 29 जून 2025 को राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा के शेष हिस्सों और पूरी दिल्ली में पहुंच गया। मौसम विभाग ने कहा कि अगले सात दिनों तक देश के उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर हिस्सों में अत्याधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। इसके अलावा, झारखंड में 29 और 30 जून तथा ओडिशा में 29 जून को कुछ स्थानों पर अत्यधिक बारिश होने की संभावना है। आमतौर पर मॉनसून एक जून को केरल में दस्तक देता है और आठ जुलाई तक पूरे देश में पहुंच जाता है। इसकी वापसी 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से शुरू होती है और 15 अक्टूबर तक लौट जाता है। इस वर्ष मानसून 24 मई को केरल पहुंचा, जो भारतीय उपमहाद्वीप में 2009 के बाद इसका सबसे जल्दी आगमन है। वर्ष 2009 में मानसून 23 मई को केरल पहुंचा था। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण मानसून तेजी से आगे बढ़ा और 29 मई तक मुंबई समेत मध्य महाराष्ट्र तथा पूर्वोत्तर भारत तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद मानसून के आगे बढ़ने की गति लगभग 18 दिनों तक (29 मई से 16 जून तक) स्थिर रही। आईएमडी के अनुसार, इस ठहराव के बाद मॉनसून धीरे-धीरे अन्य हिस्सों में आगे बढ़ा, लेकिन दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में इसकी प्रगति चक्रवात-रोधी हवाओं के कारण बाधित रही। दिल्ली में मानसून ने पिछले वर्ष 28 जून को, 2023 में 25 जून, 2022 में 30 जून, 2021 में 13 जुलाई और 2020 में 25 जून को दस्तक दी थी। आईएमडी ने मई में पूर्वानुमान जताया था कि इस बार देश में जून से सितंबर के बीच औसत से 106 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो सकती है।

दिल्ली समेत इन राज्यों में दस्तक : मानसून 29 जून को राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पूरी दिल्ली तक पहुंच चुका है। इससे यह पूरे भारत में फैल चुका है। मानसून ट्रफ फिरोजपुर, सोनीपत, अयोध्या, गया जी, पुरुलिया, बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम हिस्से में बने निम्न दबाव क्षेत्र के केंद्र से होते हुए उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है।

तत्काल टिकट का...

वाले यात्रियों की अनिश्चितता कम होगी। यात्रियों को वेटिंग लिस्ट की स्थिति के बारे में पहले से ही जानकारी मिल जाएगी। इससे दूरदराज के इलाकों या बड़े शहरों के उपनगरों से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को फायदा होगा। इससे वेटिंग लिस्ट कन्फर्म न होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए अधिक समय भी मिलेगा।

रेल मंत्री ने की सुधारों की प्रगति की समीक्षा : भारतीय रेलवे यात्रा के अनुभव को यात्री-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे के साथ यात्री की यात्रा टिकट आरक्षण के चरण से शुरू होती है। रेलवे टिकट बुकिंग को आसान बनाने के लिए कई कदम उठा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इन सुधारों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टिकटिंग सिस्टम स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और कुशल होना चाहिए। योजना यात्री सुविधा पर केंद्रित होनी चाहिए। सिस्टम को हमारे यात्रियों के लिए एक सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना चाहिए।

कैबिनेट आज, सीएस...

साथ उनका स्वागत भी कर दिया जाए। राज्य की नौकरशाही में इस समय सबसे ज्यादा इस बात की चर्चा भी है कि राज्य का अगला मुख्य सचिव कौन होगा। संभवतः यह पहला अवसर होगा जब सीएस की सेवानिवृत्ति के कुछ घंटों पहले तक ये साफ नहीं हो पा रहा है कि सीएस की कुर्सी किस अधिकारी को मिलने जा रही है। उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि रविवार शाम तक संकेत भी नहीं मिल पाए हैं कि राज्य सरकार के इस प्रमुख पद पर कौन आसीन होगा। लिहाजा कैबिनेट की बैठक पर प्रदेश की नजरें बने रहने की संभावना है। बैठक की दिन ही मुख्य सचिव को लेकर स्थिति साफ हो सकती है।

'आपातकाल में लोगों को यातनाएं देने वाले हार गए'

मन की बात कार्यक्रम में इमरजेंसी का जिक्र कर बोले मोदी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज रेडियो शो 'मन की बात' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इमरजेंसी लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। मोदी ने कहा, 'जॉर्ज फर्नांडीस साहब को जंजीरों में बांधा गया था। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गईं।

जनता किसी भी अन्याय के आगे झुकी नहीं : मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। स्टूडेंट्स को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया।' पीएम ने आगे कहा, 'उस दौर में जो हजारों लोग गिरफ्तार किए गए, उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार हुए। लेकिन ये भारत की जनता का सामर्थ्य है, वो झुकी नहीं, टूटी नहीं और लोकतंत्र के साथ कोई समझौता उसने स्वीकार नहीं किया। आखिरकार जनता जनार्दन की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया और आपातकाल थोपने वाले हार गए।'

हम देशवासियों ने संविधान हत्या दिवस मनाया – पीएम मोदी : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'देश पर इमरजेंसी थोपे जाने के 50 साल कुछ ही दिन पहले पूरे हुए हैं। हम देशवासियों ने संविधान हत्या दिवस मनाया है। हमें हमेंशा उन लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने आपातकाल का डटकर मुकाबला किया था। इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहने की प्रेरणा मिलती है।

योग का जिक्र किया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आप सब इस समय योग की ऊर्जा और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्मृतियों से भरे होंगे। इस बार 21 जून को दुनिया के करोड़ों लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा लिया। 10 साल पहले इसका प्रारंभ हुआ और 10 साल में ये सिलसिला हर साल पहले से भी ज्यादा भव्य बनता जा रहा है। ये इस बात का भी संकेत है कि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने दैनिक जीवन में योग को अपना रहे हैं।'

कैलाश मानसरोवर का फिर से शुभारंभ हुआ – पीएम मोदी

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा, 'लंबे समय के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से शुभारंभ हुआ है। कैलाश मानसरोवर यानी, भगवान शिव का धाम। हिन्दू, बौद्ध, जैन, हर परंपरा में कैलाश को श्रद्धा और भक्ति का केंद्र माना गया है। 3 जुलाई से पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है और सावन का पवित्र महीना भी कुछ ही दिन दूर है। अभी कुछ दिन पहले हमने भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा भी देखी है।'

सोनम का 'मंगलसूत्र', राजा की 'चेन' पलटेगी पूरा केस, ये दोनों होंगे अहम साक्ष्य

एजेंसी ▶▶| इंदौर

इंदौर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि सोनम के जेवर रतलाम में मिले हैं। आपको बता दें कि एसआईटी की टीम सोनम और राजा के गहनों को कई दिन से तलाश रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने गहने छिपा दिए। एसआईटी की टीम ने शिलोम के घर में मौजूद महिलां से भी इसकी पूछताछ की थी।

रतलाम में जेवरात बेचने की आशंका : सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राजा और सोनम के गहने शिलोम के घर पर नहीं मिले। कहा जा रहा है कि ये गहने रतलाम में मिले हैं। शिलोम ने रतलाम में इनको बेच दिया है। पुलिस का मानना है कि ये राजा रघुवंशी हत्याकांड के सबसे अहम साक्ष्यों में से एक हैं। अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि प्रॉपर्टी ब्रोकर ने बैग में रखे हुए सोने-चांदी के जेवरात को रतलाम के किसी ज्वैलर्स को बेच दिए हैं। मालूम हो कि 3 दिन पहले एसआईटी पुलिस की टीम आरोपी शिलोम जेम्स, लोकेंद्र तोमर और चौकीदार बल्लू उर्फ बलवीर को अपने साथ लेकर शिलांग चली गई थी।

अमेरिकियों को लूटने वाले मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के एक पार्क में दो अमेरिकी नागरिकों से कथित तौर पर लूटपाट और उनपर चाकू से हमला करने वाले दो लोगों को रविवार सुबह पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ में दोनों संदिग्धों के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि 25 और 26 जून की मध्य रात्रि को दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में अमेरिकी नागरिक और उसकी महिला मित्र टहल रहे थे, तभी लूटपाट की यह घटना हुई थी।

महिला का शव बोरी में भरकर कचरा ट्रक में फेंका

बेंगलुरु। एक अज्ञात महिला का शव कथित तौर पर एक बोरी में भरकर कचरा ढोने वाले ट्रक में फेंका गया था। शव चेन्नम्मानकेरे अचुकट्टू पुलिस थाने की सीमा में मिला।महिला की उम्र 30 से 35 साल के बीच बताई जा रही है। शव को बांधकर एक बोरी में भर दिया गया था सम्भवतः शनिवार रात से रविवार सुबह के बीच किसी समय उसे कचरा ट्रक में फेंक दिया गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को संदेह है कि शव को ऑटो-रिक्शा में लाया गया होगा। सुबह कूड़ा फेंकने आए एक व्यक्ति को बोरी देखकर संदेह हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी।

पेज एक के शेष

हाथी के हमले से एक...

की ओर पैदल जा रहे थे। जंगल एवं खेतों के रास्ते कमार डेरा से सात सौ मीटर पहले उनका हाथी से आमना-सामना हो गया। डिप्टी रेंजर राकेश कुमार तिवारी ने बताया कि हाथी को देखकर दोनों दोस्त अपनी जान बचाने उल्टे पैर भागे। हाथी ने करीब 100 मीटर दौड़ाकर देवचरण को अपने सूंड में पकड़ लिया और पटककर उसे मार डाला। वहीं दूसरा दोस्त ईश्वर ध्रुव खेत की मेड़ में छिपकर अपनी जान बचाई। धमतरी रेंजर श्री सोम ने बताया कि घटना शनिवार रात 7.45 बजे की है। हाथी लीलर जंगल के कक्ष क्रमांक 160 से निकलकर खेत में आ गया था। जहां घटना घटित हुई।

पीड़ित परिवार को मिलेगा मुआवजा : घटना के तुरंत बाद हाथी निगरानी में तैनात दल मौके पर पहुंचा और शव को जिला अस्पताल लाया। रेंजर श्री सोम ने बताया कि पिछले 3-4 दिनों से इस क्षेत्र में सिंगल हाथी का विचरण हो रहा था। शनिवार सुबह 8 बजे लीलर में हाथी आने की मुनादी कर लोगों को सावधान किया गया था। वहीं वाट्सअप ग्रुप में भी मैसेज डाला गया था। बावजूद घटना हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों को 6 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

चार साल में 12 लोगों की मौत : सामान्य वनमंडल धमतरी में कोरोना काल से हाथियों की आमद शुरू हुई। चंदा दल हाथी के लिए अब गरियाबंद से उत्तर सिंगपुर, केरेगांव, धमतरी रेंज होते हुए बालोद जाने का रास्ता बन गया है। वर्तमान में हाथियों की आमद 2021 से हुई है तब से हाथी मानव द्वंद्व में 12 लोगों ने जान गंवा दी है। पहली घटना खिरकीटोला 18 फरवरी 2021 की है। सोरम खिरकीटोला रास्ते पर संजु मंडावी की हाथी के कुचलने से मौत हो गई। 30 नवम्बर 2021 भालूचुवा में कमला बाई कमार, जबर्रा मार्ग में 11 अप्रैल 2021 कु. सिमरन, दशरी बाई निषाद 14 मई 2022 पारधी जंगल में, 19 सिम्बर 2022 चनागांव के प्रियेश नेताम, 8 अक्टूबर 20222 डुबान क्षेत्र में कोहका निवासी महेश कुमार, 7 मार्च 2023 को धिकुड़िया निवासी सुखराम कमार, उत्तर सिंगपुर बंधिया तालाब के पास 9 मार्च 2023 साल्हेभाठ निवासी किसुनराम ध्रुव, केरेगांव परिक्षेत्र में 2 मई 2024 को डोकाल की सुरेखा सूर्यवंशी तथा शनिवार को देवचरण की मौत हाथी के हमले से हुई है।

'डिफॉल्टर' सूची में चार आईआईटी...

चार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और तीन भारतीय प्रबंधन संस्थान रैगिंग रोधी मानदंडों का पालन नहीं करने के कारण 'डिफॉल्टर' सूची में रखे गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूजीसी ने देशभर के 89 संस्थानों को एंटी-रैगिंग मानदंडों के अनिवार्य अनुपालन का शपथ पत्र जमा न करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 'डिफॉल्टर' सूची में आईआईटी, आईआईएम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) सहित राष्ट्रीय महत्व के 17 संस्थान शामिल हैं। 'डिफॉल्टर' आईआईटी में आईआईटी बंबई, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी पलक्कड़ और आईआईटी हैदराबाद हैं। इसी तरह, आईआईएम बंबई, आईआईएम रोहतक और आईआईएम तिरुचिरापल्ली भी सूची में हैं। 'डिफॉल्टर' में एम्स रायबरेली और एनआईडी- दिल्ली, आंध्र प्रदेश और हरियाणा भी शामिल हैं। यूजीसी सचिव मनीष जोशी ने कहा, यूजीसी के ध्यान में आया है कि उसके द्वारा जारी कई परामर्शों, एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन से कॉल और एंटी रैगिंग निगरानी एजेंसी के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बावजूद, ये संस्थान छात्रों का अनिवार्य एंटी-रैगिंग शपथ पत्र और संस्थानों का अनुपालन हलफनामा प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, रैगिंग पर यूजीसी विनियमन, 2009 का पालन सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अनिवार्य है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, धमतरी (छ.ग.)

क्रमांक/आयुक्त/ राजस्व/2025/ नि.सू./3043 — धमतरी दिनांक 27.06.2025

-:: दर प्रस्ताव आमंत्रण सूचना ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं इच्छुक व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम धमतरी स्वत्व की नगर पालिक निगम हाई स्कूल के पीछे नेहरू स्कूल के पास निर्मित व्यवसायिक काम्पलेक्स में रिक्त दुकानों को किराये पर आबंटन किये जाने हेतु द्वि लिफाफा पद्धति के माध्यम से सील बंद लिफाफे में प्रस्ताव / दर स्पीड पोस्ट से निम्नानुसार दर प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है।

स. क्र.	काम्पलेक्स का नाम	दुकान क्र.	आरक्षण	प्रीमियम राशि (सरकारी बोली प्रतिदुकान)	अमानत राशि (प्रतिदुकान) एफ.डी.आर. द्वारा	मासिक किराया (प्रतिदुकान)	लीज अवधि
1	नगर पालिक निगम हाई स्कूल के पीछे नेहरू स्कूल के पास	01	सामान्य	729400.00	182350.00	2920.00	03 वर्ष
		02	सामान्य	729400.00	182350.00	2920.00	03 वर्ष
		03	सामान्य	729400.00	182350.00	2920.00	03 वर्ष
2	नगर पालिक हाई स्कूल के पीछे स्थित काम्पलेक्स	06	अ.जा./ अ.ज.जा.	203000.00	50750.00	850.00	03 वर्ष

01. कोरा निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 03.07.2025 कार्यालयीन अवधि तक
02. निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 04.07.2025 कार्यालयीन अवधि तक
03. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 11.07.2025 कार्यालयीन अवधि तक
04. निविदा खोलने की तिथि - 14.07.2025 को 5:30 बजे (शाम)

इच्छुक व्यक्ति दर प्रस्ताव आमंत्रण में भाग लेने हेतु निवास संबंधी आई.डी. प्रुफ एवं आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को वांछित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है। विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में अवलोकन भी की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम धमतरी

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623, Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16/07/2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. [illegible]

गिरवियों की सूची : [illegible] ... 133670730087892, 7991, 8029, 8076, 8235, 8236, 8237, 8268, 8320, 8326, लालबाग राजनंदगाँव, 133880700018902, 8919, 8933, 133880730043139, 3170, 3420, 3422, 3424, 3458, 3490, 3579, 3588, 3631, 3632, 3669, 3706,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:– इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/– नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

राशिफल

मेष — बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों का ध्यान रखें। कठिनाइयां आ सकती हैं। कारोबार के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। अध्ययन में रुचि रहेगी।

वृष — लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मानसिक शान्ति के लिए प्रयासरत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। भाई–बहनों का साथ मिलेगा।

मिथुन — कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार में आपसी मनमुटाव से बचें।

कर्क — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से धन की प्राप्ति हो सकती है। मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे।

सिंह — शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। शासन–सत्ता का सहयोग। कारोबार को गति मिलेगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या — आय में वृद्धि होगी। भागदौड़ बढ़ेगी। परिश्रम भी अधिक रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

तुला — शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। मन परेशान रहेगा।

वृश्चिक — शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। कारोबार से आय में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। जिम्मेदारियों का विस्तार होगा।

धनु — आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

मकर — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है।

कुंभ — व्यर्थ के क्रोध से बचें। मन परेशान हो सकता है। माता–पिता का सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पठन–पाठन में रुचि रहेगी।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मान–सम्मान मिल सकता है। पारिवारिक समस्याओं पर ध्यान दें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं।

शब्द पहेली - 5913

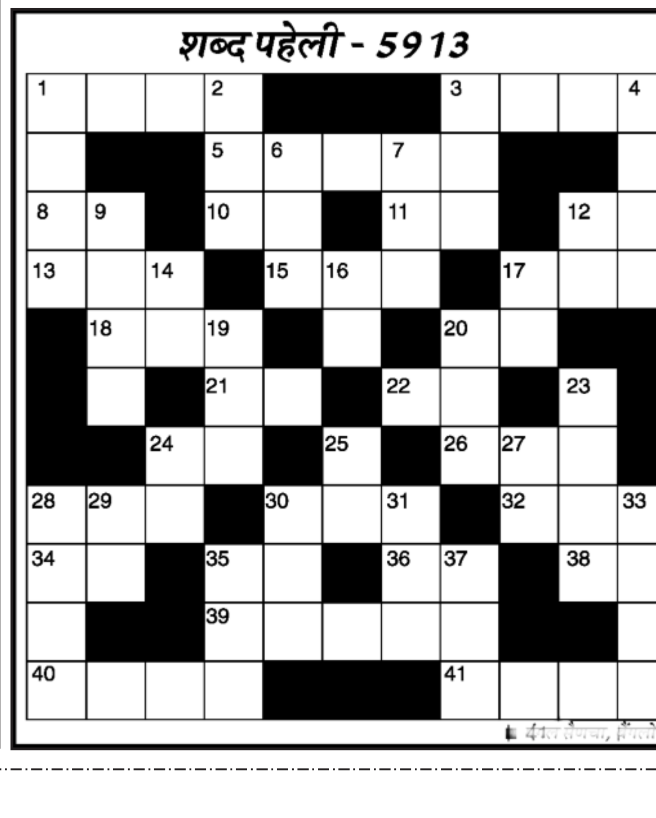

बाएँ से दाए–
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5912 का हल

सूडोकु नवताल - 5923

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5922 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

आरबीआई 12.5 किलो ईंट के रूप में रखता है अपना स्वर्ण भंडार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में हर घर की तरह भारतीय रिजर्व बैंक सोने की अहमियत को समझता है। यही कारण है कि वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।

- वर्तमान में केंद्रीय बैंक का स्वर्ण भंडार लगभग 870 टन पहुंच गया

वर्ष 1991 के आर्थिक संकट के बाद कई गुना बढ़ा सोने का भंडार

आज नोट की छपाई के सभी चीजों का विनिर्माण भारत में

वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार, "आज करेंसी नोट की छपाई में इस्तेमाल होने वाली मशीन, इंक से लेकर सभी प्रकार की चीजों का विनिर्माण भारत में ही होता है।' उल्लेखनीय है कि पहले, आयातित कागज से नोटों की छपाई होती थी। यह कागज दुनिया की कुछ कंपनियां ही बनाती थीं, जिससे बाजार में इन कंपनियों का दबदबा रहता था और इस कारण बाजार में नकली नोट आने की आशंका बनी रहती थी।

सोना केवल धातु नहीं देश की ताकत : केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं, "सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे। अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा। 20 जून को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 57.3 करोड़ डॉलर घटकर 85.74 अरब डॉलर रहा। वहीं विदेशी मुद्रा भंडार इस दौरान 1.01 अरब डॉलर घटकर 697.93 अरब डॉलर रहा।

नोट के लिए कागज बनाने का कारखाना चार राज्यों में

इसमे कहा गया है, "इस स्थिति को देखते हुए आरबीआई ने अपनी मुद्रा के लिए कागज बनाने को लेकर देवास (मध्य प्रदेश), सालबोनी (पश्चिम बंगाल), नासिक (महाराष्ट्र) और मैसूर (कर्नाटक) में कारखाने लगाये हैं। और आज जो भी करेंसी में कागज का उपयोग हो रहा है, वह भारत में ही विनिर्मित हो रहा है।

आरबीआई के कार्य वित्त चित्र के जरिए लाए गए

जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई (दो मई, 2025 की स्थिति के अनुसार चलन में कुल नोट का मूल्य 38.1 लाख करोड़ रुपये) है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है।

पहले नोट के लिए कागज आयात करना पड़ता था

वृत्त चित्र में आरबीआई की पूर्व डिप्टी गवर्नर ऊषा थोराट कहती हैं, "हमें करेंसी नोट के लिए कागज आयात करना पड़ता था। नासिक और देवास में आयातित कागज से नोटों की छपाई होती थी। ये कागज कुछ ही इकाइयां विनिर्माण करती थीं...। वर्ष 2010 में पाया गया कि कई नकली नोट अच्छी गुणवत्ता के थे और वो देखने में बिल्कुल यहां छपे नोट की तरह थे।"

खबर संक्षेप

एनटीपीसी रिन्यूएबल ने शुरू की शाजापुर सौर परियोजना

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने रविवार को कहा कि उसकी अनुषंगी कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 120 मेगावाट की तीसरी और अंतिम क्षमता का संचालन करने के बाद 220 मेगावाट की शाजापुर सौर परियोजना (यूनिट-II) का पूर्ण परिचालन शुरू कर दिया है।

हाइड्रोजन वाहनों के लिए नई नंबर प्लेट का प्रस्ताव

नई दिल्ली। हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले वाहनों के लिए पंजीकरण नंबर प्लेट की एक नई श्रेणी का प्रस्ताव दिया है। सड़क परिवहन द्वारा जारी एक मसौदा अधिसूचना के अनुसार, हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले वाणिज्यिक वाहन के मामले में, नंबर प्लेट का ऊपरी आधा हिस्सा हरा और निचला आधा हिस्सा नीला होगा, जबकि अंक पीले रंग में होंगे।

पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 2,34,565.53 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में तेजी के रुख के बीच सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,650.73 अंक या दो प्रतिशत चढ़ गया।

अनंत, मुकेश अंबानी के सबसे छोटे पुत्र हैं

रिलायंस के अनंत अंबानी को मिलेगा 10-20 करोड़ रुपए वेतन, लाभ कमीशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे पुत्र और तीन भाई-बहनों में सबसे पहले प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किए गए अनंत अंबानी को सालाना 10-20 करोड़ रुपये का वेतन और कंपनी के मुनाफे पर कमीशन सहित कई भत्ते दिए जाएंगे। शेयरधारकों को भेजी गई सूचना में यह जानकारी दी गई है।

जहां सबसे अमीर एशियाई के तीनों बच्चे - जुड़वां आकाश और ईशा, और अनंत को 2023 में गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में तेल-से-दूरसंचार-और-खुदरा समूह के निदेशक मंडल में शामिल किया गया था, वहीं सबसे छोटे अनंत को इस साल अप्रैल में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया था।

अनंत सभी आवश्यक शर्तों के हकदार होंगे

गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में, तीनों को कोई वेतन नहीं मिल रहा था और प्रत्येक को वित्त वर्ष 2023-24 में चार लाख रुपये का शुल्क और 97 लाख रुपये का लाभ पर कमीशन दिया गया था। हालांकि, कार्यकारी निदेशक के तौर पर 30 वर्षीय अनंत वेतन और अन्य आवश्यक शर्तों के हकदार होंगे।

रिलायंस इंड में अनंत कार्यकारी निदेशक नियुक्त किए गए

कंपनी के मुनाफे पर कमीशन सहित कई भत्ते दिए जाएंगे

शेयरधारकों को भेजी गई सूचना में दी गई जानकारी

रिलायंस ने नियुक्ति के लिए शेयरधारकों से मंजूरी मांगी थी

रविवार को शेयर बाजार को दिए गए नोटिस में रिलायंस ने कहा कि नियुक्ति के लिए शेयरधारकों की मंजूरी पोस्टल बैलेट के जरिये मांगी गई है। साल 2023 में नियुक्तियां भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी में उत्तराधिकार योजना का हिस्सा थीं, जिसे कई लोगों ने 2002 में उनके पिता की मृत्यु के बाद भाई-बहन के झगड़े से बचने के लिए अंबानी के प्रयास के रूप में देखा।

अनंत कंपनी द्वारा दी जाने वाले सुरक्षा के हकदार होंगे

अनंत को अपने या पत्नी तथा व्यावसायिक यात्राओं के दौरान सहायकों के लिए यात्रा, भोजन तथा आवास पर किए गए व्यय की पैसा भी मिलेगा। साथ कंपनी के व्यवसाय के लिए कार की व्यवस्था तथा निवास पर संचार व्यय का खर्च भी मिलेगा। वह चिकित्सा के साथ-साथ अपने और अपने परिवार के सदस्यों के लिए कंपनी द्वारा व्यवस्थित सुरक्षा के भी हकदार होंगे।

ईशा खुदरा, ई-कॉमर्स व लक्जरी कारोबार संभालती है

सबसे बड़े पुत्र आकाश कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद 2014 में समूह की दूरसंचार इकाई जियो की नेतृत्व टीम में शामिल हुए। उन्हें जून, 2022 में दूरसंचार इकाई जियो इन्फोकॉम का चेयरमैन बनाया गया। वह इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम का प्रबंधन भी करते हैं। ईशा कंपनी के खुदरा, ई-कॉमर्स और लक्जरी कारोबार को संभालती हैं।

अनंत रिलायंस के ऊर्जा कारोबार से जुड़े

कहा जाता है कि कंपनी के ई-कॉमर्स ऐप के ज़रिए फैशन के क्षेत्र में कंपनी की मौजूदगी बढ़ाने और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय लक्जरी ब्रैंड के साथ बढ़ती साझेदारी के पीछे भी उनका ही हाथ है। अनंत रिलायंस के ऊर्जा कारोबार से जुड़े हैं, जिसमें जीवाश्म ईंधन से लेकर सौर पैनल निर्माण का विकास शामिल है। ब्राउन यूनिवर्सिटी से स्नातक अनंत, अपनी मां के साथ रिलायंस फाउंडेशन के बोर्ड में भी हैं, जो समूह की परमार्थ इकाई है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा का भारतीय ट्रैक्टर बाजार में दूसरे नंबर पर आने का लक्ष्य

- कंपनी अपनी लागत दक्षता व जापानी भागीदारी से उच्च गुणवत्ता हासिल करेगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कृषि मशीनरी और निर्माण उपकरण कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड भारतीय ट्रैक्टर बाजार में दूसरे नंबर की कंपनी बनने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा के शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि कंपनी अपनी लागत दक्षता और जापानी भागीदार की प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता की ताकत के संयोजन से यह लक्ष्य हासिल करना चाहती है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड (ईकेएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक निखिल नंदा और उप-प्रबंध निदेशक सेजी फुकुओका ने पीटीआई-भाषा के साथ संयुक्त साक्षात्कार कहा कि कंपनी 2031 तक के लिए एक मध्यावधि योजना (एमटीपी) को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रही है। इस योजना के तहत कई उत्पादों को उतारने की तैयारी है। नंदा ने आगे की राह के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, "अगले चार से पांच साल में तीन ब्रांड - फार्मट्रैक, पावरट्रैक और कुबोटा - के बीच सफलता नए उत्पादों से मिलेगी, जिन्हें हम पेश करने जा रहे हैं। बहुत सारा काम हो चुका है, और अब से लेकर अगले पांच साल के बीच बहुत सारे उत्पाद लाइन पेश करने की योजना है...।' उन्होंने अधिक ब्योरा दिए बिना कहा कि ये उत्पाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए हैं।

कंपनी ने लक्ष्य की समय सीमा नहीं बताई

वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री 8,83,095 इकाई रही है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 8,92,410 इकाई थी। हालांकि, कंपनी ने ट्रैक्टर बाजार में दूसरे नंबर का खिलाड़ी बनने के लक्ष्य की समयसीमा नहीं बताई है।

ऑन्कोस्फेयर 2025: कैंसर इलाज में तकनीकी सफलता की झलक

रायपुर। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'ऑन्कोस्फेयर 2025 – इनोवेशन इन कैंसर केयर' का दूसरा दिन भी अत्यंत सफल और ज्ञानवर्धक रहा। देशभर से आए 300 से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टरों और ऑन्कोलॉजिस्ट्स ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम तकनीकी और चिकित्सीय विकास पर गहन चर्चा की। सम्मेलन की शुरुआत गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर पर केंद्रित सत्र से हुई, जिसमें उभरते क्लीनिकल ट्रायल्स और उपचार पद्धतियों में हो रहे बदलावों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। इसके बाद जेनिटोयूरिनरी कैंसर और हेमेटो-ऑन्कोलॉजी से जुड़े सत्रों का आयोजन हुआ, जिसमें कैंसर उपचार की बदलती रणनीतियों पर गंभीर विमर्श किया गया। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रही डॉ. संदीप दवे की प्रस्तुति, जो रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर के डायरेक्टर हैं। उन्होंने 'रोबोटिक सर्जरी : चेंजिंग पेराडिग्म इन सर्जिकल आंकोलाजी' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि कैसे रोबोटिक तकनीक से कैंसर सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और कम समय में संभव हो रही है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से रोगी जल्द स्वस्थ हो सकते हैं और उनकी रिकवरी बेहतर होती है। उनके सत्र के दौरान चिकित्सकों ने तकनीक से जुड़े कई सवाल पूछे, जिनका डॉ. दवे ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया। दूसरे दिन विशेषज्ञों ने भारत में कैंसर उपचार के भविष्य और इसके विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। कार्यक्रम का समापन डॉ. रवि जायसवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

श्री नकोडा इस्पात एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड की परियोजना के लिए जनसुनवाई आयोजित

रायपुर। ग्राम सांकरा, तहसील तिल्दा (रायपुर) में श्री नकोडा इस्पात एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड की प्रस्तावित एकीकृत इस्पात परियोजना के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। यह जनसुनवाई पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना-2006 के तहत संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता अतिरिक्त कलेक्टर देवेंद्र पटेल ने की और संचालन छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी पीके राबडे ने किया। जनसुनवाई में परियोजना प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि इस इस्पात संयंत्र की अनुमानित लागत लगभग 684 करोड़ रुपए होगी, जिससे करीब 1200 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। पर्यावरण संरक्षण के तहत कंपनी 60 करोड़ रुपए की प्रारंभिक लागत और 10 करोड़ रुपए की वार्षिक रखरखाव राशि नियोजित करेगी। परियोजना प्रमुख ने बताया कि यह संयंत्र पूर्व में बंद पड़ी एस्टर प्राइवेट लिमिटेड की भूमि पर स्थापित किया जाएगा, जिसे कंपनी ने नीलामी के माध्यम से खरीदा है। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-2030 के तहत कंपनी को 'इनविटेशन टू इंटरेस्ट' (एमओयू) जारी किया गया है। हालांकि, जनसुनवाई के दौरान ग्राम सांकरा, लखना और परसदा के कुछ ग्रामीण विरोध में खड़े नजर आए।

बफेट का बड़ा फैसला, दान किए 6 बिलियन डॉलर के शेयर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट दान देने के मामले में कभी पीछे नहीं हटते हैं। उन्होंने गेट्स फाउंडेशन और चार फैमिली चैरिटी संस्थाओं को बर्कशायर हैथवे के 6 बिलियन डॉलर के अतिरिक्त शेयर दान कर दिए हैं।

यह लगभग दो दशक पहले अपनी संपत्ति दान करने के बाद से उनका सबसे बड़ा वार्षिक दान है। बर्कशायर क्लास बी के लगभग 12.36 मिलियन शेयरों के दान ने बफेट के दान को चैरिटी को 60 बिलियन डॉलर से भी अधिक तक बढ़ा दिया।

गेट्स फाउंडेशन को 9.43 मिलियन शेयर

बफेट ने गेट्स फाउंडेशन को 9.43 मिलियन शेयर, सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन को 9,43,384 शेयर और अपने बच्चों हॉवर्ड, सूसी और पीटर द्वारा संचालित तीन चैरिटी में से प्रत्येक को 6,60,366 शेयर दान किए। ये चैरिटी- हॉवर्ड जी. बफेट फाउंडेशन, शेरवुड फाउंडेशन और नोवो फाउंडेशन हैं। हालांकि, वॉरेन बफेट अभी भी बर्कशायर के 13.8% शेयर के मालिक हैं।

गुलमोहर ग्रीन्स को तीसरे दिन भी जबरदस्त रिस्पॉन्स, लांच एक दिन और बढ़ाया गया

रायपुर। रायपुर की रियल एस्टेट दुनिया में एक नई कहानी लिखते हुए गुलमोहर ग्रीन्स ने लॉन्चिंग के तीसरे दिन भी ज़बरदस्त प्रतिक्रिया दर्ज की है। अष्टविनायक रियल्टीज़ एवं आहुजा ग्रुप के इस प्रीमियम प्लॉटेड टाउनशिप प्रोजेक्ट में अब तक 150 से अधिक बुकिंग्स हो चुकी हैं।

लगातार तीन दिनों से जारी भारी फुटफॉल ने आयोजकों को लॉन्च अवधि एक दिन और बढ़ाकर 30 जून तक करने के लिए प्रेरित किया है। मुजगहन स्थित ओल्ड धमतरी रोड पर विकसित यह प्रोजेक्ट कुल 15.24 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जो कि रेरा रजिस्टर्ड और टीएनसी अप्रूव्ड है। चौड़ी एप्रोच रोड्स, बेहतर कनेक्टिविटी और भारतमाला एक्सप्रेस-वे की नजदीकी जैसे फैक्टर्स ने इसे इन्वेस्टर्स और फैमिली बायर्स दोनों के लिए आकर्षक विकल्प बना दिया है। अष्टविनायक रियल्टीज़ के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर संतोष लोहाना ने बताया कि हम पूरी टीम की तरफ से लोगों के इस अभूतपूर्व विश्वास के लिए आभारी हैं। रायपुर के साथ-साथ अन्य शहरों से भी बायर्स ने रुचि दिखाई है। कई इच्छुक लोग व्यस्तता के कारण अभी तक नहीं आ सके, इसी वजह से हमने लॉन्च को 30 जून तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रोजेक्ट के एमडी प्रकाश लोहाना और विजय तनवानी ने कहा कि गुलमोहर ग्रीन्स सिर्फ प्लॉट्स का समूह नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद जीवनशैली की नींव है।

- अष्टविनायक रियल्टीज़ एवं आहुजा ग्रुप का प्रोजेक्ट बना बायर्स की पहली पसंद

खबर संक्षेप

भाटिया ने लगातार चार बर्डी लगाए, संयुक्त 55वें स्थान पर

डेट्रॉयट। अक्षय भाटिया ने पीजीए टूर के रॉकेट क्लासिक गोल्फ के तीसरे दौर के आखिरी चार होल में लगातार चार बर्डी लगाकर दो अंडर 70 का कार्ड खेला। भारतीय मूल का यह अमेरिकी खिलाड़ी 68, 70, 70 के कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 55 वें स्थान पर है। भाटिया ने सातवें और 11वें होल में बोगी करने के बाद पिछड़ रहे थे लेकिन वह 15वें से 18वें होल तक लगातार चार बर्डी लगाकर कुछ हद तक वापसी करने में सफल रहे।

दीक्षा जर्मन मास्टर्स में संयुक्त आठवें पायदान पर

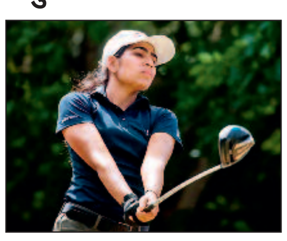

हैम्बर्ग (जर्मनी)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर अमुंडी जर्मन मास्टर्स के तीसरे दौर में एक ओवर 74 का कार्ड खेलने के बावजूद तालिका में संयुक्त रूप से आठवें पायदान पर बनी हुई है। शुरुआती दो दौर में 69 और 73 का कार्ड खेलने वाली दीक्षा तीसरे दौर में तीन बर्डी के मुकाबले चार बोगी कर बैठी। कट में प्रवेश पाने वाली अन्य भारतीयों में वाणी कपूर (76) संयुक्त 21वें और अवनि प्रशांत (74) संयुक्त 36वें स्थान पर हैं।

सुरुचि, नीरज और सम्राट राणा ट्रायल्स में चमके

देहरादून। सुरुचि इंदर सिंह ने रविवार को यहां ग्रुप ए निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल में महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़कर जीत हासिल की जबकि नौसेना के निशानेबाज नीरज कुमार ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन पुरुष स्पर्धा में चमकदार प्रदर्शन किया। सितारों से सजे फाइनल में सुरुचि ने 245.6 का स्कोर बनाया जो मनु भाकर से 1.1 अंक बेहतर था। भाकर ने 244.5 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया जबकि अनुभवी राही सरनोबत 223.1 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाना बहुत खास है: स्मृति

नॉटिंघम। भारत की कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी टीम को 97 रन से जीत दिलाने के बाद कहा कि इस प्रारूप में शतक लगाना उनके लिए विशेष मायने रखता है क्योंकि वह नैसर्गिक तौर पर पावर हिटर नहीं हैं। मंधाना ने अपने 149वें मैच में अपना पहला टी20 शतक लगाया। उन्होंने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम 210 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई। मंधाना ने शनिवार को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''यह अच्छा अहसास है, क्योंकि यह प्रारूप ऐसा है जिसमें एक बल्लेबाज के तौर पर मुझे लगातार प्रयास और सुधार करते रहना होगा। यह मेरे लिए बहुत नैसर्गिक प्रारूप नहीं है।''उन्होंने कहा, ''मैं पावर हिटर नहीं हूं और मुझे अपनी टाइमिंग पर भरोसा रखकर शॉट मारना पसंद है लेकिन मैं अपनी पावर हिटिंग पर भी काम करने की कोशिश कर रही हूं।''

वनडे में दबदबा बना सकता है भारत पर टेस्ट में बुमराह पर निर्भर

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

दक्षिण अफ्रीका में जन्मे इंग्लैंड के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज एलन लैम्ब का मानना है कि भारत को टेस्ट मैच जीतने के लिए अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा लेकिन उनकी प्रतिभा को देखते हुए वे 50 ओवर के मैचों में किसी भी टीम को हराने की क्षमता रखते हैं। इंग्लैंड की तरफ से 79 टेस्ट मैच के अलावा तीन बार वनडे विश्व कप में खेलने वाले 71 वर्षीय लैम्ब भारतीय क्रिकेट के विकास विशेषकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने जिस तरह से दुनिया भर के खिलाड़ियों का जीवन बदला उससे काफी खुश हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) जिस तरह से टेस्ट क्रिकेट को संचालित कर रही है उससे वह खुश नहीं दिखे। लैम्ब ने बात करते हुए काउंटी क्रिकेट में कपिल देव के साथ खेलने के दिनों के बारे में भी बात की और बताया कि वह सचिन तेंदुलकर को सुनील गावस्कर और विराट कोहली से बेहतर क्यों मानते हैं। लैम्ब से इंटरव्यू के अंश:

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एलन लैम्ब का मानना

भारत हमेशा शीर्ष पर रहेगा

- **प्रश्न:** आपने 1984-85 की श्रृंखला में पहली बार भारत का दौरा किया था और इससे पहले 1982 में भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। आप भारतीय क्रिकेट के उदय को किस तरह से देखते हैं?

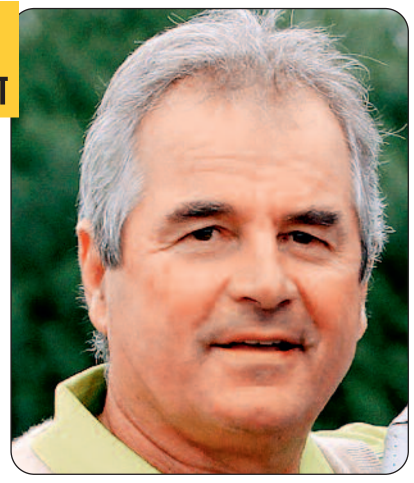

- **उत्तर:** मेरा शुरू से मानना था कि भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ेगा। यह धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। क्रिकेट भारत का नंबर एक खेल है और वह हमेशा शीर्ष पर रहेगा। आईपीएल ने भारत और दुनिया में क्रिकेट को बदल दिया है। 15 और 16 साल के इन युवाओं (वैभव सूर्यवंशी जैसे) को आगे बढ़ते हुए और अपनी विशिष्ट छाप छोड़ते हुए देखना अविश्वसनीय है। एक दिवसीय क्रिकेट में भारत को हर प्रतियोगिता जीतनी चाहिए। टेस्ट मैचों में आप बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाले हैं और आपको विराट कोहली की बहुत कमी खलेगी।

आईपीएल ने सभी क्रिकेटरों की जिंदगी बदली

- प्रश्न: क्या आप आईपीएल में खेलना पसंद करते और इसने एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के जीवन को किस तरह बदल दिया है?
- उत्तर: आईपीएल ने वर्तमान समय के सभी क्रिकेटरों की जिंदगी बदल दी है। उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलने की जरूरत नहीं है। वे दुनिया भर में टी20 लीग के साथ अनुबंध कर सकते हैं और खूब पैसा कमा सकते हैं। मेरा मतलब है, जब हम खेलते थे तो हमें इतना पैसा नहीं मिलता था। लेकिन उनके लिए यह अच्छा है। वे लाखों डॉलर के हकदार हैं। और क्या मैंने आईपीएल का आनंद लिया होता। निश्चित तौर पर क्योंकि जब मैं खेलता था, तो मैं हमेशा आखिरी 20 ओवरों तक या अगर हम 50 ओवर का मैच खेलते थे तो आखिरी 10 ओवरों तक इंतजार करता था।

कपिल का तरीका बहुत पसंद था

- प्रश्न: आपने नॉर्थम्पटनशर में कपिल देव के साथ खेला है तथा सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ खेला है। आपका पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर कौन है?
- उत्तर: मुझे कपिल देव का खेलने का तरीका बहुत पसंद था। हम नॉर्थम्पटन में साथ-साथ खेले हैं। मुझे याद है कि वह मेरे पास आए और मैंने कहा, 'कपी, मैं बहुत खुश हूं कि तुम यहां आए हो। हमें अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा, 'नहीं, मैं अपनी गेंदबाजी को नहीं अपनी बल्लेबाजी को बेहतर बनाने आया हूं। मैं यहां एक बल्लेबाज के तौर पर आया हूं, जिसका मैंने हमेशा आनंद लिया है।'

बीसीसीआई ने सभी रिपोर्ट्स का किया खंडन

एशिया कप में होगी भारत-पाक की भिड़ंत! सितंबर में तय होगी तारीख

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच संशय था कि एशिया कप 2025 का आयोजन होगा कि नहीं। पहले रिपोर्ट्स आईं थीं कि भारत ने एशिया कप में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है, हालांकि बीसीसीआई सचिव ने इन सभी रिपोर्ट्स का खंडन कर दिया था। अब एशिया कप 2025 की संभावित तारीख सामने आई है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार इस टूर्नामेंट का आयोजन सितंबर में हो सकता है। टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान समेत कुल 6 टीमें हिस्सा लेने वाली है। अब देखने वाली बात यह होगी कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलता है या नहीं।

- एशिया कप 2025 का होगा आयोजन
- टूर्नामेंट का आयोजन सितंबर में हो सकता है

खास बातें

- भारत पाक समेत छह टीमें हिस्सा लेने वाली
- भारत पाक के खिलाफ मैच खेलेगा या नहीं देखना होगा

मुंबई हमले के बाद से द्विपक्षीय सीरीज बंद

2008 के मुंबई हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज बंद हैं। अब दोनों टीमें अब केवल आईसीस और एसीसी टूर्नामेंट में एक-दूसरे का सामना करती हैं। ऐसे में जब भी भारत-पाकिस्तान मैच होता है तो दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजरें इस मुकाबले पर टिकी होती हैं। ऐसे में आयोजक और ब्रॉडकास्टर भारत-पाकिस्तान मैच से ज्यादा से ज्यादा कमाई करते हैं।

आगाज 10 सितंबर 2025 से हो सकता है

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप 2025 का आगाज 10 सितंबर से हो सकता है और जुलाई के पहले हफ्ते में शेड्यूल जारी होने की भी संभावना है। बता दें, एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत के पास है। अगर टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होती है तो मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होगा।

भारत ने आठ बार जीता एशिया कप

एशिया कप का आखिरी संस्करण 2023 में श्रीलंका और पाकिस्तान में आयोजित हुआ था। फाइनल में भारत और श्रीलंका की टीम पहुंची थी, जहां टीम इंडिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 8वीं बार खिताब उठाया था।

न्यूट्रल वेन्यू के लिए यूएई सबसे आगे

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) जुलाई के पहले सप्ताह में छह टीमों के टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी करने की योजना बना रही है। इस साल, टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा तो एशिया कप 2025 में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई की टीमें भाग लेंगी। न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाने वाले मुकाबलों के लिए यूएई मेजबानी की रेस में सबसे आगे है।

मेजबानी भारत के पास

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एशिया कप को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने के बारे में कुछ चर्चाएं चल रही हैं। मेजबानी वैसे तो भारत के पास है, लेकिन एसीसी ने पहले तय किया था कि जब भी भारत और पाकिस्तान की बारी आएगी, तो उनके मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे।

हाइब्रिड मॉडल पर टूर्नामेंट कराने का हो सकता है फैसला

अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध खराब हैं। ऐसे में एशिया कप में पाकिस्तान के भारत आने की संभावना खत्म हो गई है। एसीसी जुलाई के पहले हफ्ते में टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का फैसला कर सकती है।

ग्रासकोर्ट पर खेलना पसंद

अल्काराज की लगातार तीसरे विम्बलडन खिताब पर निगाहें

एजेंसी ▶▶| लंदन

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सोमवार को यहां सेंटर कोर्ट पर विम्बलडन के पहले दौर में फैबियो फोगनिनी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे और उनकी निगाहें इस ग्रैंडस्लैम में लगातार तीसरा खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी।

- फैबियो के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे

ओपन युग में सिर्फ चार खिलाड़ी ही लगातार तीन बार विम्बलडन ट्रॉफी जीत सके हैं जो 1968 में शुरू हुआ था जिसमें ब्योर्न बोर्ग, पीट सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच शामिल हैं। छह साल पहले 22 साल के अल्काराज ने यहां ग्रासकोर्ट पर पहला मैच खेला था। पिछले साल के पुरुष चैंपियन को ही सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलने का मौका मिलता है। ग्रैंडस्लैम फाइनल में अल्काराज का रिकॉर्ड 5-0 है जिसमें दो बार फ्रेंच ओपन खिताब शामिल हैं। अमेरिकी ओपन में भी एक दफा वह ट्रॉफी जीत चुके हैं। अल्काराज ने तीन हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन के फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से दो सेट पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए खिताब जीता था। पिछले साल दूसरी रैंकिंग पर काबिज अल्काराज किसी भी कोर्ट (ग्रास, क्ले और हार्ड कोर्ट) में मेजर ट्रॉफी जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे। लेकिन उन्हें ग्रासकोर्ट पर खेलना पसंद है। वह सोमवार को करियर में सर्वश्रेष्ठ लगातार 18 मैच जीतने की लय को जारी रखना चाहेंगे।

जोकोविच के लिए 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का अच्छा मौका

नोवाक जोकोविच से भले ही अब किसी टूर्नामेंट के शुरू होने पर अक्सर उनके संन्यास को लेकर सवाल किया जाता है लेकिन इस स्टार टेनिस खिलाड़ी की निगाह सोमवार से शुरू होने वाले विंबलडन पर टिकी हैं जिसे वह अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका मानते हैं। जोकोविच अभी 38 साल के हैं और विंबलडन से पहले उनसे यही सवाल पूछा गया कि क्या वह आखिरी बार इस प्रतियोगिता में खेलेंगे। इस 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन का जवाब भी रटा रटाया था। जोकोविच ने कहा, ''क्या यह मेरा आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट हो सकता है।

खराब मौसम के कारण पड़े व्यवधान से मैच पूरा होने में लगे पांच घंटे

चेल्सी व पाल्मेरास क्लब विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी ▶▶| चार्लोट (अमेरिका)

क्रिस्टोफर एनकुंकू ने अतिरिक्त समय में रिबाउंड पर गोल किया जिससे चेल्सी ने बेनफिका को 4-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। खराब मौसम और बिजली कड़कने के कारण इस मैच में व्यवधान पड़ा और इसे पूरा होने में करीब पांच घंटे लगे।

चेल्सी क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में पाल्मेरास से भिड़ेगा। पाल्मेरास ने शनिवार को खेले गए अंतिम 16 के एक अन्य मैच में बोटाफोगो को 1-0 से हराया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। एनकुंकू ने 108वें मिनट में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिलाई। इसके बाद पेड्रो नेटो और किरनान डेव्सबरी हॉल ने अतिरिक्त समय में गोल करके चेल्सी की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इससे पहले रीस जेम्स ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके चेल्सी को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन खेल समाप्त होने में जब केवल चार मिनट का समय बचा था तब बिजली कड़कने के कारण मैच रोक दिया गया और इसके फिर से शुरू होने में दो घंटे की देरी हुई। इसके बाद जब खेल शुरू हुआ तो बेनफिका को इंजरी टाइम में पेनल्टी मिली क्योंकि गेंद मालो गुस्टो के हाथ से टकरा गई थी।

निर्धारित समय तक दोनों टीमें बराबर रही

एंजेल डि मारिया ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। उधर फिलाडेल्फिया में पॉलिन्हो ने अतिरिक्त समय में दो डिफेंडरों के बीच से गोल करते हुए गोल दागा जिससे पाल्मेरास ने ब्राजील के लीग प्रतिद्वंद्वी बोटाफोगो को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। निर्धारित समय तक दोनों टीम गोल रहित बराबरी पर थी जिसके बाद पॉलिन्हो ने 100वें मिनट में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

टीवी अंपायर की आलोचना पर डैरेन सैमी पर जुर्माना

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी पर बारबाडोस में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के कारण मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमी ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में तीसरे अंपायर के फैसलों की आलोचना की थी और निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के फैसलों में निरंतरता की मांग की थी। सैमी ने निराशा व्यक्त की थी कि होल्डस्टॉक का विकेट के पीछे कैच के लिए भेजे गए दो एक जैसे मामलों में फैसला अलग-अलग था। इसमें ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को नॉट आउट दिया गया था, जबकि वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज शाई हॉप को आउट करार दिया गया था। वेस्टइंडीज के कोच ने मेजबान टीम के कप्तान रोस्टन चेज और ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन से जुड़े एलबीडब्ल्यू रेफरल का भी जिक्र किया था।

महिला टी20 मैच में भारत के खिलाफ तय समय में दो ओवर कम किए

धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैड पर लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नॉटिंघम

इंग्लैंड पर भारत के खिलाफ पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया जिसमें मेहमान टीम ने 97 रन से जीत हासिल की थी। एमिरेट्स आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रैफरी की हेलेन पैक ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंकने के बाद इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को एक बयान में कहा, ''खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता का अनुच्छेद 2.22 न्यूनतम ओवर गति उल्लघंन से संबंधित है जिसके अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

दूसरा मैच मंगलवार को ब्रिस्टल में

बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित भारत ने कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना के 112 रन से पांच विकेट पर 210 रन बनाए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई थी जिससे भारत ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा मैच मंगलवार को ब्रिस्टल में खेला जाएगा।

बुमराह पर बोझ कम करने स्पिनर यादव को खिलाना चाहिए

भारत को अनुभवी गेंदबाजों की जरूरत : अजहरुद्दीन

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि भारत को अपने गेंदबाजी आक्रमण में अधिक अनुभव जोड़ने और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बोझ कम करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए।

लीड्स में पहले टेस्ट में भारतीय टीम पांच विकेट से हार गई जिसमें मेहमान टीम विकेटों के लिए बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर थी। अजहरुद्दीन ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''वे बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह आसान नहीं है क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की जरूरत है और उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए।

बर्मिंघम की पिच सूखी रहेगी तो कुलदीप को मदद मिलेगी

हम बल्लेबाजी के विफल होने के कारण हारे

अजहर ने कहा, ''हम बल्लेबाजी के विफल होने के कारण हारे, लेकिन अब उन्हें सही खिलाड़ियों को चुनना होगा और गेंदबाजी भी सही होनी चाहिए।'' अजहरुद्दीन (62 वर्ष) ने नए टेस्ट कप्तान गिल का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें अपनी क्षमता साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच है। आप कप्तानी के बारे में बात नहीं कर सकते। कप्तानी के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।'' भारत को कप्तान के तौर पर 47 टेस्ट में से 14 जीत दिलाने वाले अजहरुद्दीन ने कहा, ''हमें उन्हें उचित मौका देना चाहिए और उन्होंने अभी अभी कमान संभाली है।

भारत का पहली पारी में अच्छा स्कोर रहा

अब भारतीय टीम दो जुलाई से बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में खेलेगी जिसमें पिच सूखी रहने की उम्मीद है जिससे कुलदीप को कुछ मदद मिल सकती है। भारत ने कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत के शतकों की मदद से पहली पारी में 471 रन का अच्छा स्कोर बनाया था।

मध्य व अंतिम क्रम के बल्लेबाज विफल रहे

केएल राहुल और पंत के शतकों की मदद से उन्होंने दूसरी पारी में 364 रन बनाए। लेकिन दोनों ही पारियों में मध्य और अंतिम क्रम के बल्लेबाजों के विफल होने के कारण मेहमान टीम मजबूत स्कोर या लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। अजहरुद्दीन ने टीम संयोजन को सही रखने की बात की ताकि टीम को लीड्स की हार से बाहर निकाला जा सके।

तन्वी और आयुष अमेरिकी ओपन के फाइनल में

एजेंसी ▶▶| आयोवा (अमेरिका)

प्रतिभाशाली भारतीय शटलर तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

भारत की 16 वर्षीय गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी तन्वी ने महिला एकल के सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त पोलिना बुहरोवा को 34 मिनट में 21-14, 21-16 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। यह उनकी यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ करियर की दूसरी जीत थी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त बेइवेन झांग से होगा।

पुरुष एकल में भारत के चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व के छठे नंबर के चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-23, 21-15, 21-14 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी राजनांदगांव की पावन, उर्वर धरा ने हिंदी साहित्य को कई रत्नों से सुशोभित किया। इन मनीषी साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से हिंदी की आन- बान- शान में श्रीवृद्धि की। आचार्य पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, आचार्य डॉक्टर बलदेव प्रसाद मिश्र, गजानन माधव मुक्तिबोध ने अपनी लेखनी जब चलाई तो हिंदी साहित्य में वाह-वाही बटोरी। इन्ही मूर्धन्य साहित्यकारों के बीच भी उस दौर का एक ऐसा नाम शामिल है। उन्होंने जब अंग्रेजी शासन के खिलाफ लेखनी चलाई तो गोरों के भी रोंगटे खड़े हो गए। गरीब जनता के दर्द की आवाज बनने वाले उस विद्रोही कवि का नाम कुंजबिहारी चौबे था। साहित्य के कुछ जानकारों ने चौबे जी की तुलना बांग्लादेश के जनकवि नजरुल इस्लाम से की।

कुंजबिहारी चौबे, विद्रोही कवि

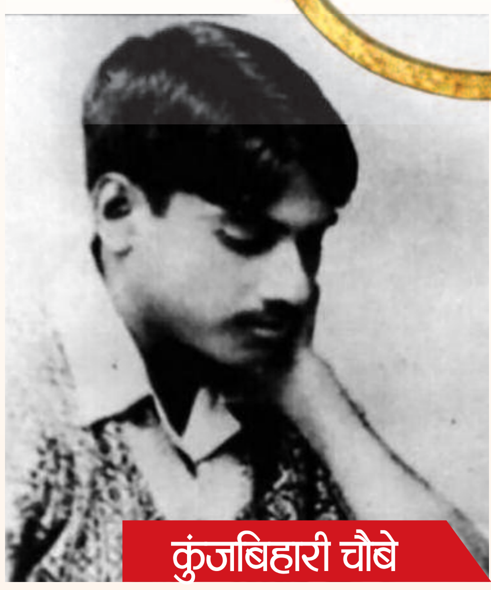

कुंजबिहारी चौबे

संपन्न परिवार में जन्म

आक्रोश और गुस्से की स्वर बनी कविताओं के रचियता कुंजबिहारी चौबे का जन्म 15 जुलाई 1916 को राजनांदगांव से लगे हुए ग्राम नवागांव-बजरंग पुर में हुआ। कुंजबिहारी जी के पिता पंडित छविराम चौबे मालगुजार और भूमिस्वामी थे। मालगुजार परिवार से होने के कारण साधन और सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी। कुंजबिहारी का जन्म बड़ी मनौतियों के साथ छह पुत्रियों के बाद हुआ था। पुत्र पाकर पूरा परिवार आनंदमग्न हो गया था। कुंजबिहारी जी को पाकर उनकी माता का पूजा पाठ सफल हुआ। इसी वजह से कुंजबिहारी को असीम प्यार दुलार मिला। बचपन से शायद इसी कारण वह अत्यधिक उपद्रवी, जिद्दी, निर्भीक और उद्दंड थे।

पत्नी सुभद्रा देवी चौबे

सामाजिक व्यवस्था से दुखी

पिता छविराम चौवे उदार विचार के प्रगतिशील व्यक्ति थे। उनकी विचारधारा समय से बहुत आगे थी। वे समाज में आमूल परिवर्तन करना चाहते थे। कुंजबिहारी पर उनके पिता की विचारधारा का प्रभाव पड़ा था। वे बचपन से ही मेधावी, भावुक, साहसी और निर्भीक थे। बहुत कम उम्र में ही उनमें साहित्य के प्रति रुचि पैदा हो गई थी। बचपन से ही वे स्वतंत्रता आंदोलन की बातों में रुचि लेने लगे थे। बालक कुंजबिहारी को अपने गांव के गरीब परिवारों और उनकी दयनीय स्थिति ने मानसिक रुप से परेशान किया। अपने आसपास बिखरी विषमता को देखकर कुंजबिहारी जी परेशान हो जाते थे। परिवार के लोग समझाते थे कि हम अपने अपने भाग्य से लोग सुख या दुख भोगते हैं। ऐसे भाग्य के प्रति ही कुंजबिहारी को घृणा होने लगी जो अधिकांश लोगों के जीवन को अंधकारमय किए हुए हैं। उन्हें ब्राह्मणत्व और जाति-पाति के बंधन से भी नफरत हो गई और कुंजबिहारी जी चाहे जब किसी भी जाति के, किसी भी धर्म के लोगों के यहां भोजन कर लेते थे। सभी को अपनी बराबरी का मानते थे, समान दर्जा देते थे।

बख्शी जी का शिष्यत्व

कुंजबिहारी जी छात्र जीवन में पढ़ाई, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों में वे हमेशा आगे रहे। भाषण, वाद विवाद, काव्य पाठ में हमेशा पुरस्कृत, सम्मानित होते रहे। एक मील और आधे मील की दौड़ में हमेशा प्रथम आते रहे। धार्मिक और पूजा पाठ में अपने पिताजी की सक्रियता को देखते देखते वे बचपन से धर्म-कर्म की ओर आकृष्ट हुए और स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद तथा स्वामी रामतीर्थ रचित साहित्य और आध्यात्मिक धार्मिक ग्रन्थों का अध्ययन करने लगे। उन्होंने राजनीति शास्त्र और दर्शन शास्त्र के अध्ययन में भी रुचि ली और साहित्य के भी अच्छे अध्येता के रुप में काफी यश अर्जित किया। प्रसिद्ध साहित्यकार पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी 'मास्टरजी' का शिष्यत्व भी कुंजबिहारी को प्राप्त हुआ। बख्शी जी को अपने शिष्य की साहित्यिक अभिरुचि पर गर्व था। वे एक उत्कृष्ट कोटि के कवि के रुप में बालक कुंज बिहारी के भविष्य को देखने लगे थे।

कुंजबिहारी जी के पुत्र अविकल ने अथक परिश्रम कर अपनी पिता की रचनाओं को पुस्तक अवशेष में प्रकाशित किया।

यूनियन जैक उतारकर जलाया

राजनांदगांव के मिडिल स्कूल में पढ़ाई के दौरान कुंजबिहारी अंग्रेजी साम्राज्य का झंडा यूनियन जैक लहराते हुए देखते तो तिलमिला जाते थे। आखिर एक रोज उन्होंने ठान लिया कि आज 'यूनियन जैक' को उतारा जाएगा और उसकी जगह कांग्रेस का झंडा लहराया जाएगा। यूनियन जैक को उतारकर जलाने के साथ ही अपना झंडा लहराकर रात में अपने घर चले गए। दूसरे दिन सबेरे सभी छात्र, सभी शिक्षक और पास-पड़ोस के लोगों ने कांग्रेसी झंडे को अचानक देखा। दूसरे दिन स्कूल में हेड मास्टर ने गुस्से में हर उस छात्र की बेतों से जमकर पिटाई की जिस पर उन्हे अंग्रेजों का झंडा जलाने का शक था। पूरे स्कूल के सामने बालक कुंजबिहारी ने स्वीकार किया कि उन्होंने ही यूनियन जैक उतारा है। गुस्से में हेडमास्टर ने कुंजबिहारी की छड़ी से पिटाई की। बेंत के प्रहार से कुंजबिहारी के हाथों से खून रिसने लगा, लेकिन उन्होंने उफ तक नहीं की। इस घटना के बाद कुंजबिहारी जो स्कूल से निकाल दिया गया, लेकिन इस घटना ने स्कूल के छात्रों में देशप्रेम की भावना भर दी।

मर गया भगवान मेरा...

कुंजबिहारी जी अपने आसपास फैली विषमता से काफी आहत थे। ब्राह्मण परिवार से होने के बावजूद जातीय उच्चता का भाव उन्होने कभी नहीं रखा। व्यावहारिक जीवन में जहां भी जो मिलता और आग्रह करता उसके यहां बगैर जाति का विचार किए खाना और चाय पानी ग्रहण कर लेते थे। आसपास फैली असमानता और सामाजिक आडंबरों के खिलाफ कवि कुंजबिहारी का कोमल हृदय व्यथित था इसीलिए तो उनकी लेखनी ने इस व्यथा को आक्रोश के साथ व्यक्त किया।

हृदय की प्रत्येक तह में, भरी कितनी चाह उसने
किन्तु उसकी पूर्ति की, अवरुद्ध कर दी राह उसने
पूर्ण उसने किया अब तक कौन-सा अरमान मेरा ?
मर गया भगवान मेरा !

इसी तरह धर्मभीरू समाज को उनकी हकीतत बताती ये कविता बहुत लोकप्रिय हुई।

जो धर्म बना देता है तुम्हें भिखारी
जो धर्म बनाता तुम्हें लंगोटीधारी।

जो धर्म तुम्हें अंधा बनने को कहता
वह धर्म न हो सकता कदापि हितकारी।

गांधी गौरा

महात्मा गांधी ने देश को असहयोग और स्वराज्य को जो मंत्र दिया है यह एक दिन रंग लाएगा ऐसा कवि का विश्वास था। गांधी-गौरा' नामक छत्तीसगढ़ी गीत में गांधी के प्रति अपनी आस्था को कवि ने प्रकट किया है। महात्मा गांधी के लिए लिखी कुंजबिहारी जी की ये कविता भी काफी लोकप्रिय हुई थी।

उगे हे आकाश में पुन्नी के चंदा ! हाँ पुन्नी के चन्दा !
अवतरे धरती में हवे गांधी देवता ।

सत के खातिर ओ दाई, घर-बार छाड़िके, हां घर बार छाड़िके,
गरीब औ गुरुवा के करत हवे सेवा।

डंकी-लंका ला घलो तज देहे कइथें, ओ तज देहे कइचें
हमरे खातिर ओ दाई बन गेहे साधू ।

जब ले अंग्रेज मन के राज होईस हे, हां राज होइस है
तब ले हमर बर, खाड़ी दू खाड़ो के अब कलऊ खरागे।

बेचारी बेला गे, हां बेचारी बेला गे। तैहा के दिन अब कहां पावे दाई।
घर-घर कातत रहिन हवे चरखा, कातत रहिन चरखा।

घर घर पेरत रहिन हवें घानी
ओही दिन खातिर लड़त हवे कइये, लड़त हवे कइये
अंग्रेज के संग गांधी महात्मा ।

अंग्रेज डहर हवे फौज ओ फटाका, हां फौज और फटाका,
गोला अऊ बारूद गांधी ल हे एक कहां पावे दाई।

अजी अंग्रेज !
तंय हमला बनाए कंगला

सात समुंदर विलायत ले आके
हमला बना देहे भिखारी जी ।
हमला नचाए तैं बेंदरा बरोबर
बन गए तैं मदारी जी।
चीथ चीथ के तंय हमर चेथी के मांस ला
अपन बर तैंहर टेकाये बंगला।

हम चा की पीछे मतवाले

1 राष्ट्रवाद से ओतप्रोत रचनाओं के अलावा कुंजबिहारी जी ने हास्य व्यंग्य के क्षेत्र में भी सुंदर कविताएं की। एक कविता में तो उन्होने मदिराप्रेमियों को चाय की खासियत भी बता डाली।

तुम मधु के पीछे दीवाने, हम चा के पीछे मतवाले !
तुम पीते हो मधु की प्याली, हम पीते हैं चा का प्याला।
मधुबाला तुम्हें पिलाती है, है हमें पिलाता चा-वाला।
तुम स्वादहीन मधु पीते हो, हम मधुर-मधुर चा पीते हैं।
तुम जग-जीवन से हार चुके, हम जग-जीवन से जीते हैं !
तुम बुजदिल हम हिम्मत वाले !
तुम.तुम शीतल मधु पी-पी करके हो बुझा रहे अंतर्जाला ।
हम दिल में आग लगाते हैं, पी, गरम-गरम चा का प्याला !
तुमको मधु महंगा मिलता है, हमको चा मिल जाती सस्ती ।
मधु बेहोशी देता तुमको, चा दे जाती हमको मस्ती ।
पी चा उधार, हमने कितने होटल वालों के घर घाले। तुम.
तुम दिल की प्यास बुझाते हो, मिल गयी तुम्हें तो मधुबाला !
चा पिला हमारा घायल दिल बहला देता है चा-वाला ।
जब मिली न हमको चा वाली जब मिली न हमको चा-बाला !
हम मन मसोस होटल पहुँचे, मिल गया हमें, चा का प्याला !
और अचानक ले ली अग्नि समाधि।
आंसुओं से लिखा निज इतिहास
पढ़ जिसे जग ने किया परिहास !
पी चुका संसार मेरे अश्रु, पर बुझी उसकी न निष्ठुर प्यास
चूसना अब चाहता है रक्त, और उसके ओंठ पर है हास ।

'बियासी के नागर'

कुंजबिहारी जी की प्रसिद्ध कविता 'बियासी के नागर' किसी लोकगीत की तरह प्रदेश के हर किसान की जुबान पर रहती थी। इसे 1936 में नागपुर आकाशवाणी केंद्र से प्रसारित की गई थी।

चल मोरे भैया बियासी के नागर
चल मोरे भैया बियासी के नागर, अरे!
कैसे मजा के बियासी के नागर!
बिजली लफालफ चमकत है,
इंदर देवता ह तमकत है।
जुड़ जुड़ बोहत हवे पुरवाही
दीखत हे लच्छन गजब पानी आही ।
घपटे हे उत्ती डहर करिया बादर
चल मोरे भैया बियासी के नागर ।।
रहि रहि के गरजत है बादर जी
बड़े बिहिनिया ले करे हे झक्कर जी
रुमझुम-रुमझुम बरिसत है पानी
कैसे मजा के मोर खेती किसानी।

आज रात 7.55 बजे

अंग्रेजों के खिलाफ जन जागरण किया

चौबे जी बीसवीं शताब्दी के नायक थे। अंग्रेजों के खिलाफ साहित्य रचकर जनजागरण किया छात्र जीवन में ही अंग्रेजों के झंडे को स्कूल से उतारकर अपना रोष व्यक्त किया। उनकी रचनाएं भी अंग्रेजी शासन के खिलाफ आग उगलती थी।
-बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर सांसद, पूर्व संस्कृति मंत्री

रचनाओं में गरीब वर्ग के लिए व्यथा

आजादी के आंदोलन और साहित्य के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए चौबे जी का नाम हमेशा सम्मान के लिए लिया जाता है। बचपन में ही यूनियन जैक को जलाकर उन्होंने अपने इरादों को जाहिर किया। उनकी रचनाओं में गरीब वर्ग के लिए व्यथा भी साफ झलकती है।
-धरमलाल कौशिक ,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष

अपनी रचनाओं को माध्यम बनाया

राजनांदगांव को चौबेजी ने पूरी दुनिया में ऊंचा किया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के तौर पर उनका नाम हमेशा याद किया जाएगा। अपनी बात कहने के लिए चौबेजी जी ने गद्य और पद्य को माध्यम बनाया।
-संतोष पांडेय, सांसद,राजनांदगांव

अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की

समाज में जब भी कोई क्रांति आई है, उसका प्रमुख स्त्रोत साहित्य रहा है। कुंजबिहारी चौबे जी ऐसे ही एक प्रेरणादायक साहित्यकार थे, जिन्होंने अपनी राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रचनाओं के माध्यम से जनमानस को जागरूक किया और अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की।
-अनुज शर्मा, विधायक

चौबे जी को विद्रोही कवि के रूप में मिली पहचान

कुंजबिहारी चौबे जी को विद्रोही कवि के रूप में जाना जाता है। उन्होंने मात्र 12 वर्ष की उम्र में साहित्य लेखन शुरू कर दिया था। उनकी रचनाएं राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में प्रकाशित होने लगी थीं। उनके अंदर देशभक्ति की भावना इतनी प्रबल थी कि एक बार स्कूल में यूनियन का झंडा फहराया गया, तो उन्होंने उसे उतारकर जला दिया और उसकी जगह कांग्रेस का झंडा लगा दिया।
-अश्विनी केशरवानी, वरिष्ठ साहित्यकार

कविताओं में राष्ट्र प्रेम की झलक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत होकर उन्होंने कविताएं लिखीं, जिनमें देश के प्रति अगाध प्रेम, स्वतंत्रता की ललक और सामाजिक चेतना स्पष्ट झलकती है। कुंजबिहारी चौबे जी की रचनाएं न केवल साहित्यिक सौंदर्य से परिपूर्ण थीं, बल्कि वे जनता के हृदय को झकझोरने वाली प्रेरणास्रोत भी बनीं। छात्रावस्था से ही उनके अंतर्मन में क्रांति की लहरें उठने लगी थीं।
-ओम प्रकाश साहू, वरिष्ठ साहित्यकार

28 वर्ष की आयु में ही उन्होंने 111 कविताएं लिखी

कुंजबिहारी चौबे जी बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। बचपन से ही उनमें निर्भीकता, आत्मविश्वास और स्पष्ट विचारों की झलक दिखाई देती थी। सिर्फ 28 वर्ष की आयु में ही उन्होंने 111 कविताएं लिखी। इनमें से 5 कविताएं छत्तीसगढ़ी भाषा में हैं, जो उनकी क्षेत्रीय भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम और लगाव को दर्शाती हैं।
डॉ. नलिनी श्रीवास्तव,वरिष्ठ साहित्यकार

किसानों और मजदूरों को करीब से देखा

इतनी कम उम्र में एक युवा बालक ने अंग्रेजों के खिलाफ अपने साहित्य के माध्यम से बुलंद आवाज उठाई थी। कुंजबिहारी चौबे ने किसानों और मजदूरों की पीड़ा को बहुत नजदीक से महसूस किया।
-डॉ. सीमा रानी प्रधान , सहायक प्राध्यापक

राजनांदगांव स्टेशन को बनाया ठिकाना

अपने क्रांतिकारी कार्यों, शालाओं के छात्रों को लेकर जुलूसों, प्रदर्शनों में नेतृत्व करते रहने के कारण कुंजबिहारी जी राजनांदगांव रियासत के लिए सिरदर्द बनते गए। बीएनसी. मिल में ठाकुर प्यारेलाल सिंह के नेतृत्व में होने वाले श्रमिक आन्दोलन, मिल में आम हड़ताल, तालाबंदी जैसे क्रियाकलाप में युवा कुंज बिहारी के योगदान को अब रियासत के अंग्रेजी दीवान सहन नहीं कर पाए, जिसके बाद ठाकुर प्यारेलाल सिंह के साथ कुंजबिहारी जी को भी रियासत सीमा के अंदर ना आने की सजा दी गई। जिसके बाद दोनों नेताओं ठाकुर साहब और चौबे जी ने राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर डेरा जमाया और श्रमिकों को, स्थानीय लोगों को स्टेशन पर बुला बुलाकर गुरु मंत्र देते रहे और आन्दोलन का नेतृत्व करते रहे। रियासत के दीवान द्वारा राजनांदगांव रियासत बदर किए जाने पर भी राजनांदगांव स्टेशन में मौजूदगी पर जब पुलिस कार्रवाई होने लगी तो पेशे से वकील ठाकुर प्यारेलाल सिंह ने सिद्ध कर दिया कि रेलवे स्टेशन क्षेत्र किसी भी नगर विशेष के कार्यक्षेत्र से परे रहता है। स्टेशन पर किसी को रहने से, आने जाने से मना नहीं किया जा सकता। इन घटनाओं के बीच कुंजबिहारी जी की पढ़ाई छूट गई और वे पूरी तरह से स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए।

खो गई तिमिर में छाया...

सांसारिक कुचक्रों के सामने जब कुंजबिहारी जी हताश हो गए तब उन्होने अहमद नगर के चमत्कारी सिद्ध पुरुष मेहर बाबा की शरण ली। मेहर बाबा की भक्ति के सानिध्य में उन्होने बाबा को समर्पित कुछ रचनाएं भी की। मूल अंग्रेजी में लिखे हुए 'अखण्ड ज्योति' का छह महीने के परिश्रम में हिंदी अनुवाद किया ये पुस्तक तीन भागों में हिंदी में उपलब्ध है लेकिन यहां भी मानसिक शांति नहीं मिली...पूर्ण शांति के लिए कुंजबिहारी जी ने खुद ही अग्नि समाधि लेने का फैसला किया। 5 जनवरी 1944 को नवागांव के अग्निशैया पर खुद के शरीर की आहूति दे डाली। अस्पताल ले जाया जाता तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. नंदूलाल चोटिया ने अपनी कविता समाधि के आंगन में कुंजबिहारी जी को आदरांजलि अर्पित की है।

जग से कभी द्वन्द हो जाता, कभी कर रहा जग से प्यार ।
मेरे कवि का, विराट जग के,
जन-जीवन से अपनापन है
यह मेरे कवि का आंगन है
हृदय-वेदना, शब्द समूहों को
धरती पर मेल रही है
अब भी तो उसके आंगन पर,
उसकी कविता खेल रही है।
अब भी अश्रु ढलक पड़ते हैं,
सिहरे, कर्मठ ज्ञान विचारी।
कटक-पथ पर चलने वाला,
मेरा कवि था, कुंजबिहारी ।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समाचार) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com